www.epaper.azadsipahi.in

* ओड़िशा संस्करण

09 दिसंबर, 2024
मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 51

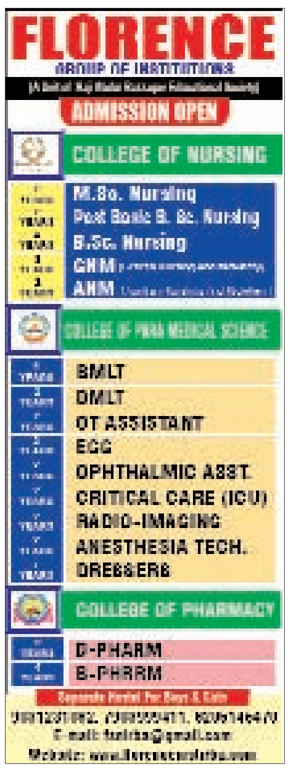

न्यूज रील्स

बांग्लादेशी सैनिकों की हिमाकत, असम में घुसे

गुवाहाटी। हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर उतारू बांग्लादेश की हिमाकत दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। अब असम के श्रीभूमि जिले में एक मंदिर का निर्माण कार्य बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बांग्लादेशी सैनिक) के हस्तक्षेप के बाद अस्थायी रूप से रोक दिया गया। हालांकि श्रीभूमि जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि यह केवल भ्रम की स्थिति थी, और चर्चा के बाद इसे सुलझा लिया गया। श्रीभूमि के जिला आयुक्त प्रदीप कुमार द्विवेदी ने बताया कि भ्रम की वजह अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मंदिर के पुनर्निर्माण स्थल के पास एक काले रंग का प्लास्टिक कवर था। उन्होंने कहा, सीमा के पास मनसा मंदिर का पुनर्निर्माण हो रहा था और श्रमिकों ने वहां एक छोटा सा तंबू बनाया, जिससे बीजीबी के जवान वहां आये। बीजीबी के हस्तक्षेप के कारण निर्माण कुछ समय के लिए रोक दिया गया और शाम को फ्लैग-मीटिंग के बाद भ्रम दूर हो गया।

जॉर्ज सोरोस के संगठन से जुड़ी हैं सोनिया: भाजपा

नयी दिल्ली। अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस और कांग्रेस के रिश्तों को लेकर भाजपा ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। भाजपा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट करके कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एक संगठन से संबंध है। भाजपा ने कहा कि यह संगठन भारत विरोधी और अलगाववाद का समर्थक है। भाजपा ने कहा कि फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित संगठन से जुड़ी हुई हैं। पोस्ट में भाजपा ने सोनिया गांधी और कांग्रेस के खिलाफ कई आरोप लगाये। भाजपा ने दावा किया कि फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) कश्मीर को लेकर विवादित बयान दिये हैं।

छठी विधानसभा के पहले सत्र के लिए दोनों पक्ष तैयार

रविंद्र नाथ महतो फिर स्पीकर बनेंगे, नेता प्रतिपक्ष अभी नहीं

- प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी नये विधायकों को दिलायेंगे शपथ
- राज्यपाल का अभिभाषण और अनुपूरक बजट भी पेश किया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की छठी विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष ने इसकी तैयारी कर ली है। रविवार को दोनों पक्षों के विधायकों की अलग-अलग हुई बैठकों में सत्र के दौरान अपनायी जानेवाली रणनीतियों को अंतिम रूप दिया गया। चार दिवसीय यह सत्र 12 दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र में प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी द्वारा नये सदस्यों को शपथ दिलाने के अलावा अध्यक्ष का चुनाव होगा और राज्यपाल के अभिभाषण के बाद अनुपूरक बजट पेश किया जायेगा। सत्ता पक्ष की तरफ से प्रो रविंद्र नाथ महतो को स्पीकर बनाये जाने का फैसला कर लिया गया है, जबकि विपक्ष की तरफ से विधायक दल का नेता नहीं चुने जाने के कारण इस सत्र में नेता प्रतिपक्ष नहीं होगा।

ऐसा होगा सदन का नजारा : छठी विधानसभा का नजारा पूरी तरह बदला होगा। राज्य गठन के बाद पहली बार सत्ता पक्ष दो तिहाई से अधिक बहुमत के साथ ट्रेजरी बेंच पर बैठेगा। इसमें झामुमो के 34, कांग्रेस के 16, राजद के चार और भाकपा माले के दो सदस्य होंगे। उधर विपक्ष की तरफ केवल 24 सदस्य होंगे, जिनमें भाजपा के 21 और जदयू, लोजपा-आर और आजसू के एक-एक विधायक होंगे। पहली बार जेएलकेएम के एक विधायक भी सदन में दिखेंगे।

कुल 19 सदस्य पहली बार सदन में दिखेंगे

छठी विधानसभा में कुल 81 सदस्य चुन कर आये हैं। इनमें से 19 ऐसे हैं, जो पहली बार विधायक बने हैं। इनमें मो ताजुद्दीन (राजमहल), निशात आलम (पाकुड़), आलोक सोरेन (शिकारीपाड़ा), धनंजय सोरेन (बोरियो), रोशनलाल चौधरी (बड़कागांव), निर्मल महतो (मांडू), प्रदीप प्रसाद (हजारीबाग), कुमार उज्ज्वल दास (सिमरिया), मंजू कुमारी (जमुआ), जयराम महतो (डुमरी), श्वेता सिंह (बोकारो), चंद्रदेव महतो (सिंदरी), रागिनी सिंह (झरिया), शत्रुघ्न महतो (बाघमारा), पूर्णिमा साहू (जमशेदपुर पूर्वी), जगत मांझी (मनोहरपुर), सुदीप गुड़िया (तोरपा), रामसूर्य सिंह मुंडा (खूंटी), सुरेश बैठा (कांके) और नरेश प्रसाद सिंह (विश्रामपुर) शामिल हैं।

सीएम ने तैयारी के साथ सत्र में शामिल होने को कहा

विधानसभा सत्र के मद्देनजर मुख्यमंत्री आवास में सत्ता पक्ष (झामुमो, कांग्रेस, राजद और भाकपा माले) के नवनिर्वाचित विधायकों की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में प्रो रविंद्र नाथ महतो को फिर से स्पीकर बनाने का फैसला किया गया। संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि सत्र शुरू होने से पहले हुई बैठक में मुख्यमंत्री की ओर से कई निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने सभी को तैयारी के साथ सत्र में शामिल होने को कहा है। उन्होंने निर्देश दिया है कि पिछली हेमंत सोरेन सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा हो और विपक्ष की ओर से जो भी बातें रखी जायें, उनका तर्कों के साथ जवाब दिया जाये।

भाजपा विधायकों की बैठक में बनी रणनीति

विधानसभा सत्र के मद्देनजर भाजपा विधायकों की बैठक रविवार को प्रदेश मुख्यालय में हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत सभी नवनिर्वाचित विधायक शामिल हुए। बैठक में छठी विधानसभा के पहले सत्र के दौरान अपनायी जानेवाली रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में विधायक दल का नेता नहीं चुने जाने की बाबत कहा गया कि इस पर उचित समय पर फैसला किया जायेगा। सभी विधायकों को मजबूत हौसलों के साथ अपनी बात रखने और जनहित के मुद्दों पर समन्वय बना कर काम करने को कहा गया, ताकि सत्ता पक्ष पर दबाव बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक्शन में आय बढ़ाने के उपायों पर फोकस

- राज्य के आठ लोक उपक्रमों को लाभांश का 30 फीसदी देने का निर्देश
- झारखंड शहरी परिवहन निगम लिमिटेड को बंद करने का फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सरकार की आय बढ़ाने के लिए नये-नये उपायों पर काम शुरू कर दिया है। उन्होंने राज्य के आठ लोक उपक्रमों को लाभांश का 30 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार को देने का निर्देश दिया है। इन लोक उपक्रमों ने अपने गठन के बाद से अब तक राज्य सरकार को लाभांश नहीं दिया है। इनमें झारखंड राज्य खनिज विकास निगम, झारखंड स्टेट बिवरेजेस कॉरपोरेशन, झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम, झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन, झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन, जुडको, रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन, झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉरपोरेशन शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इनमें से केवल झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड ने लाभांश की घोषणा की थी, लेकिन 15 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। इसके अलावा राज्य सरकार ने बंद पड़े झारखंड शहरी परिवहन निगम लिमिटेड (जेयूटीसीएल) को स्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर आयोजित समीक्षा के दौरान यह बात सामने आयी कि राज्य सरकार के 16 लोक उपक्रमों ने तीन साल से अपनी वैधानिक वित्तीय रिपोर्ट जमा नहीं की है। वित्त विभाग के प्रधान सचिव ने इन लोक उपक्रमों को जल्द से जल्द रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। समीक्षा बैठक में लोक उपक्रमों की ऑडिट रिपोर्ट, लाभांश और अतिरिक्त पूंजी पर भी चर्चा हुई। यह निर्णय लिया गया कि जिन लोक उपक्रमों ने अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभायी हैं, उनके निदेशकों पर कंपनी अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है और जुर्माना लगाया जा सकता है।

खनन राजस्व मॉडल का अध्ययन करने ओड़िशा और छत्तीसगढ़ जायेगी टीम

- वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने दी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राजस्व बढ़ाने के निर्देश के अनुरूप वित्त विभाग ने भी एक पहल की घोषणा की है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया है कि राज्य का खनन राजस्व बढ़ाने के लिए झारखंड का उच्चस्तरीय दल जल्दी ही ओडिशा और छत्तीसगढ़ का दौरा करेगा। यह दल वहां के खनन राजस्व मॉडल का अध्ययन करेगा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि झारखंड में देश का 40 फीसदी खनिज होने के बावजूद 11 से 12 हजार करोड़ रुपये का ही राजस्व मिलता है, जबकि ओड़िशा को खनन से 50 हजार करोड़ रुपये मिलते हैं। 2016-17 में ओड़िशा को खनन से 49 सौ करोड़ रुपये मिले थे, जो 2021-22 में बढ़कर 50 हजार करोड़ हो गये।

मंईयां सम्मान योजना के लिए 17700 करोड़ की जरूरत : राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार मंईयां सम्मान योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की लागत को कवर करने में जुट गयी है। अकेले मंईयां सम्मान योजना के लिए प्रति वर्ष कम से कम 17700 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

1.36 लाख करोड़ बकाये पर कही यह बात: वित्त मंत्री ने केंद्र के पास 1.36 लाख करोड़ के बकाये पर तर्क दिया कि राजनीतिक नैतिकता यही है कि केंद्र सरकार से निष्पक्षता से कार्य करने और धन जारी करने की मांग की जायेगी।

निजी अस्पताल अब शव नहीं रोक सकेंगे

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने की घोषणा

- बिल के लिए शव को रोकने पर होगी कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

जामताड़ा। नवनियुक्त स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि अब राज्य के निजी अस्पताल किसी का शव नहीं रोक सकेंगे। बिल भुगतान या किसी अन्य कारण से यदि शव को रोका जायेगा, तो कड़ी कार्रवाई होगी। डॉ अंसारी रविवार को धनबाद के गोविंदपुर फकीरडीह चौक पर मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को कार्यभार संभालने के बाद यह आदेश जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि निजी अस्पताल में इलाज के दौरान अगर किसी मरीज की मौत होती है, तो बिना बिल चुकाये शव परिजनों को सौंपना होगा। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों के मनमाने रवैये पर लगाम कसना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। मंत्री के अनुसार स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से सुस्त है। स्वास्थ्य को व्यवसाय के रूप में देखा जाना ठीक नहीं है। निजी अस्पतालों ने सारे मापदंड बिगाड़ दिये हैं। आयुष्मान के मापदंड की प्रक्रिया हर हाल में पूरी करनी होगी। लोग स्वास्थ्य के साथ व्यवसाय करने लगे हैं। इस पर वह रोक लगायेंगे। उन्होंने कहा कि लोग दो कमरे किराये पर लेकर अधिकारियों को रिश्वत देकर आयुष्मान की मान्यता ले लेते हैं। उनका एकमात्र मकसद गरीबों को लूटना है। मंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज करने वाले सभी निजी अस्पतालों की उच्चस्तरीय जांच करायी जायेगी। जांच में दोषी पाये जाने वालों पर सख्त कार्रवाई भी की जायेगी।

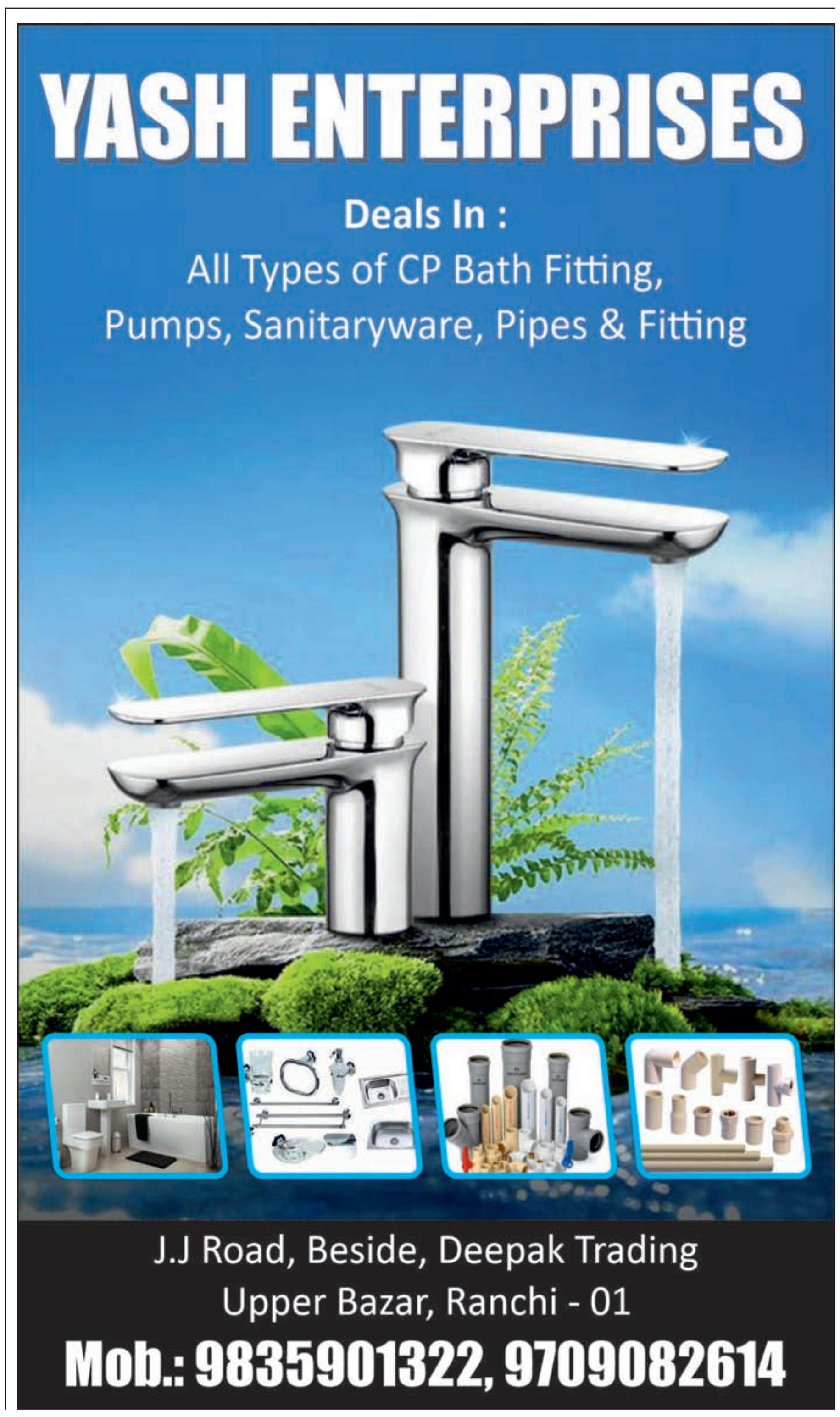

पलामू के पांडू में दलित परिवार पर टूटा प्रशासन का कहर

बेटी की बारात आने से पहले हाइकोर्ट के आदेश के बाद तोड़ दिया घर

- छह माह पहले मिला था नोटिस, गरीबी के कारण नहीं दे सका था जवाब

मनोज सिंह

पांडू। पलामू जिले के पांडू में तीन दलित परिवारों पर प्रशासन का कहर टूटा है। प्रशासन ने हाइकोर्ट के आदेश पर कजरूकला पंचायत निवासी ललन राम, बिंदू राम और विजय राम के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया है। रैयत सिद्धि पांडेय ने हाइकोर्ट में अपील की थी कि तीनों ने उनकी जमीन पर घर बनाया है। हाइकोर्ट ने कुछ घरों के कुछ हिस्सों को तोड़ने का आदेश दिया था, लेकिन प्रशासन ने पूरे घर को ही ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार तीनों परिवारों को घर खाली करने का नोटिस छह महीने पहले ही दिया गया था, लेकिन गरीबी के कारण उसका जवाब दाखिल नहीं किया जा सका।

सोमवार को आनी थी बेटी की बारात

इस पूरी घटना में सबसे खास बात यह है कि बिंदू राम की बेटी इंदू कुमारी की शादी सोमवार को है। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद अब यह शादी टल गयी है।

पीएम आवास के तहत मिला था घर

तीनों दलित परिवारों को पीएम आवास के तहत घर मिला था। घर का कुछ हिस्सा रैयती जमीन पर बना था। यह निर्माण पांडू के बीडीओ और सीओ के सत्यापन के बाद ही हुआ था। पैसा भी दलित परिवार के खाते में तमाम औपचारिकताओं के बाद भी डाला गया था। फिर रैयती जमीन पर पीएम आवास कैसे बन गया, यह बड़ा सवाल है।

परिवार को कोई परेशानी नहीं होगी: मजिस्ट्रेट

इस मामले की बाबत मजिस्ट्रेट रणवीर कुमार ने कहा कि हाइकोर्ट के आदेश के बाद यह कार्रवाई की गयी है। हाइकोर्ट ने छह महीने पहले ही सभी परिवारों को नोटिस दिया था, लेकिन किसी ने उसका जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि तीनों परिवारों के लिए अस्थायी व्यवस्था कर दी गयी है। उनको कोई परेशानी नहीं होगी।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 71,500 रु./10 ग्राम
चांदी 94,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 09 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

चुनाव हारने के बाद दोराहे पर खड़ी झारखंड भाजपा

झारखंड में अगर सफल होना है तो झारखंडी चेहरों को आगे करना होगा

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार पराजित हो चुकी भारतीय जनता पार्टी आज ऐसे दोराहे पर खड़ी है, जहां से उसे न आगे का सही रास्ता नजर आ रहा है और न ही पुराने दिनों की तरफ लौटने का कोई जरिया। एक पखवाड़े पहले संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की पराजय आंकड़ों की दृष्टि से तो सबसे बड़ी है ही, झारखंड में अब तक की सबसे खराब भी है। इस पराजय के बाद अब झारखंड की हवा में यह सवाल तैरने लगा है कि प्रदेश भाजपा के सामने अब कौन सा रास्ता बचा है। पार्टी अब क्या करेगी। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि यह पहली बार है, जब झारखंड भाजपा अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए विधायकों की बैठक तक नहीं बुला पा रही है। नयी विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है, लेकिन इसमें कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं होगा। झारखंड भाजपा अपनी हार के कारणों की तलाश में जुटी है, लेकिन उसने उन चूकों की तरफ ध्यान नहीं दिया है, जो हार का कारण बन गयीं। अपने कोर वोटरों और स्थानीय नेतृत्व की उपेक्षा के अलावा भाजपा ने कुछ ऐसी गलतियां भी की, जो उसकी दुर्गति का कारण बन गयी। पार्टी जब तक इन गलतियों से सीख नहीं लेगी और पुरानी नीतियों पर चलती रहेगी, तब तक कम से कम झारखंड में उसका बेड़ा पार लगना फिलहाल मुश्किल दिखाई पड़ रहा है। क्या है झारखंड भाजपा की दुविधा और चुनाव के दौरान उसके द्वारा की गयी गलतियों का असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

झारखंड का सियासी माहौल अब शांत हो चुका है। विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद नयी सरकार ने कामकाज संभाल लिया है और नयी विधानसभा का पहला सत्र भी नौ दिसंबर से शुरू हो रहा है। शांत हो चुके इस सियासी माहौल में एक सवाल, जो सबको परेशान कर रहा है, वह यह है कि झारखंड भाजपा अब आगे क्या करेगी। प्रदेश में दोबारा खड़ा होने के लिए उसके पास कौन से रास्ते हैं। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि चुनावी हार के बाद पार्टी का हौसला बुरी तरह पस्त दिखाई दे रहा है। हालत यह है कि पार्टी अपने विधायक दल के नेता का चुनाव भी नहीं करा पा रही है, ताकि उसे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सके। महज एक चुनावी हार ने भाजपा को भीतर तक हिला दिया है। उसके नेता कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हैं। लेकिन अहम सवाल यही है कि भाजपा आगे क्या करेगी। भाजपा की इस पराजय का एक कड़वा सच यह भी है कि आदिवासी वोटर अब उससे पूरी तरह कट चुके हैं। झारखंड के निर्माण में भाजपा की भले भूमिका रही हो, लेकिन राज्य के लिए उसकी नीतियां अब यहां के आदिवासियों को पसंद नहीं आ रहीं।

नये प्लान पर काम करेगी भाजपा

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा ने बाबूलाल मरांडी को अपने पाले में लाकर नये प्लान पर काम करना शुरू किया था। उसे लगा था कि आदिवासी चेहरे को कमान सौंपने से उससे छिटक गये आदिवासी दोबारा उससे जुड़ जायेंगे। बाबूलाल मरांडी ने जम कर मेहनत की, पूरे प्रदेश की यात्राएं की और भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया। लेकिन 2024 के चुनाव से ठीक पहले जिस तरह उन्हें दरकिनार कर दिया गया, वह बहुत से लोगों को रास नहीं आया। बाहरी नेताओं ने स्थानीय नेतृत्व को हाई जैक कर लिया था। इसलिए अब अनुमान लगाया जा रहा है कि भाजपा झारखंड में खुद को दोबारा खड़ा करने के लिए नये प्लान पर काम करेगी। इसके तहत स्थानीय नेतृत्व को कमान सौंपना और नेताओं के बीच की प्रतिद्वंद्विता को खत्म करना शामिल है। सवाल यह भी है कि क्या भाजपा आदिवासी वोटों का मोह छोड़कर नये सिरे से नया नेतृत्व तलाश करे। इसका जवाब शायद नहीं है, क्योंकि यदि बाबूलाल मरांडी नहीं होते, तो भाजपा की हालत और बुरी हो सकती थी, ऐसा लोगों का मानना है।

दूर जा चुके हैं आदिवासी वोटर

अब भाजपा को यह स्वीकार करने में तनिक भी संकोच नहीं करना चाहिए कि झारखंड का आदिवासी समाज उससे लगातार कटता रहा है। इसे समझने के लिए सिर्फ एक उदाहरण काफी है। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा आदिवासियों के लिए आरक्षित सभी पांच सीटें हार गयी। इन्हीं पांच सीटों के अंतर्गत विधानसभा की 28 आरक्षित सीटें आती हैं। 2019 के चुनाव में भाजपा को आदिवासियों के लिए आरक्षित 28 विधानसभा सीटों में 26 पर हार मिली थी। इस बार तमाम तिकड़म के बावजूद भाजपा की झोली में सिर्फ एक आदिवासी सीट मिली है। झामुमो छोड़ कर भाजपा में आये पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने अपनी आदिवासी सीट जीत कर भाजपा की लाज बचायी है।

भाजपा से क्यों कटे आदिवासी

भाजपा में अपनी बुरी हार पर मंथन जरूर होगा। कारणों की पड़ताल की जायेगी कि भाजपा की यह दुर्गति अपने ही बनाये झारखंड में क्यों हो गयी। भाजपा के इस हाल में पहुंचने की पटकथा 2014 में लिखी गयी, जब झारखंड की जनता ने देश की तरह नरेंद्र मोदी पर भरोसा कर भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिया था। भाजपा ने पहली चूक रघुवर दास को सीएम बना कर की। इससे पहले आदिवासी समाज से बाबूलाल मरांडी और अर्जुन मुंडा को भाजपा ने सीएम बनाया था। पहली बार भाजपा ने झारखंड में गैर आदिवासी सीएम का प्रयोग किया। तत्कालीन विपक्ष ने उन्हें बाहरी और गैर-आदिवासी बता कर आदिवासी समाज की गोलबंदी शुरू की। इस बीच पत्थलगड़ी और सीएनटी-एसपीटी एक्ट पर सरकार के कदम से भी आदिवासी समाज को गोलबंद करने का विपक्ष को मौका मिला।

स्थानीय नेतृत्व हाशिये पर रहा

इस बार बाहर के गैर-आदिवासी चुनाव प्रभारी आये, तो उन्होंने स्थानीय नेतृत्व को इस कदर किनारे रखा कि उनकी कोई पहचान ही नहीं बन पायी। बाबूलाल मरांडी प्रदेश अध्यक्ष और भाजपा के संभावित सीएम फेस होते हुए भी महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस की भूमिका में नहीं आ पाये। नतीजा सबके सामने है। भाजपा अगर किसी आदिवासी का सीएम फेस सामने रखती, तो इस बार भले उसे भरोसा जीतने में आंशिक सफलता मिलती, लेकिन अगली बार के लिए यह उसके हित में ही साबित होती।

अब ओबीसी और पिछड़े भी छिटकने लगे

झारखंड में भाजपा के तीन बड़े परंपरागत वोट बैंक थे- ओबीसी, कुर्मी और सवर्ण। लेकिन पूरे चुनाव में तीनों समुदायों का कोई चेहरा नहीं दिखा। भाजपा ने पूरी तरह छिटक चुके आदिवासी वोटरों का विश्वास जीतने में दिन-रात एक कर दिया। वह तो ठीक था, लेकिन कोर वोटर लगभग अनदेखा कर दिया। परिणाम हुआ कि न खुदा ही मिला न विसाले-सनम। भाजपा को पता है कि झारखंड में आदिवासी समाज का बहुत बड़ा हिस्सा शिबू सोरेन के झामुमो के साथ है। कई बार की कोशिशों के बावजूद भाजपा उसे पूरी तरह हिला नहीं सकी। इसीलिए दस साल पहले भाजपा ने वहां ओबीसी कार्ड खेला था और इसी फार्मूले पर रघुवर दास चेहरा बनकर उभरे थे। आदिवासियों के बाद झारखंड में सबसे बड़ा वोट बैंक कुर्मियों का है। इस समूह से भाजपा के पास कभी शैलेंद्र महतो, आभा महतो एवं रामटहल चौधरी सरीखे स्थापित नेता हुआ करते थे। लेकिन आज भाजपा इस मामले में भी कमजोर है।

झारखंड भाजपा की दूसरी चिंता इसी बात को लेकर है कि आदिवासियों के साथ अब उसके कोर वोटर भी उससे छिटकने लगे हैं। आदिवासी वोटर तो भाजपा से पूरी तरह छिटक ही चुके हैं, लेकिन कुर्मी और ओबीसी वोटरों का छिटकना भाजपा के लिए घातक हो सकता है। देवघर, छतरपुर और कांके जैसी अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर भाजपा की हार से यह बात साफ हो गयी है कि अनुसूचित जाति का बड़ा वर्ग भी अब भाजपा को पसंद नहीं कर रहा है। भाजपा को इस संकट से पार पाने के लिए अब नये नेतृत्व को सामने लाने पर फोकस करना होगा।

पार्टी का झारखंडीकरण करना जरूरी

भाजपा के साथ एक और बड़ी समस्या यह है कि वह अब तक खुद को झारखंडी नहीं बना सकी है। मन-मिजाज और कार्यशैली से ही किसी पार्टी की पहचान बनती है और लोग उससे जुड़ते हैं। लेकिन यह एक हकीकत है कि भाजपा 24 साल बाद भी झारखंड को आत्मसात नहीं कर सकी है। झारखंडी अस्मिता पर भाजपा का कोई स्पष्ट फार्मूला नहीं बना है। भाजपा का नेतृत्व अब भी प्रवासियों के हाथ में है, जिसे आदिवासी-मूलवासी मानने को तैयार नहीं हैं। भाजपा के पास ऐसा कोई नेता नहीं है। जो किसी आदिवासी के गांव में चला जाये और स्थानीय भाषा में बात करे। इस चुनाव में यह बात साफ दिखी। इसलिए पार्टी को अब खुद का झारखंडीकरण करना होगा। उसे अपने झंडे में हरे रंग का आकार बढ़ाना होगा।

अलग होगी छठी विधानसभा की तस्वीर : आधी आबादी की दिखेगी धमक, पहली बार कोई निर्दलीय विधायक नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। छठी झारखंड विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू होगा। सत्र 9 से 12 दिसंबर तक चलेगा। पांचवीं विधानसभा से छठी विधानसभा का स्वरूप व तस्वीर अलग होगी। बहुत कुछ बदला हुआ नजर आयेगा। कई चेहरे नये दिखेंगे, कई गायब मिलेंगे। राज्य गठन के बाद पहली बार आधी आबादी की धमक भी दिखेगी। इस बार सदन में विभिन्न दलों से 12 महिलाएं जीत कर आयी हैं। सदन में 20 नये चेहरे दिखेंगे। पुराने के साथ नये मंत्री भी सदन में नजर आयेंगे। इस बार सत्ता पक्ष और मजबूत दिखेगा वहीं विपक्ष कमजोर। 2024 के चुनाव में इंडी गठबंधन को शानदार जीत मिली है। सत्ता पक्ष की ओर से 56 विधायक रहेंगे तो विपक्ष की ओर से 25 विधायक। पहली बार कोई निर्दलीय विधायक सदन में नहीं होगा।

इंडी गठबंधन की ओर से झामुमो के 34, कांग्रेस के 16, राजद के 4 व माले के 2 विधायक हैं। जबकि विपक्ष में भाजपा के 21, जदयू, लोजपा व आजसू के एक-एक विधायक हैं। झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा के जयराम महतो हैं। जयराम महतो ने साफ कर दिया है कि वह सरकार की अच्छी नीतियों का ही समर्थन करेंगे, अन्य मुद्दों पर विरोध रहेगा।

पांचवीं विधानसभा के कई प्रमुख सदस्य इस बार चुनाव हार गये हैं। इस बार उनकी आवाज नहीं गूंजेगी। भाजपा की ओर से फायरब्रांड नेता भानु प्रताप शाही, विरंची नारायण, अनंत ओझा, रणधीर सिंह, सीनियर विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, आजसू प्रमुख सुदेश महतो, लंबोदर महतो, माले के विनोद सिंह आदि प्रमुख हैं। पिछली सरकार के चार मंत्री भी चुनाव हार गये हैं। इनमें झामुमो के मिथिलेश ठाकुर, वैद्यनाथ राम, बेबी देवी व कांग्रेस के बन्ना गुप्ता हैं। सदन में मिथिलेश ठाकुर व बन्ना गुप्ता की कमी सरकार को खलेगी। भाजपा की ओर से आवाज बुलंद करने वाले प्रमुख विधायक हार गये हैं, इसलिए सरकार को थोड़ी राहत भी मिलेगी।

सदन में नये-पुराने मंत्री भी दिखेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हौसला बुलंद है। उनके नेतृत्व में सरकार ने सत्ता में शानदार वापसी की है। इसलिए वह सदन में आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। विपक्ष पर और अधिक हमलावर रहेंगे। पुराने मंत्रियों में दीपक बिरूआ। दीपिका पांडेय सिंह, रामदास सोरेन, हफीजुल हसन व इरफान अंसारी रहेंगे तो नये मंत्रियों में राधाकृष्ण किशोर, संजय प्रसाद सिंह यादव, सुदिव्य कुमार सोनू, चमरा लिंडा, योगेंद्र महतो व शिल्पी नेहा तिर्की हैं। सरकार की ओर से इन्हीं को जबाव देना है। सबसे सीनियर मंत्री राधाकृष्ण किशोर हैं तो सबसे युवा शिल्पी नेहा तिर्की।

विधासभा अध्यक्ष का चुनाव 10 दिसंबर को होगा। संभावना है कि रविंद्रनाथ महतो एक बार फिर विधानसभा अध्यक्ष हो सकते हैं। कांग्रेस और भाजपा ने विधायक दल के नेता का चयन नहीं किया है। राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान हैं। कांग्रेस की ओर से विधायक दल के नेता की घोषणा तो हो सकती है। लेकिन भाजपा फिलहाल विधायक दल के नेता बिना ही सदन में रहेगी। भाजपा अभी नाम पर मंथन कर रही है। नेता के चयन में विलंब की संभावना है। सारे समीकरण देखे जा रहे हैं। विधानसभा का शीतकालीन सत्र यदि बुलाया जाता है तब या फिर बजट सत्र में भाजपा नेता का चयन कर सकती है। भाजपा में सीपी सिंह व प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी दावेदार हैं। भाजपा का फोकस अब सदस्यता अभियान पर है। फरवरी-मार्च में नये अध्यक्ष का चुनाव भी होना है। जयराम महतो पर भी सबकी नजर रहेगी। सदन में इनकी परीक्षा होगी।

सदन में कई पुराने चेहेरे फिर से दिखेंगे। इनमें मनोज यादव, नागेंद्र महतो, देवेंद्र कुंवर, हेमलाल मुर्मू, सत्येंद्र तिवारी, सुरेश पासवान, संजय कुमार सिंह यादव, प्रकाश राम, जनार्दन पासवान आदि फिर से जीत कर आये हैं।

मनोनीत विधायक की परंपरा खत्म

झारखंड गठन के बाद पहली बार सदन में एंग्लो इंडियन समुदाय का प्रतिनिधत्व भी नहीं दिखेगा। संविधान में किये गये संशोधन के अनुसार देश के सभी राज्यों की विधानसभा से एंग्लो इंडियन समुदाय का प्रतिनिधित्व खत्म कर दिया गया है। पिछली विधानसभा में ग्लेन जोसेफ गालस्टन को इस समुदाय से विधायक मनोनीत किया गया था। इनको लेकर विधानसभा में सदस्यों की संख्या 82 हो जाती थी। लेकिन अब चुने हुए 81 विधायक ही सदन में रहेंगे। एंग्लो इंडियन समुदाय से मनोनीत विधायक को भी वही सुविधाएं मिलती थीं जो चुने गये विधायकों को मिलती है। सदन में इस बार यह बदलाव भी देखने को मिलेगा।

सत्र के दौरान विधानसभा परिसर की 200 मीटर परिधि में रहेगी निषेधाज्ञा

रांची (आजाद सिपाही)। षष्टम झारखंड विधानसभा का प्रथम सत्र 9 से 12 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान रांची डीसी और एसएसपी के संयुक्तादेश पर विधानसभा परिसर के 200 मीटर के दायरे में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन और घेराव आदि आयोजित नहीं किये जा सकेंगे। सुरक्षा की दृष्टिकोण से सदर एसडीओ ने बीएनएसएस की धारा-163 के झारखंड विधानसभा परिसर के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा जारी की है। यह निषेधाज्ञा 9 दिसंबर के सुबह आठ बजे से 12 दिसंबर की रात दस बजे तक के लिए लागू रहेगी। इस दौरान उस क्षेत्र में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होने, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र जैसे-बंदूक, राइफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद आदि लेकर निकलने, किसी प्रकार का धरना-प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा का आयोजन करने के साथ किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना वर्जित रहेगा।

सभी एसएसपी और एसपी जनता से अच्छा व्यवहार करें : डीजीपी

डीजीपी ने आम जनता के प्रति पुलिसकर्मियों के व्यवहार में सुधार लाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को उनके अधीन थानों में समय पर एफआइआर दर्ज करने और जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने आम जनता के प्रति पुलिसकर्मियों के व्यवहार में सुधार लाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किये हैं। डीजीपी ने साइबर अपराध, एसटी-एससी, ह्यूमन ट्रैफिकिंग एवं महिला अपराध से संबंधित भुक्तभोगी के आवेदन पर आवेदित थाने में ही एफआइआर दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई किये जाने के लिए निर्देश दिया है। उन्होंने किसी भी पीड़ित महिला के आवेदन पर क्षेत्र के संबंध में विचार किये बिना अविलंब आवेदित थाने में एफआइआर दर्ज किये जाने के लिए निर्देश दिया है। साथ ही सभी क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक एवं सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि अपने-अपने जिलों और क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था कायम करें कि यदि थाना प्रभारियों के जरिये आम जनता के आवेदन पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे अपनी शिकायतों को वरीय अधिकारियों (आइजी, डीआइजी, एसपी) के पास दर्ज करा सकें। डीजीपी ने पुलिस अधीक्षक और क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक को भ्रमण के दौरान थानेदारों और थाने पर पदस्थापित मुंशी और अन्य कर्मियों को आम जनता के प्रति अच्छा व्यवहार करने के लिए प्रेरित करने का भी निर्देश दिया। डीजीपी ने इस संबंध में सीआइडी के आइजी और स्पेशल ब्रांच को निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में उनके इकाई से प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दें कि वे जनता के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों पर निगाह रखें।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
194000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	25.8 °c	11.1 °c
सूर्यास्त (आज)	:	17.02 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.18 बजे

राज्य में 22 से शुरू होगा भाजपा का सदस्यता पर्व : डी पुरंदेश्वरी

भाजपा ने संगठन पर्व 2024 में 11. 35 करोड़ सदस्यता के साथ पार किया 11 करोड़ का लक्ष्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड में स्थगित पार्टी का सदस्यता संगठन महापर्व अब 22 दिसंबर से विधिवत प्रारंभ होगा। इसको लेकर रविवार को नगड़ी रांची स्थित स्वर्णरेखा बैंक्वेट हॉल में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए झारखंड की सदस्यता प्रभारी सह आंध्रप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष सांसद डी पुरंदेश्वरी ने कहा कि भाजपा का सदस्यता कार्यक्रम अभियान नहीं बल्कि संगठन महापर्व है। भाजपा यह संगठन महापर्व अन्य पर्व की तरह अपने विशाल परिवार के साथ मनाती है।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी : आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। पार्टी ने वर्ष 2014 में ऑनलाइन के माध्यम से सदस्यता कार्यक्रम को प्रारंभ किया था। जिसमें पूरे देश में 9 करोड़ सदस्य बने थे। आज चार राज्यों जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड को छोड़कर जिसमें विधानसभा चुनाव के कारण सदस्यता कार्यक्रम स्थगित था, के बावजूद पार्टी ने अब तक देश भर में 11 करोड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 11.35 करोड़ सदस्य बना लिये हैं। चार राज्यों में सदस्य पूरी होने के बाद यह संख्या 14 करोड़ तक जा सकती है। भाजपा के कार्यकर्ता जो ठान लेते हैं उसे पूरा कर दिखाते हैं।

भाजपा विचारों और कार्यकर्ताओं की धनी पार्टी : भाजपा विचारों और कार्यकर्ताओं की धनी पार्टी है। हमारे पास देश के लिए जीने मरने का जज्बा है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय हमारे नेता के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। सदस्यता पर्व के माध्यम से हम प्रत्येक बूथ के प्रत्येक घर तक पहुंचना है।

भाजपा के कार्यकर्ता चुनौतियों को अवसर में बदलने का जानते हैं हुनर: डॉ लक्ष्मीकांत : प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता चुनौतियों को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। यह सदस्यता महापर्व का कार्यक्रम मजबूत और संघर्षशील भाजपा बनाने का अवसर है। यह पर्व कार्यकर्ताओं का समाज से संपर्क, संबंध बढ़ाने का अवसर है। यह पर्व नये नेतृत्व को भी गढ़ता है। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि सदस्यता संगठन महापर्व के माध्यम से हमें प्रदेशभर में भाजपा की नयी राजनीतिक सुगंध को पहुंचाना है। यह पर्व लोकसंग्रह और शक्ति संचय का भी पर्व है।

भाजपा की विचार यात्रा भारतीय विचारों से परिपूर्ण: नागेंद्र त्रिपाठी : क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा की विचार यात्रा भारतीय विचारों से परिपूर्ण है जबकि समाजवाद, पूंजीवाद, साम्यवाद जैसे विचार विदेशी प्रभाव से प्रभावित है। विकसित भारत का संकल्प भारत को गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण को दूर करके ही पूरा किया जा सकता है। एकात्म मानव दर्शन अंत्योदय का चिंतन और कार्यान्वयन ही विकसित भारत बनाने में सहायक है। भाजपा के विचारों और कार्यक्रमों को हमें जन-जन तक बार-बार ले जाना है। भाजपा केवल चुनाव के लिए नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग को राष्ट्र की प्रगति में जोड़ने के लिए संकल्पित है। राष्ट्र विरोधी शक्तियां भारत को तोड़ने के लिए दिन रात सक्रिय हैं। जिनकी योजना को भाजपा कार्यकर्ता ही विफल कर सकते हैं।

अब पार्टी संगठन महापर्व में जुट गयी है : बाबूलाल

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लोकतंत्र के पर्व के बाद अब पार्टी संगठन महापर्व में जुट गयी है। संगठन महापर्व का लक्ष्य सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी भाजपा का निर्माण। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जनता ने पार्टी को पूरा आशीर्वाद दिया है। भले हम विधानसभा चुनाव में संख्या बल में पीछे रह गये लेकिन 59 लाख लोगों का समर्थन भाजपा को मिला है। चुनाव एक पड़ाव है लेकिन हम जनता के बीच बार-बार जायेंगे। अपने नीतियों कार्यक्रमों के माध्यम से जायेंगे। सर्वस्पर्शी सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी भाजपा ही विकसित झारखंड का आधार है। झारखंड से लोकतंत्र विरोधी, राष्ट्रविरोधी, विकास विरोधी ताकतों से लड़ने के लिए भाजपा के संघर्षशील और मजबूत संगठन को को निरंतर गति देनी है।

15 और 16 को सभी जिलों में आयोजित होगी कार्यशाला: कर्मवीर

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने पीपीटी के माध्यम से सदस्यता महापर्व के कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि प्रदेश के तर्ज पर आगामी 15 एवं 16 दिसंबर को सभी जिलों में कार्यशालाएं आयोजित होगी। जिसने प्रदेश से नेता शामिल होंगे। जबकि 18 और 19 दिसंबर को सभी 515 मंडलों में कार्यशाला का आयोजन होगा। 22 दिसंबर को सदस्यता महापर्व का विधिवत शुभारंभ होगा। 25 दिसंबर को झारखंड निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर प्रदेश भर में सदस्यता के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे।

सीएम ने रविंद्र नाथ के पिता के निधन पर जताया शोक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निवर्तमान स्पीकर रविंद्र नाथ महतो के पिता के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को ट्वीट कर कहा है कि झामुमो के वरिष्ठ नेता और नाला से विधायक रविंद्रनाथ महतो के पिता गोलक बिहारी महतो के निधन की दुःखद सूचना मिली। मरांग बुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दें।

लालू यादव और राबड़ी देवी से मिले मंत्री संजय प्रसाद यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग (झारखंड) के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने पदभार संभालने के बाद रविवार को पटना में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव से मुलाकात की। उनसे कई विषयों पर मार्गदर्शन लिया और विचार विमर्श भी किया। तीनों लीडरों ने संजय प्रसाद यादव को राज्य हित और जनहित में काम करने की नसीहत दी। कहा कि निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक गरीबों के उत्थान के लिए काम करें। गांव-गांव जाकर गरीबों के दुख दर्द को समझें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करें। राज्य, समाज और देश के विकाश के लिए हमेशा अग्रसर रहें एवं काम के माध्यम से विरोधियों को जबाव दें। संजय प्रसाद यादव के साथ राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने भी नेताओं से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

राशि	फल
मेष	रोग-शोक-दु:श्चिन्ताओं से छुटकारा मिलेगा,सुख-सुविधा के साधन बनेंगे।
वृष	परिश्रम प्रयत्न से जटिल समस्या का समाधान मिलेगा,कर्मक्षेत्र में अनुकूल वातावरण।
मिथुन	रोजी-रोजगार में सफलता,माता पिता का सहयोग, प्रभावशाली व्यक्तियों से वांछित सहयोग मिलेगा।
कर्क	विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकाश होगा,परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।
सिंह	कठिन परिश्रम-प्रयत्न से आजीविका के क्षेत्र में सफलता, आत्मबल एवं कर्मबल में वृद्धि होगी।
कन्या	नौकरी-व्यापार की स्थिति में सुधार, नई आशाओं का उदय होगा, धैर्य व साहस से सभी कार्य पूरे होंगे।
तुला	परिस्थितियों में सुधार,नौकरी में बदलाव होने की संभावना,विविध समस्याओं का समाधान।
वृश्चिक	स्वास्थ्य में सतर्कता आवश्यक है,राजनीतिक सम्पर्क प्रभाव बढ़ेगा, चिन्तित मनोरथ की सिद्धि होगी।
धनु	आत्मविश्वास की वृद्धि,रुके कामों में प्रगति, सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों के लिए कुछ कर दिखाने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।
मकर	आजीविका संबंधी चिंता दूर होगी, साहसिक कार्य में सफलता,संतान पक्ष से शुभ समाचार की प्राप्ति।
कुंभ	लाभकारी प्रयास सफल होगा, स्वजन-मित्रों का सहयोग, स्वाभिमान और स्वावलम्बन बढ़ेगा।
मीन	चिन्तनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी, परिश्रम का फल मिलेगा, कर्मक्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा।

गैर असैनिक सेवा से 6 बनेंगे आइएएस

रांची (आजाद सिपाही)। गैर असैनिक सेवा से 21 अधिकारियों के नाम आइएएस के लिए यूपीएससी को दे दिया गया है। राज्य सरकार के निर्देश के बाद कार्मिक विभाग के अधिकारियों ने नयी दिल्ली जाकर अफसरों की सूची यूपीएससी को सौंपी दी है। इनमें स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी, योजना विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के नाम हैं जिन्होंने आइएएस में सेवा देने के लिए आवेदन दिया था। हालांकि, पूर्व में भी इनके नाम यूपीएएसी को भेजे गये थे, लेकिन कुछ बिंदुओं पर आपत्ति किये जाने के बाद मामला लटका हुआ था। जिसे अब दूर किया गया है। बता दें कि गैर असैनिक सेवा यानि झारखंड प्रशासनिक सेवा को छोड़कर दूसरी सेवाओं से आइएएस बनने के लिए 6 रिक्तियां झारखंड को मिली थीं। इन पदों के लिए सभी विभागों से योग्य पदाधिकारियों के आवेदन मांगे गये थे। 30 अधिकारियों के नाम भेजे जाने थे, लेकिन कार्मिक विभाग को सिर्फ 23 अधिकारियों के ही आवेदन मिले जिनमें से दो अधिकारियों के आवेदन रिजेक्ट हो गया था। इसके बाद 21 लोगों के नाम आइएएस सेवा के लिए भेजे गये हैं। यूपीएससी इन्हें साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करेगा। इनमें सिर्फ 6 को आइएएस सेवा मिलेगी। सारा कुछ फाइनल होने के बाद एक जनवरी से इन्हें आइएएस सेवा में प्रमोट किया जायेगा।

मंईयां योजना में हो रही लापरवाहियों से माताएं-बहनें परेशान : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर राज्य सरकार को निशाने में लिया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा कि प्रदेश की माताएं-बहनें मंईयां सम्मान योजना में हो रही लापरवाहियों से सशंकित हैं। चार महीनों से लंबित किश्त का भुगतान न होने से इन महिलाओं का धैर्य अब जवाब देने लगा है। फॉर्म भरने और जानकारी प्राप्त करने के लिए अंचल कार्यालयों में जाने वाली महिलाओं को अव्यवस्था और लचर प्रणाली का शिकार होना पड़ रहा है। इस लचर रवैये ने सरकार की मंशा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री अविलंब स्थिति का संज्ञान लें और चार महीनों के लंबित किश्त भुगतान का सुनिश्चित करने के साथ-साथ मंईयां सम्मान योजना की प्रक्रिया को सरल बनायें, ताकि माताएं-बहनें आसानी से योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

मधुकॉन कंपनी के मुंशी की हत्या, शव कुएं में फेंका

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। तमाड़ थाना क्षेत्र के सलगाडीह पत्थर खदान मधुकॉन कंपनी के मुंशी तुमला गंगाधर (55 वर्ष) की अपराधियों ने हत्या कर दी और उसके शव को सलगाडीह कासमबुरुडीह पथ महुआडांड़ के पास एक कुएं में फेंक दिया। रविवार को तमाड़ पुलिस ने उक्त कुआं से शव को बरामद किया है। शव को उसकी मोटरसाइकिल से बांध कर कुआं में डाल दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार रांची-टाटा रोड के निर्माण कार्य के समय मधुकॉन कंपनी ने सलगाडीह पहाड़ को लीज पर लिया गया था। वहीं पर कंपनी द्वारा घर बनाया गया था, उसी घर में मुंशी के तौर पर पिछले दस-बारह साल से रहता था। मूल रूप से मृतक आंध्र प्रदेश का रहने वाला था। रविवार सुबह लोग धान काटने जा रहे तो एक खेत में खून का निशान व मोटरसाइकिल का टूटा इंडिकेटर लाइट देखा। वहां से थोड़ी दूरी पर जीतू मुंडा के खेत में स्थित कुआं में रस्सी देखा। फिर पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकाला तो उसकी मोटरसाइकिल नंबर जेएच 01एएम6667 भी कुआं से मिली। शव प्लास्टिक की मोटी रस्सी में बंधा हुआ था। शव के चेहरे और गर्दन के पास जख्म के निशान पाये गये। देखने से ऐसा लग रहा है कि इसकी अन्यत्र हत्या कर शव को छिपाने के लिए इस खेत के कुआं में डाल दिया गया। शक की सुई प्रेम प्रसंग पर भी बतायी जा रही है। मृतक शराब भी पीता था। पुलिस ने एसएफएल टीम से भी जांच पड़ताल किया और कई साक्ष्य इकट्ठा किये। तमाड़ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा दिया है। तमाड़ थानेदार रोशन कुमार ने बताया कि हर एंगल पर जांच की जा रही है। हत्यारे जल्द पकड़े जायेंगे।

हम जनता के हक, अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे : सुदेश

- मूलवासी, झारखंडी और पिछड़ों के हित में सामाजिक और राजनीतिक लड़ाई को अपने मुकाम तक पहुंचायेगी आजसू पार्टी
- झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम को लेकर आजसू पार्टी की समीक्षा बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हम जनादेश का सम्मान करते हैं और इंडिया गठबंधन द्वारा जनता के साथ किये गये लुभावने वादे को पूरा किये जाने की अपेक्षा सरकार से करते हैं। सरकार जनता के हित में पहले दिन से ही कार्य करे न कि चुनावी वर्ष से काम शुरू करे। चुनाव में हार-जीत लगी रहती है। परिणाम भले हमारे पक्ष में नहीं रहे लेकिन हम जनता के हक, अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 के परिणाम की समीक्षा बैठक के दौरान कहीं। समीक्षा बैठक में पार्टी की संसदीय बोर्ड के सदस्य और विधानसभा चुनाव के प्रत्याशी शामिल हुए। जनहित से जुड़े सकारात्मक मुद्दों में हम सरकार के साथ खड़े रहेंगे लेकिन जहां भी जनविरोधी निर्णय आयेंगे वहां हम धारदार विपक्ष की भूमिका निभायेंगे। यह चुनाव इंडिया गठबंधन ने विकास के आधार पर नहीं बल्कि जातीय धुर्वीकरण के आधार पर लड़ा है। जातीय धुर्वीकरण ही इस गठबंधन का आधार है। हमारे गठबंधन के साथियों के साथ समन्वय स्थापित न होना भी इस अप्रत्याशित परिणाम का कारण रहा। आजसू के सभी कार्यकर्ता पूर्व की तरह जनता के बीच जायेंगे। उनके बीच उनके लिए काम करेंगे और यदि सरकार अपने वादों पर पिछड़ों को 27% आरक्षण तथा 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति, युवाओं के लिए रोजगार, वृद्धा व विधवा पेंशन और दिव्यांग यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाकर 2500 करने तथा जातीय जनगणना के मुद्दे पर प्रभावी ढंग से आगे बढ़ते नहीं दिखेगी तो हम इन मुद्दों का जनता को फिर से गोलबंद करेंगे तथा मूलवासी, झारखंडी एवं पिछड़ों के हित में सामाजिक और राजनीतिक लड़ाई को अपने मुकाम तक पहुंचायेंगे। बेरोजगारी इस राज्य में एक बड़ा मुद्दा है। यह समस्या अपने विकरालतम रूप में जनता के सामने खड़ी है। यह देखना होगा कि वर्तमान सरकार किस रूप में और किस हद तक इस समस्या का समाधान करने में रुचि दिखती है।

निंदक नियरे राखिए...

बैठक के दौरान कई नेताओं ने पार्टी नेतृत्व को सकारात्मक सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व को कबीरदास के उस दोहे को याद रखना चाहिए, जिसमें कहा गया है,

निदंक नियरे राखिए, आंगन कुटी छबाय
बिन पानी साबुन बिना निर्मल करे सुभाय।

यानी अपने आलोचकों को अपने घर के पास ही रहने देना चाहिए। इससे बिना साबुन और पानी के मन और शरीर साफ रहता है। पार्टी नेतृत्व को आलोचकों से दूरी बनाने की बजाय नजदीकी बढ़ानी चाहिए, ताकि जमीनी हकीकत का पता चलता रहे।

अपनी रणनीति को मजबूत करेंगे : चंद्रप्रकाश

पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि हम जनता की भावनाओं को अच्छे से समझने में नाकाम रहे। स्थानीय मुद्दों का चुनाव से गायब होना जनता को रास नहीं आया। साथ ही सरकार की विफलताओं को जनता के बीच सही से न पंहुचा पाना भी इस चुनाव परिणाम की मुख्य वजहों में से एक रहा। हम जनता के विश्वास को दोबारा जीतने के लिए समर्पित हैं और इसके लिए अपनी रणनीति को मजबूत करेंगे।

एफएन नीलेश बने राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश महासचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने एफएन नीलेश को संगठन का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया। यह जानकारी संगठन की ओर से दी गयी। महासचिव नियुक्त किये जाने के उपलक्ष्य पर नीलेश ने अध्यक्ष सुनीत शर्मा को आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें गुरूतर दायित्व दिया है और संगठन ने जो उनके ऊपर विश्वास व्यक्त किया उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा और संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संगठन के अन्य अधिकारियों से मिलकर प्रयास करूंगा। एफएन नीलेश के महासचिव नियुक्त किये जाने पर पंचायती राज के महानगर अध्यक्ष अंजनी रंजन, त्रिभुवन कुमार, विशाल, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के अध्यक्ष रितेश कुमार, विक्की कुमार, अमित सत्यार्थी, पूनम सिन्हा, उज्ज्वल अग्रवाल, भूश्रेष्ठ महतो एवं काफी संख्य में अधिवक्ताओं ने बधाई दी।

भानु प्रताप शाही ने इरफान अंसारी के डॉक्टरी डिग्री पर उठाये सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बीजेपी नेता भानु प्रताप शाही ने वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ, इरफान अंसारी की डॉक्टरी डिग्री पर सवाल खड़ा किया है। भाजपा की बैठक में शामिल होने आये भानु प्रताप शाही ने राज्य के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी को लेकर बड़ी बात कही है।

राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री भानु प्रताप शाही ने कहा कि डॉ इरफान अंसारी के सर्टिफिकेट पर शुरू से ही प्रश्न चिह्न था। इरफान अंसारी अपने नाम के आगे डॉक्टर लगाते हैं और बताते हैं उन्होंने रशिया से एमबीबीएस किया है। कई बार हम लोगों के मन में शंका उत्पन्न होती है कि वह असली डॉक्टर हैं या नकली डॉक्टर हैं। भानु प्रताप शाही ने कहा कि अब उनको अपनी डिग्री की सत्यता प्रमाणित करने का अवसर ईश्वर ने उन्हें प्रदान किया है।

छह महीने तक डॉ इरफान के कार्यों को देखेंगे

भानु प्रताप शाही ने कहा कि पहली बार जब उनकी सरकार बनी थी तो वो अक्सर इस बात को लेकर नाराज रहते थे कि उन्हें स्वास्थ्य मंत्री नहीं बनाया गया। इसके लिए वह कई बार दिल्ली भी गये थे कि उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाया जाये और बन्ना गुप्ता को हटाया जाये। ईश्वर ने अब उनकी सुन ली है। अब उन्हें साबित करना होगा। आज झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। ऐसे में उम्मीद है कि इरफान अंसारी और सरकार अच्छा काम करेगी और हम लोगों ने सरकार को 6 महीने का समय दिया है।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू पहुंचे हजारीबाग, झामुमो नेताओं ने किया स्वागत

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री शुदिव्य कुमार सोनू रविवार को हजारीबाग स्थित सर्किट हाउस पहुंचे। वहां झामुमो के नेताओ और कार्यकर्ताओं ने बुके और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। इस दौरान शुदिव्य कुमार सोनू से नगर निगम के अधिकारियों ने भी मुलाकात की और स्वागत किया। मंत्री सोनू ने कहा कि झारखंड सरकार फर्स्ट डे से ही जनहित के कार्य करना शुरू कर चुकी है। आने वाले समय में विकास की गति और तेज होगी। स्वागत करने वालों में झामुमो के केंद्रीय नेता डॉ कमल नयन सिंह, दिलीप वर्मा, विकास राणा, जमील खान, चंदन सिंह, दीपक राय, निसार अहमद, धीरेंद्र पांडे, टिंकू समेत कई शामिल थे।

सांसद प्रतिनिधियों की घोषणा पर हर्ष भाजपा कार्यकर्ता ने दी बधाई

टाटीझरिया/हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने अपने तीन प्रतिनिधियों की घोषणा कर दिया है। इनमें सत्येंद्र नारायण सिंह को लोकसभा स्तर के प्रतिनिधि, अनिल मिश्रा को हजारीबाग जिले का प्रतिनिधि तो राजीव जायसवाल को रामगढ़ जिले का प्रतिनिधि मनोनीत किया है। इससे संबंधित पत्र उन्होंने डीसी को भेजा है। प्रतिनिधियों की घोषणा पर टाटीझरिया भाजपा मंडल कमिटी ने मनोनीत प्रतिनिधियों को बधाई संदेश भेजा है। मनोनयन पर सांसद जायसवाल को भी बधाई दिया है। मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता मिथलेश पाठक, संतोष मंडल, राजू यादव, रजनीकांत चौधरी, राजेश यादव, अनिल प्रसाद, बजरंगी साव, कृष्णा साव, अधीर तिवारी, होपन सिंह, पिंगला देवी, सुनील साव, कौलेश्वर मिश्रा, उपेंद्र पांडेय, परमेश्वर यादव, संजीत यादव, अमरेश सिंह, अजय कुशवाहा, निखिल सिंह, सुशांत सिंह, पूनम कुमारी, सहदेव यादव, सुरेश यादव समेत अन्य ने संसद और उनके प्रतिनिधियों को बधाई दिया है।

आर्यन डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों को रांची और पतरातू डैम का कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के झरपो स्थित आर्यन डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियो को रांची में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। विद्यालय के व्यवस्थापक सह प्रधानाध्यापक सुधीर कुमार के नेतृत्व में बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों ने वहां बारे में जानकारी हासिल।

भारतीय संस्कृति और नैतिक शिक्षा का संदेश लेकर स्कूलों तक पहुंचा गायत्री परिवार

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार से इंटर्नशिप के लिए आईं चार छात्राएं जाह्नवी पांडे, अंजलि पटेल, राधिका त्रिपाठी और सुमन कुमारी-कोडरमा जिले के विद्यालयों और महाविद्यालयों में जाकर छात्रों को योग, प्राणायाम और नैतिक शिक्षा का महत्व समझा रही हैं। छात्राओं ने विद्यालयों में बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान, साइबर क्राइम से बचाव, समय प्रबंधन और नशा मुक्त जीवन का महत्व बताया। साथ ही, उन्होंने छात्रों से जीवन में कभी नशा न करने का संकल्प दिलाया। गायत्री परिवार के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता नकुल देव प्रसाद ने भी कोडरमा के विभिन्न विद्यालयों मे जैसे विवेकानंद कांवेंट स्कूल, चाणक्य पब्लिक स्कूल, बीआर इंटरनेशनल स्कूल, मॉडर्न पब्लिक स्कूल, और सरस्वती शिशु मंदिर में जाकर भारतीय संस्कृति और सभ्यता के दिव्य सूत्रों पर छात्रों से संवाद किया। उन्होंने कहा विद्या के बिना मनुष्य का संपूर्ण विकास संभव नहीं है। शिक्षा हमें बड़ा आदमी बनाती है, लेकिन विद्या हमें अच्छा इंसान बनाती है। विद्या धर्म और अधर्म में अंतर करना सिखाती है और व्यक्ति को जागरूक, संवेदनशील और धर्म के मार्ग पर अग्रसर करती है। नकुल देव प्रसाद ने अपने संदेश में कहा, रोटी, कपड़ा और मकान के साथ नैतिक उत्थान भी समाज की प्राथमिकता होनी चाहिए। मौके पर संगीता शर्मा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश राय, प्रो अजय कुमार पाठक, मुन्ना यादव, अरविंद चौधरी, गायत्री शक्ति पीठ के मुख्य ट्रस्टी ईश्वर साव, ट्रस्टी सारिका भदानी, कार्यक्रम संयोजक संतोष वर्णवाल, मृतुन्जय भास्कर, कविता आर्या, वीणा बरनवाल, कुमकुम कुमारी, रेखा बरनवाल मौजूद थे।

नॉक आउट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

डोमचांच (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत नॉक आउट क्रिकेट टूनार्मेंट का 7 वा सीजन का उद्घाटन मैच आज सीएम हाई स्कूल पानी टंकी मैदान में सुरू किया गया। जिसका उद्घाटन डोमचांच के समाज सेवी संजय मेहता ने फीता काट कर किया। आज का मैच वार्ड नंबर 02 और वार्ड नंबर 13 के बीच खेला गया। टॉस जीतकर वार्ड नंबर 2 की टीम ने पहली गेंदबाजी करने का फैसला लिया और वार्ड नंबर 13 ने 15 ओवर में बल्लेबाजी कर 106 रन पर ऑल आउट हो गयी, जिसमें करण 22 और अरुण 16 रन बनाया वार्ड नंबर 2 से सबसे अधिक 06 विकेट सुमित कुमार ने लिया। जवाबी पारी में वार्ड नंबर 2 की टीम 13 ओवर में 107 रन बनकर यह मैच अपने नाम किया। सबसे अधिक रन रितिक कुमार ने 52 बनाया, आज के मैन ऑफ डी मैच सुमित कुमार हुआ एम्पायर की भूमिका में निशान, सोनू ने निभाया। अतिथि के रूप में पप्पू मेहता रोहित मेहता, मनोज रजक, बिट्टू मोदी, संजय मेहता, दिलीप मेहता, नीलकंठ मेहता, भीम सिंह मौजूद थे।

रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष की हत्या की सीबीआइ जांच की मांग

पत्नी ने कहा, पुलिस कारवाई से संतुष्ट नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष मंजीत यादव हत्याकांड का उद्भेदन अब तक पुलिस नही कर पाइ है। जिसको लेकर रविवार को स्व मंजीत यादव की पत्नी हजारीबाग नगर निगम के वार्ड संख्या 32 की वार्ड पार्षद सुनीता देवी और अखिल भारतीय यादव समाज के हजारीबाग जिला अध्यक्ष उमेश गोप ने संयुक्त रुप से प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस प्रेस वार्ता के माध्यम से सुनीता देवी ने मंजीत यादव हत्याकांड मे पुलिस के अब तक के कार्यशैली पर असंतुष्टी जाहिर करते हुए कहा की, लगभग 40 दिन बीत गये पर पुलिस अब तक इस हत्याकांड का उद्भेदन नही कर पाइ है। नामजद अभियुक्तों मे से अब तक सिर्फ दो लोगो को ही पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकी अन्य अभियुक्तों को पुलिस ने अब तक गिरफ्तार नहीं किया है। जिनका नाम दिया गया उन्हें पुलिस अब तक क्यों नहीं पकड़ सकी है। इस हत्याकांड के पीछे कही न कही कोई बड़ा दबाव है। पुलिस के उपर अभियुक्तों को बचाने को लेकर, जिसके कारण पुलिस उनलोगो को गिरफ्तार नहीं कर रही है। उन्होंने आगे कहा की वे और उनका पुरा परिवार सुरक्षित नहीं है। उनके पति के हत्यारे उनके या उनके बच्चो के साथ भी घटना कारित कर सकते हैं। ऐसे मे उन्होंने प्रशासन से भी सुरक्षा की मांग की है, लेकिन उन्हें किसी प्रकार की कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की गयी है। उन्होंने इस हत्याकांड मे पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजे गये मंडई निवासी पप्पू यादव उर्फ कटप्पा यादव पर कहा की यदि कटप्पा इस हत्याकांड मे शामिल है तो पुलिस उसके खिलाफ मजबूत सबूत पेश करे और यदि नहीं है तो इस तरह निर्दोष को फसाने का काम नहीं करे। उन्होंने मांग करते हुए कहा की इस हत्याकांड की जांच सीआइडी या सीबीआइ से करवाई जाये। पुलिस इस केस मे ढुलमुल रवैया अपना रही है। वहीं अखिल भारतीय यादव समाज के हजारीबाग जिला अध्यक्ष उमेश गोप ने इस मौके पर कहा की जिले मे एक के बाद एक लगातार हत्याएं हो रही है। पुलिस इसे रोकने मे नाकामयाब है। मंजीत यादव की हत्या का अब तक उद्भेदन नही हो पाया है। वही अब तक तीन लोगो को जेल भेजा गया है इनमे से एक कटप्पा यादव को शूटर बताते हुए पुलिस ने जेल भेजा है। उन्होंने आगे कहा की कटप्पा की पत्नी का कहना था की जिस दिन मंजीत यादव का हत्या हुआ उस दिन वो अस्पताल में भर्ती थी। और उसी दिन उसके बेटे का भी जन्म हुआ है और उनके पति वहीं उपस्थित थे। ऐसे मे इन सभी बातों की जांच होनी चाहिए। उमेश गोप ने आगे कहा की इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाय तभी जाकर हत्याकांड का उद्भेदन हो पायेगा।

सत्येंद्र नारायण सिंह, अनिल मिश्रा और राजीव जायसवाल सांसद प्रतिनिधि बनाये गये

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने क्षेत्रीय जनसेवा और विकास कार्यों को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तीन प्रमुख प्रतिनिधियों की घोषणा की। इन नियुक्तियों के माध्यम से सांसद कार्यालय और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा और विकास कार्यों की गति तेज होगी। सत्येंद्र नारायण सिंह लोकसभा सांसद प्रतिनिधि बनाये गये, वही अनिल मिश्रा को हजारीबाग जिला तथा राजीव जायसवाल को रामगढ़ जिला लोकसभा सांसद प्रतिनिधि बनाया गया। सत्येंद्र नारायण सिंह को लोकसभा क्षेत्र के समग्र विकास, जनसमस्याओं के समाधान, और सांसद कार्यालय जनता सीधे संवाद के लिए जिम्मेवारी होगी। और विकास कार्यों की निगरानी करेंगे और सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को सांसद कार्यालय तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। अनिल मिश्रा को हजारीबाग जिले के विकास और प्रशासनिक समन्वय की जिम्मेदारी दी गयी है। वे जिले में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति की देखरेख करेंगे और प्रशासन और जनता के बीच समन्वय स्थापित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे जिले की प्राथमिकताओं और समस्याओं को हल करने में सक्रिय भूमिका निभायेंगे। रामगढ़ जिले के लिए राजीव जायसवाल को जिले की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनना, विकास योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, और जनता की आवश्यकताओं को सांसद कार्यालय तक पहुंचाना होगी। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि इन प्रतिनिधियों का चयन उनके अनुभव, निष्ठा और जनता के प्रति उनकी सेवा भावना को ध्यान में रखकर किया गया है। मुझे विश्वास है कि सत्येंद्र नारायण सिंह, अनिल मिश्रा और राजीव जायसवाल अपने-अपने क्षेत्र में जनता की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान की दिशा में ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेगें। वहीं सांसद ने जनता से अपील की कि किसी भी समस्या, शिकायत या सुझाव के लिए ये प्रतिनिधि आपके संपर्क में रहेंगे। जनता इनसे सीधे संपर्क कर अपनी बात सांसद कार्यालय तक पहुंचा सकती है। यह कदम जनता की समस्याओं को तेजी से सुलझाने के साथ-साथ सांसद कार्यालय की कार्यक्षमता को भी बढ़ायेगा।

सिकरी ओपी थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को दिया गया आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकरी के अमित सिंह पिता देवनारायण सिंह के द्वारा पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को सात दिसम्बर को एक आवेदन देकर सिकरी ओपी थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह के विरुद्ध शिकायत की गयी है। अबुआ आवास बनाने के लिए बालू ले जा रहे ट्रैक्टर को पड़कर रोक लिया गया। साथ ही आवेदन में यह भी कहा गया है कि ट्रैक्टर छुड़ाने के लिए थाना प्रभारी द्वारा 50000 रुपये की मांग की जा रही थी। किसी तरह कहीं से व्यवस्था कर 20000 रुपये दिये, लेकिन 30000 रुपये और देने के लिए दो घंटे का समय दिया गया। दो घंटे के अंदर 30000 रुपये नहीं देने के कारण थाना प्रभारी द्वारा अप्राथमिकी दर्ज कर दी गयी है। आवेदन मे शिकायतकर्ता यह भी कहा है कि 20000 रुपये जो हम दिए थे वह रुपया भी हमें नहीं मिला। जबकि हम सभी ट्रैक्टर वाले बालू ले जाने के लिए थानेदार को प्रतिमाह पांच हजार की दर से मंथली भी दिया करते थे। इसके बावजूद मेरा ट्रैक्टर पकड़ लिया गया।

आवेदन में यह भी कहा गया है की थाना प्रभारी द्वारा मेरी जाति को लेकर अभद्र और गंदी-गंदी गालियां मुझे दिया गया। मेरे द्वारा मना करने के बाद मुझे झूठे केस में फसाने की धमकी भी दिया गया कि तुम्हें जेल भेजेंगे। जिस पर पुलिस अधीक्षक से उचित न्याय की मांग करते हुए थानेदार पर कार्रवाई करने की मांग की है। इस आवेदन से एक सवाल तो यह उठता है कि क्या सचमुच अवैध बालू का जो ढुलाई होता है उसमें पुलिस प्रशासन की मिली भगत होती है या नहीं। इस संबंध में सिकरी ओपी थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह से पूछे जाने पर बताया कि वह खुद बालू माफिया है उसके विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। आरोप बेबुनियाद है।

100 दिवसीय यक्ष्मा उन्मूलन अभियान का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

इचाक। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इचाक के सभागार में 100 दिवसीय यक्ष्मा उंमूलन अभियान का उद्घाटन बीडीओ संतोष कुमार, उप प्रमुख सत्येंद्र कुमार और डॉ मृत्युंजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर का किया। बीडीओ संतोष कुमार ने कहा कि भारत को 2025 तक टीबी रोग से मुक्त करना है। इस उद्देश्य से पूरे देश में 100 दिवसीय अभियान चलाया गया है। अभियान एएनएम, स्वास्थ्य सहिया समेत सामाजिक कार्यकर्ता घर-घर जाकर टीबी रोग से पीड़ित लोगों का पहचान करेंगे और उसकी जांच कर उन्हें दवाइयां दी जायेगी। ताकि टीबी रोग को खत्म किया जा सकेगा। अंचल अधिकारी रामजी प्रसाद गुप्ता ने कहा कि खासकर कमजोर एवं कामकाजी व्यक्तियों के गांव टोले में जाकर लंबे समय से खांसी है उनकी इलाज करवाने में मदद करें। उप प्रमुख सत्येंद्र कुमार ने कहा कि इस अभियान में सामूहिक प्रयास करने से टीवी को खत्म किया जा सकता है। डॉ मृत्युंजय कुमार ने टीवी रोग के लक्षण के बारे में जानकारी दी। इस दौरान लोगों को टीबी मुक्त भारत बनाने को लेकर संकल्प दिलाया गया। मौके पर डॉ स्वाति, मलेरिया टेक्नीशियन संत कुमार, बीपीएम अनीता तिर्की, अकाउंट मैनेजर रत्नेश कुमार सिंह, रमेश कुमार गुप्ता,विवेक कुमार, बीपीएम दयाल प्रसाद,राजू कुमार के अलावा एएनएम, सहिया, स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

रेलवे का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, मतगणना 12 को

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। रेलवे का बहुप्रतीक्षित तीन दिवसीय चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। मतपेटियां धनबाद के अधिकारियों की देखरेख में जमा की गयी। मतपेटियां धनबाद के स्ट्रांग रूम में रखी गयीं है, जहां 12 दिसंबर को मतगणना होगी। इस चुनाव में 35 प्रतिशत मतदान प्राप्त करने वाली यूनियन को मान्यता दी जायेगी। इसके लिए लगभग 22,000 वोटों की आवश्यकता होगी।

रेलवे चुनाव ने मतदान प्रतिशत के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। लोकसभा, विधानसभा, और निकाय चुनावों में 55-70 प्रतिशत तक ही मतदान होता है। वहीं इस बार रेलवे चुनाव में राष्ट्रीय स्तर पर 80 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गयी। पूर्व मध्य रेलवे के हाजीपुर मंडल अंतर्गत धनबाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, हाजीपुर, समस्तीपुर, और दानापुर रेल मंडलों के 78,081 मतदाताओं में से 62,137 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। धनबाद रेल मंडल में 21,859 में से 17,559 और कोडरमा स्टेशन के बूथ संख्या 10 पर 704 में से 530 (75.28 प्रतिशत) और बूथ संख्या 11 पर 844 में से 670 (लगभग 80 प्रतिशत) मतदाताओं ने मतदान किया।

झरपो में एक साथ तीन मचान में लगी आग, हजारों का पुआल जल कर राख

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के झरपो में एक साथ तीन पुआल लदे मचान में रविवार को आगजनी की घटना में किसान जगरनाथ महतो, भोला सिंह और अर्जुन सिंह को हजारों रुपये का पुआल जलकर राख हो गया तो है। आगजनी की घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन मचान में रखा पुआल जलकर राख हो गया। आग कैसे लगा कब लगा पता नहीं चल पाया जब राहगीरों ने देखा कि पुआल से आग निकल रही है तब हो हल्ला के बाद ग्रामीणों की मदद से आग तो बुझा लिया गया, लेकिन पुआल जलकर राख हो गया है। अब किसानों की चिंता सत्ता रही है कि मवेशियों को वह क्या खिलायेंगे इसकी चिंता सता रहा है भुक्तभोगी ने अंचल कार्यालय से मदद की गुहार लगायेगा।

डाडी ओपी पुलिस ने डुगडुगी बजाकर इश्तिहार चिपकाये

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। डाडीकला ओपी थाना कांड संख्या 225 /24 के अभियुक्त अजीत ठाकुर ग्राम चेपाकला के घर में माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार इतिहार चिपकाया गया। इश्तिहार एसआई संजय कुमार सिंह नेतृत्व में स्थानीय लोगों की उपस्थिति में ढोल डुगडुगी बजाकर अजीत ठाकुर के घर और डाडीकला पंचायत भवन में चिपकाये गया है। युक्त कांड के अभियुक्त पीड़िता के साथ शादी का प्रलोभन देकर, यौन शोषण करने के आरोपी अभियुक्त है। अभियुक्त गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहा है। इस दरमियान संजय सिंह सशस्त्र बल तैनात थे।

मुखिया रीता देवी ने किया किसानों के बीच उन्नत बीज का वितरण

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। पंचायत भवन चेचकपी के प्रांगण में किसानों के बीच मुखिया रीता देवी की देखरेख में सरकार द्वारा प्रदत उन्नत बीज गेहूं, मक्का, चना, सरसों व मसूर किसानों को वितरण किया गया। वहीं रीता देवी ने कहा कि यह सरकार की बहुत अच्छी योजना है। किसानों की सुविधा के लिए निःशुल्क बीज दिया जा रहा है। आप लोग बेहतर रूप से बीज को खेत में लगायें। यह बीज बहुत अच्छी बीज है और अच्छा पैदावार भी होगा। बीज रोपन के बाद देखरेख करने की जरूरत है। आगे इसी तरह आप लोग को बीच जो भी सरकार द्वारा हमारे पंचायत को आवंटित होगा वह लोगों को जानकारी देकर वितरण किया जायेगा। मौके पर उपस्थित मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव ने कहा कि कहा कि झामुमों की सरकार सभी वर्ग के लोगों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर पंचायत के कृषकों में शिबू मांझी, राजू मांझी, वासुदेव साव, अर्जुन सिंह, कपिल देव सिंह समेत आदि कृषक उपस्थित थे।

पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज कपका के छात्रों ने बिरसा जैविक उद्यान का किया भ्रमण

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। सीबीएसई पैटर्न पर आधारित विद्यालय पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज कपका के बच्चों ने शनिवार को रांची स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान और मछली घर का भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न जानवरों, पक्षियों और औषधीय पेड़-पौधों की जानकारी शिक्षकों से प्राप्त की। संस्था के निदेशक सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि बच्चों को प्रत्येक वर्ष हमारे विद्यालय द्वारा शैक्षिक भ्रमण कराया जाता है ताकि बच्चों का मानसिक और व्यवहारिक विकास निरंतर होता रहे। वहीं बच्चों को पंछियों की विशेषताएं विस्तार से बताई गयी। वहीं उद्यान में रखे विभिन्न जानवरों जैसे बाघ, शेर, चिता, भालू, को, हाथी आदि को देखकर बच्चे काफी रोमांचित हुए। नौनिहाल जो सिर्फ किताबों में विभिन्न जानवरों को देखते हैं, वे सामने देखकर काफी खुश हुए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से काफी आनंद आया और पशु पक्षियों को देखकर अच्छा लगा। अतः इस प्रकार के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। वहीं विद्यालय के प्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर बच्चों ने सामूहिक भोजन का आनंद लिया। भ्रमण को सफल बनाने में विद्यालय के प्रबंधक निदेशक वीरेंद्र प्रसाद, प्रबंधक राजेश कुमार यादव, शिक्षक शंभू कुमार शर्मा, पवन कुमार पंडित, इरफान अंसारी, शुभम कुमार पांडेय, नेहा कुमारी, काजल कुमारी, सुलेखा कुमारी, सुशीला कुमारी समेत आदि लोगों ने अहम भूमिका निभाई।

दो घरों में चोरी, ग्रामीणों में दहशत

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। मरकच्चो थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं घट रही है। चोर आये दिन किसी न किसी के वाहन, दुकान और घरों पर निशाना बनाकर हाथ साफ करते जा रहे हैं। गत नवंबर माह से लगातार आधा दर्जन से अधिक घटनाएं घट चुकी है। चोरों ने एक बार फिर शनिवार की रात थाना क्षेत्र के दरगाह मोहल्ला निवासी मो निशार शेख का एक खस्सी समेत दो घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। चोरी की घटना को लेकर मरकच्चो हरिजन टोला निवासी पूनियां देवी ने थाना में आवेदन देकर चोरी की घटना की जानकारी दी है। आवेदिका पूनिया देवी में बताया है कि घर के एक कमरे में उसके बेटी दामाद और उनके तीन बच्चे तथा दूसरे कमरे में खुद वो सोई हुई थी। बताया कि तीसरे कमरे में मौका का फायदा उठाते हुए चोरों में उसमें रखे कांसा, पीतल के बर्तन, गैस सिलेंडर, चूल्हा और कुछ कपड़े और बर्तन समेत सोना चांदी का जेवरात चोरी कर लिए। वहीं दूसरी ओर मरकच्चो कोटवार मुहल्ला निवासी अभिषेक तंबोली ने थाना में आवेदन देकर अपने चाचा विनोद तंबोली के घर से बीती रात ताला तोड़कर दस हजार नकदी समेत जेवरात की चोरी होने की जानकारी दी है। जानकरी मिलने पर मरकचो पुलिस घटना स्थल पहूंच मामले का जानकारी लेते हुए जांच शुरू कर दिया है।

बच्चे को पोलियो ड्रॉप पिलाकर डीडीसी ने शुरू किया पल्स पोलियो अभियान

तीन दिनों में 1.71 लाख बच्चों को पिलायी जायेगी पोलियो की खुराक

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिले में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत रविवार को डीडीसी रोबिन टोप्पो को ने की। सदर अस्पताल में उन्होंने बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।

आठ से 10 दिसंबर तक पल्स पोलियो अभियान चलेगा जिसमें 171692 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। मौके पर उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा नवजात शिशु को पोलियो की खुराक पिलाई गयी। इस दौरान उन्होंने पल्स पोलियो अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करने और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत जिरो से पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया। आठ दिसंबर को 1067 बूथों पर और नौ एवं 10 दिसंबर को घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया जायेगा। उक्त कार्य हेतु 49 ट्रांजिट टीम और 34 मोबाइल टीम बनाये गये हैं। साथ ही 153 पर्यवेक्षकों को कार्य में लगाया गया है।

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स ने 10 लाख की नयी करेंसी का व्यापारियों के बीच किया वितरण

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। भारतीय स्टेट बैंक रामगढ़ शाखा के सहयोग से रामगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने रविवार को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य प्रबंधक पुणेश्री के सहयोग से चैंबर परिसर में 10 और 20 के लगभग 10 लाख रुपये की नये करेंसी व्यापारियों के बीच वितरित की गयी। मौके पर भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य प्रबंधक पुणेश्री ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक रामगढ़ जिले का सबसे पुराना और अग्रणी बैंक है और यह व्यापारियों के लिए हमेशा हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहता है। उन्होंने व्यापारियों से अनुरोध किया कि वह अपना अधिक से अधिक व्यावसायिक ट्रांजैक्शन भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से करें। उन्होंने कहा कि बैंक का उद्देश्य व्यवसाईयों के साथ-साथ आम जनों को भी हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसी के तहत बैंक के द्वारा 10 और 20 के नये करेंसी नोटों का व्यवसाय और आम जनों के बीच वितरण किया गया। मौके पर बैंकिंग उप समिति के सभापति अनूप कुमार और मुरारी अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि बैंक का व्यापारियों के प्रति इस तरह का सहयोग एक बहुत ही सराहनीय प्रयास है। भविष्य में भी बैंक की तरफ से व्यवसाईयों को हर तरह सहयोग मिलता रहेगा। इस दौरान चैंबर द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण चेंबर अध्यक्ष विनय अग्रवाल, संचालन अधिवक्ता आनंद अग्रवाल और धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष मनजीत साहनी ने किया। मौके पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से मानद सचिव मानू चतुवेर्दी, कोषाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह सैनी, पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, अनूप कुमार सिंह, मनजीत सिंह, विमल बुधिया आदि उपस्थित थे।

जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष मानिकचंद जैन ने गिनायीं दो वर्षो की उपलब्धियां

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। दिगंबर जैन कार्यकारिणी समिति के सत्र 2022-24 में हुए विकास कार्य पर कमेटी को नाज है। उक्त बातें रविवार को पूर्व अध्यक्ष मानिकचंद जैन ने मंदिर के कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कही। मानिकचंद्र जैन, अरविंद सेठी, नरेंद्र छाबड़ा, विनोद पहाड़िया, राजेंद्र पाटनी ने दो साल में किये गये अपने कार्य के बारे मे बताया। पूज्य आचार्य गुरुवर प्रसन्न सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश, जैन भवन में लिफ्ट लगाये जाने, जैन मंदिर और भवन के लिए ट्रांसफार्मर लगवाने, जैन भवन में अनेक कार्य किये गये। विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्था और अनेक समाज के साथ को-ऑर्डिनेश बनाया गया। जैन समाज के द्वारा भव्य प्रथम वार्षिक मोहोत्सव मनाया गया। महावीर जयंती, दसलक्षण पर्व, पारसनाथ जयंती, सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं अनेक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यकाल के दौरान समाज के सभी सदस्यों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के प्रति मानिक चंद्र जैन ने आभार प्रकट किया।

रामगढ़ महाविद्यालय प्रशासन की उदासीनता पर अभाविप को कड़ा ऐतराज, सौंपा ज्ञापन

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रामगढ़ कॉलेज इकाई के तत्वाधान में महाविद्यालय प्रशासन को छात्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए बीते दिन आवेदन दिया गया। रामगढ़ महाविद्यालय में छात्रहित से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को लेकर अभाविप ने अपना रोष व्यक्त किया है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों की मांगों को लगातार अनदेखा किया जा रहा है। यह रवैया न केवल छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गरिमा पर भी एक प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विनोबा भावे यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में बाहरी खिलाड़ियों को शामिल करना पूरी तरह से अनुचित है। महाविद्यालय के छात्रों के अधिकारों पर इस प्रकार का अतिक्रमण अस्वीकार्य है। प्रशासन की लापरवाही के कारण छात्रों को अब तक उनके पहचान पत्र नहीं मिले हैं, लाइब्रेरी कार्ड को निर्गत कर छात्रों को आईडी कार्ड के लिए परेशान किया जाता है, जिससे वे कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। पूरे महाविद्यालय में अनुशासन और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए ड्रेस कोड अनिवार्य किया जाये। किसी भी खाश वर्ग को इसमें छूट मिलना, महाविद्यालय के द्वारा किये जाने वाले पक्षपात को दशार्ता है। एनएएसी निरीक्षण के नाम पर कई सारे छात्रों को परीक्षा देने से रोकना, छात्रों को परेशान करना और उनके अधिकारों की अनदेखी करना बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। परिषद कॉलेज प्रशाशन से 10 तारीख तक स्पष्टीकरण की मांग करती है, यदि प्रशासन ने इन मांगों पर त्वरित कार्रवाई नहीं की, तो अभाविप बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रहित के लिए हर संभव प्रयास करेगी। मौके पर विभाग सह संयोजक अंशु पांडे, नगर मंत्री नितेश कुमार मोदी, कार्यकारिणी सदस्य आदित्य सिंह, कॉलेज अध्यक्ष प्रीतम प्रजापति, कॉलेज मंत्री चित्रा मिर्धा, खुशी कुमारी, अनुष्का भगत, लक्ष्मी कुमारी, श्रुति कुमारी, कुमारी श्रुति, विकी वत्स पांडे, आकाश कश्यप, शहजाद आलम आदि छात्र उपस्थित थे।

कुजू के व्यवसायी जयप्रकाश अग्रवाल नहीं रहे

कुजू (आजाद सिपाही)। कुजू के जाने माने व्यवसायी जयप्रकाश अग्रवाल (75 वर्ष) का हृदयगति रुकने से निधन हो गया। निधन की खबर पाकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व समाजसेवी उनके घर पहुंचकर शोक सवेंदनाए प्रकट की। वही, परिजनों में शोक व्याप्त है। जयप्रकाश अग्रवाल का अंतिम संस्कार रविवार को रामगढ़ दामोदर नदी स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वह अपने पीछे तीन पुत्री और दो पुत्र छोड़ सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। शोक व्यक्त करने वालो में सीए प्रवीण अग्रवाल, कन्हैया लाल अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, धनेश्वर प्रसाद, अरविंद वर्मा, मुकेश साहू, विजय साहू, अरविंद कुमार, मनीष कुमार, राजू अग्रवाल, अमर अग्रवाल, राम अग्रवाल, राम जी अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, कमल अग्रवाल, संदीप गुप्ता सहित काफी संख्या में लोग शामिल रहे।

वॉल्कन बजाज शोरूम में सीएनजी फ्रीडम और पल्सर एन-25 को एसपी ने किया लांच

ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए लोकप्रिय होगी बाइकः अजय कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। विश्व की पहली सीएनजी फ्रीडम बाइक बजाज कंपनी ने लांच की है। रामगढ़ शहर के वॉल्कन बाजार शोरूम में रविवार को सीएनजी फ्रीडम और पल्सर एन 25 बाइक को एसपी अजय कुमार, वत्सल पोद्दार और विवेक पोद्दार ने संयुक्त रूप से लांच किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी और शोरूम के कर्मियों को बधाई दी। एसपी अजय कुमार ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण की वजह से हमारा समाज बीमार हो रहा है। सीएनजी फ्रीडम बाइक इन सब प्रदूषण को तो दूर करेगी ही, साथ ही इसका बेहतरीन मॉडल और लुक ग्राहकों को भी पसंद आयेगा। एसपी ने बताया कि पूरी दुनिया अब कृत्रिम चीजों से हटकर प्राकृतिक चीजों पर निर्भर हो रही है।

पहले थ्री व्हीलर और फोर व्हीलर में सीएनजी का इस्तेमाल होता था, लेकिन अब टू व्हीलर भी सीएनजी के साथ सुरक्षित साबित होगा। उन्होंने बताया कि कंपनी का यह बेहतरीन फीचर लोगों को अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि सीएनजी टैंक किसी भी परिस्थिति में विस्फोट ही करेगा, चाहे दुर्घटना कितनी भी बड़ी हो। कंपनी इस मानक पर अगर खरी उतरती है, तो सीएनजी बाइक सड़कों पर एक नयी पहचान बन सकती है। मौके पर मौके पर शोरूम के मालिक दिनेश पोद्दार, शोरूम मैनेजर अभिजीत कुमार सिन्हा, सर्विस मैनेजर मोहित सिंह, अभित ठाकुर, सोनू थापा, संजय, सुदीप, अभित रॉय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

खेल स्टेडियम बनवाने को लेकर भाजपा नेता ने सांसद को सौंपा मांग पत्र

खेल स्टेडियम बनने से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रौशन करेंगे खिलाड़ीः पुटूश

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। भाजपा नेता सह रामगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी धनंजय कुमार पुटूस ने हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल से मुलाकात किया। इस दौरान रामगढ़ कैंट के फुटबॉल मैदान को खेल स्टेडियम के रूप में विकसित करवाने के लिए एक मांग पत्र सौंपा है। सांसद मनीष जायसवाल को दिए मांग पत्र में धनंजय कुमार पुटूस ने कहा है कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हमारे रामगढ़ जिला के शहरी क्षेत्र रामगढ़ कैंट में खेलने के लिए एक मैदान शहर के बीचो-बीच छावनी परिषद के सीइओ आवास के बगल में फुटबॉल मैदान है। जहां पर खिलाड़ी खेलकूद का अभ्यास करते हैं और युवा लड़के-लड़कियां सेना, पुलिस बहाली और ओलंपिक आदि की तैयारी करते हैं। इस मैदान में समय समय पर फुटबॉल, क्रिकेट टूर्नामेंट और अन्य खेलों का भी आयोजन होता है। अगर इस मैदान को एक अच्छे खेल स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाए तो हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले रामगढ़ जिला के खिलाड़ियों को खेलकूद के क्षेत्र में आगे बढ़ने एवं युवाओं को सेना, पुलिस आदि बहाली और ओलंपिक की तैयारी करने में काफी सहायता मिलेगी। जो आगे चलकर हमारे रामगढ़ जिला के साथ हजारीबाग लोकसभा का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रौशन करेंगे। पुटूस ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल जनहित के मुद्दों के प्रति सकारात्मक नजरिया रखते हैं और युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम करते हैं। हमे पूर्ण विश्वास है कि सांसद महोदय हमारे मांग पत्र पर संज्ञान लेंगे और जल्द ही रामगढ़ के फुटबॉल मैदान को एक शानदार खेल स्टेडियम के रूप में विकसित किया जायेगा। धनंजय कुमार पुटूस ने इस मांग पत्र की प्रतिलिपि रामगढ़ डीसी और रामगढ़ कैंट के सीइओ को भी सौंपने की बात कही है।

श्री राम, माता जानकी, लक्ष्मण और हनुमान जी की प्रतिमा का किया विसर्जन

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातु प्रखंड के जयनगर स्थित नलकारी नदी के तट पर प्रतिमा स्थापित कर तीन दिनों तक मनाये जाने वाले श्रीराम विवाह महोत्सव का रविवार को संपन्न किया गया। इस मौके पर शनिवार को श्रीराम, माता जानकी लक्ष्मण और भक्त शिरोमणि हनुमान जी की प्रतिमा की पूजा-अर्चना के साथ हवन किया गया। इसके बाद आरती और प्रसाद वितरण कर, सभी प्रतिमाओं को गाड़ी में बैठाकर पूरे जयनगर गांव में शोभायात्रा निकाली गयी। जहां महिलाओं ने प्रतिमाओं की पूजा अर्चना की। इस आयोजन को सफल बनाने में अखिल पाठक, अशोक पाठक, मोनू सिंह, संचित पाठक, दीघार्यु कुमार, अविनाश कुमार, प्रियांशु पाठक, रवि पाठक, प्रशांत कुमार, अंकित कुमार, सुनील पाठक, अनिल पाठक, सुजीत पाठक, प्रिंस कुमार आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रामगढ़, रजरप्पा और घाटो में फिर शुरू हुआ ईंट भट्ठा का कारोबार

ईंट भट्ठा में सीसीएल कोलियरी और दामोदर नदी से पहुंचता है अवैध कोयला।

रात के अंधेरे में ट्रैक्टर और दिन उजाले में साइकिल से भट्ठों में गिरता है कोयला।

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। कारोबार घाटो, रामगढ़ और रजरप्पा थाना क्षेत्र में शुरू हुआ है। भट्ठों में दिन और रात अवैध कोयला गिराया जा रहा है। जिसे रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। यह कारोबार अगले छह माह तक चलेगा। बीच-बीच में अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर पकड़कर पुलिस अपनी कर्तव्यों की इतिश्री करते रहेगी।

कहां-कहां से भट्ठों में पहुंचता है अवैध स्टीम कोयला।

पड़ताल में यह बात सामने आई है कि भट्ठों में कोयला आपूर्ति कुंदरू-सरैया के निकट दामोदर नदी के साथ सीसीएल रजरप्पा कोलियरी से चोरी कर की जाती है। दामोदर नदी से जानलेवा सुरंग बनाकर कोयला निकासी कर भट्ठों में कोयला तस्कर मुहैया कराते है। इसके अलावे सीसीएल की कोलयरी से भी कोयला चुराकर भट्ठों में पहुंचाया जाता है। अगर समय रहते अवैध खनन नहीं रोका गया तो आगे कई लोग अपनी जान से भी जा सकते है। इधर घाटो में भी सीसीएल की बंद पड़ी खदान और वन भूमि क्षेत्र में अवैध खनन कर भट्ठों में कोयले की आपूर्ति की जाती है।

रात में ट्रैक्टर और दिन में साइकिल से भट्ठों में पहुंचता है कोयला।

सूत्रों ने बताया कि भट्ठों में कोयला गिराने की तरीको में कई बदलाव किये गये है। शर्त है कि दिन में किसी भी कीमत पर अवैध कोयला की ढुलाई ट्रैक्टर से नहीं करना है। अगर रात में छूट मिला है तो उसकी भी एक समय निर्धारित किया जायेगा। उसके अनुसार ही कोयला की ढुलाई होगा। हां एक बात अलग है कि भट्ठा संचालक दिन में कोयला की जरूरत है तो वो साइकिल से गिरा सकते है।

जिला राजद की एक दिवसीय समीक्षा बैठक

चतरा (आजाद सिपाही)। पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता की उपस्थिति में उनके आवास पर राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष नवल किशोर यादव की अध्यक्षता में राजद कार्यकर्ताओं की एकदिवसीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विधानसभा चुनाव में हुई राजद प्रत्याशी के हार के कारणों पर गहनता से सभी प्रखंडों की समीक्षा की गयी। सभी वक्ताओं ने अपना महत्वपूर्ण सुझाव दिया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि हम चुनाव हारे हैं, जमीन नहीं। राजद कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता है। राज्य में राजद समर्थित महागठबंधन की सरकार है। जिसके कारण चतरा के विकास में कोई कमी नहीं आयेगी। समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से चंद्रिका यादव राजद प्रदेश महासचिव, रामेश्वर यादव 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष, राजेंद्र राम जिला उपाध्यक्ष को चुनाव में पार्टी विरोधी कार्य करने के कारण पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित करने हेतु झारखंड राजद के प्रदेश अध्यक्ष को अनुशंसा की गयी। इस समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश स्तरीय, जिला स्तरीय, सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और सभी प्रखंडों के पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

सीएटीसी कैंप में शामिल होने के लिए 12 छात्र रवाना

चतरा (आजाद सिपाही)। स्थानीय डीएवी पब्लिक स्कूल से 12 छात्र एनसीसी कैडेट हजारीबाग स्थित राधा गोविंद बी एड कॉलेज में 10 दिन के सीएटिसी कैंप में शामिल होने के लिए रवाना हुए। यह बच्चे 22 वी बटालियन के अंतर्गत 10 दिन तक वहां रहेंगे और अपने जीवन में फौज के अनुशासन को सीखने का काम करेंगे। इन छात्रों को हरी झंडी दिखाते हुए प्राचार्य अजय कुमार चौबे ने कहा कि एनसीसी के जरिए बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है, और यह बच्चे भविष्य में भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के लिए अपनी सेवा देने को तत्पर रहते हैं। विद्यालय के एनसीसी विंग के हेड अभिजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि छात्र वहां जाकर फौज के अनुशासन को अपने जीवन में उतारने का काम करेंगे और अपने समाज में बदलाव लाने का प्रयास करेंगे। इसी भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहें और आपके आगे बढ़ने से देश भी आगे बढ़ेगा

फ्री हेल्थ चेकअप, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जांच शिविर

चतरा (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब आफ चतरा यूनाइटेड ने रविवार की सुबह 6 से 8:30 बजे तक उषा मेडिकल, गुदरी बाजार चतरा में फ्री हेल्थ चेकअप, शुगर और बीपी जांच शिविर लगाकर लगभग 38 मरीजों का जांच किया। शिविर के सफल आयोजन में अध्यक्ष डॉक्टर हर्ष देव गुप्ता,कोषाध्यक्ष मनोज कुमार साव,मोहम्मद जसीम, मोहम्मद तालहा, राजेश जायसवाल, अतुल जायसवाल, अमितेश जायसवाल आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। डॉक्टर हर्षदेव गुप्ता ने ठंड के मौसम मे विशेषकर बीपी और शुगर के मरीजों को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी।

पैसे के अभाव में समुचित इलाज नहीं होने से मजदूर की मौत

हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बलुरी गांव निवासी भून यादव का 35 वर्षीय पुत्र जयराम कुमार यादव की मौत उड़िसा के कटक में इलाज के दौरान रविवार को हो गयी । जानकारी के अनुसार मृतक बीते 25 नवंबर को कोलकाता स्थित रश्मि मेटलिक लिमिटेड (डीआईपी) फैक्ट्री में काम करने के दौरान मेल्स गिर जाने के दौरान बुरी तरह झुलस गया था। पैसे के अभाव में घायल जयराम समुचित इलाज नहीं करा पाया। घायल के परिजनों ने स्थानीय सांसद कालीचरण सिंह और विधायक जनार्दन पासवान से सहायता के लिए गुहार लगाया था। इसी बीच उड़ीसा के कटक में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। समाचार लिखे जाने तक मृतक का शव गांव नहीं पहुंचा था। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी के अलावा तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। मृतक परिवार का अकेला कमाऊ व्यक्ति था।

आरसीएमयू ने महाप्रबंधक को श्रेष्ठ जीएम का अवार्ड मिलने पर किया सम्मानित

उरीमारी (आजाद सिपाही)। सीसीएल बरका सयाल क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन इंटक के बरका सयाल क्षेत्रीय सचिव सह विस्थापित संघर्ष मोर्चा के संरक्षक राजू यादव के नेतृत्व में महाप्रबंधक अजय सिंह को बेस्ट एरिया जीएम का अवार्ड मिलने पर सम्मानित किया गया। इस दौरान आरसीएमयू इंटक और विस्थापित संघर्ष मोर्चा उरीमारी/पोटंगा के सभी पदाधिकारीयों ने संयुक्त रूप से जीएम अजय सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए उन्हें बधाई दी। इस मौके पर सीताराम किस्कू, मुखिया चरका करमाली, कानू मरांडी, विश्वनाथ मांझी, लालो महतो, कंचन मांझी, चंदू जयसवाल, जतरू बेसरा आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

दो बूंद बच्चों की जिंदगी के लिए जरूरी : मेघलाल

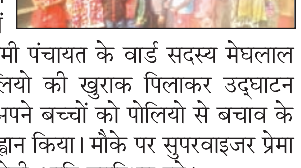

कुजू (आजाद सिपाही)। स्वास्थ्य उपकेंद्र न्यू बाजार टांड़ कुजू में पोलियो दिवस के अवसर पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गयी। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी सह कुजू पश्चिमी पंचायत के वार्ड सदस्य मेघलाल रविदास ने बच्चों को दो बूंद पोलियो की खुराक पिलाकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपने बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए पोलियो खुराक पिलाने का आह्वान किया। मौके पर सुपरवाइजर प्रेमा कुमारी, सहिया सुमन देवी, सुनीता देवी आदि उपस्थित रहे।

कट्टरपंथ का खतरा

बांग्लादेश में हालिया सत्ता परिवर्तन के बाद से ही हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों पर होनेवाले हमले अंतरराष्ट्रीय चिंता का कारण बने हुए हैं। हैरत की बात है कि बांग्लादेश की कामचलाऊ सरकार इन हमलों को रोकने से ज्यादा दिलचस्पी इनका खंडन करने में लेती दिख रही है। उसका इन हमलों पर आधिकारिक स्पष्टीकरण यह है कि भारत का मीडिया इन हमलों को बढ़ा-चढ़ा कर दिखा रहा है। ऐसे में अमेरिका की यह प्रतिक्रिया खासी अहम हो जाती है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर वह नजर बनाये हुए है और उम्मीद करता है कि वहां सभी नागरिकों के मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी। बांग्लादेश में जिन हालात में शेख हसीना को इस्तीफा देकर वहां से निकलना पड़ा और मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाया गया, उसने कई तरह के सवाल खड़े किये। इस नयी सरकार पर इस्लामिक कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव को लेकर आशंकाएं भी पहले दिन से थीं, लेकिन मोहम्मद यूनुस की अमेरिका से करीबी भी काफी चर्चा में रही। कुछ हलकों में कहा जा रहा था कि उन्हें अमेरिका का परोक्ष समर्थन हासिल है। बहरहाल, अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर अमेरिका की ताजा प्रक्रिया आने के बाद इस बात पर नजर बनी हुई है कि उनकी सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के रुख में किस तरह का और कितना बदलाव आता है। अब तक अंतरिम सरकार के रुख ने इन आशंकाओं को मजबूती ही दी है कि उसकी नीतियां न सिर्फ बांग्लादेश के बल्कि पाकिस्तान के भी इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दे सकती हैं। इसका ताजा उदाहरण है पाकिस्तानियों और पाकिस्तानी मूल के लोगों को वीजा देने के नियमों में ढील देने का फैसला। अंतरिम सरकार के इस फैसले के मुताबिक अब इन लोगों को बांग्लादेश की यात्रा करने के लिए सिक्योरिटी क्लीयरेंस लेना जरूरी नहीं होगा। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस फैसले से भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ेंगी। वजह यह है कि इससे पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी तत्वों का बांग्लादेश आना आसान हो जायेगा। ध्यान रहे, बांग्लादेश के साथ भारत की 4000 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। 2001 से 2006 के बीच बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी शासन के दौरान बांग्लादेश में सक्रिय आतंकी तत्वों के कई कारनामे भारत भुगत चुका है। जाहिर है, पड़ोसी देश का घटनाक्रम भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक चुनौती पैदा करता दिख रहा है। मसला सिर्फ अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों या वहां की कानून-व्यवस्था की स्थिति तक सीमित नहीं है। अंतरिम सरकार को यह समझना होगा कि हिंदुओं की सुरक्षा के प्रति उदासीनता दिखाना ठीक नहीं है और भारत उसका मित्र देश है।

बांग्लादेश के साथ भारत की 4000 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। 2001 से 2006 के बीच बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी शासन के दौरान बांग्लादेश में सक्रिय आतंकी तत्वों के कई कारनामे भारत भुगत चुका है।

अभिमत
आजाद सिपाही

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने कहा कि हर माता-पिता जानते हैं कि सोशल मीडिया की लत उनके बच्चों को मानवीय संपर्क से अलग-थलग कर सकती है। बच्चों को तनाव, चिंता, और देर रात तक बर्बाद होने वाले अंतहीन घंटे मिलते हैं। राज्य सीनेटर नैंसी स्किनर, जिन्होंने कानून लिखा, ने कहा, 'सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से हमारे बच्चों को आदी बनाने के लिए डिजाइन किया है।'

माता-पिता अपने बच्चों के लिए क्या कर सकते हैं!

श्रीनिवास माधव

भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसमें 25 वर्ष से कम आयु के 600 मिलियन से अधिक लोग हैं। जनसांख्यिकीय लाभांश युवाओं को प्रमुख चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाने पर निर्भर करता है, कुछ आभासी और कुछ मूर्त। सोशल मीडिया, एक प्रशंसित लोकतांत्रिक उपकरण और माता-पिता का अभिशाप है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने कहा कि हर माता-पिता जानते हैं कि सोशल मीडिया की लत उनके बच्चों को मानवीय संपर्क से अलग-थलग कर सकती है। बच्चों को तनाव, चिंता, और देर रात तक बर्बाद होने वाले अंतहीन घंटे मिलते हैं।

राज्य सीनेटर नैंसी स्किनर, जिन्होंने कानून लिखा, ने कहा, 'सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से हमारे बच्चों को आदी बनाने के लिए डिजाइन किया है।' केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने 16 नवंबर को अपने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के संबोधन के दौरान टिप्पणी की कि डिजिटल प्लेटफॉर्म को चलाने वाले एल्गोरिदम अक्सर ऐसी सामग्री को प्राथमिकता देते हैं, जो सनसनीखेज या विभाजनकारी कथाओं को बढ़ा कर जुड़ाव को अधिकतम करती है।

28 नवंबर को, ऑस्ट्रेलियाई संसद ने ऑनलाइन सुरक्षा संशोधन (सोशल मीडिया न्यूनतम आयु) विधेयक 2024 पारित किया, जिसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को अपने प्लेटफॉर्म तक पहुंचने से रोकने के उपायों को लागू करने के लिए अनिवार्य किया गया।

ऑस्ट्रेलिया अभी भी आयु सत्यापन के लिए उपयोग किये जाने वाले तंत्र का पता लगा रहा है।

दुनिया के सबसे सख्त कानून के तहत, जिसे एक साल के भीतर लागू किया जाना है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों को पहुंच की अनुमति देने के लिए $32 मिलियन तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चों का बचपन हो और माता-पिता को पता हो कि हम उनके साथ हैं।

फ्रांस में एक कानून है, जिसके तहत 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए माता-पिता की सहमति की आवश्यकता होती है, जबकि ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया की पहल का अध्ययन कर रहा है। विज्ञापन फ्रांस यूरोपीय संघ में प्रतिबंध लगाने की वकालत कर रहा है। हालांकि, आयु सत्यापन एक बड़ी चुनौती होगी।

यूके मीडिया नियामक, ऑफ कॉम द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि 8 से 17 वर्ष की आयु के 22 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया ऐप पर 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के होने के बारे में झूठ बोलते हैं।

ऑस्ट्रेलिया अभी भी आयु सत्यापन के लिए उपयोग किये जाने वाले तंत्र का पता लगा रहा है। दूसरी ओर ऑनलाइन गेमिंग एक बढ़ती हुई चिंता बन गयी है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा गेमिंग डिसऑर्डर के रूप में मान्यता प्राप्त, गेमिंग की लत शैक्षणिक प्रदर्शन और सामाजिक संपर्कों को बाधित करती है, जिससे बच्चों की भलाई को और भी अधिक खतरा होता है। सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 सोशल मीडिया मध्यस्थों पर उचित परिश्रम की बाध्यताएं डालते हैं। इन प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए हानिकारक गैर-कानूनी जानकारी को हटाने की दिशा में तेजी से कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

जैसा कि संसद में सुझाव दिया गया है कि संचार और आईटी पर स्थायी समिति को इन मुद्दों को संबोधित करने और भारतीय युवाओं और उनके माता-पिता को डिजिटल अभिशाप से बचाने की आवश्यकता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के राष्ट्रीय औषधि उपचार केंद्र द्वारा 2018 में किये गये राष्ट्रीय सर्वेक्षण से पता चला है कि 18 वर्ष से कम आयु के 1.18 करोड़ युवा नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित हैं।

माता-पिता अपने बच्चों के साथ दोस्ती का निर्माण करें। भारत मेरा देश है... मैं अपने माता-पिता, शिक्षकों और बड़ों का सम्मान करूंगा..., बच्चे स्कूलों में पिडिमर्री वेंकट सुब्बाराव द्वारा लिखित शपथ लेते हैं। जबकि बच्चे अपने माता-पिता और बड़ों का सम्मान करने की शपथ लेते हैं, माता-पिता को अपने बच्चों के साथ बिताये समय की गुणवत्ता पर भी विचार करना चाहिए। क्या वे उनकी समस्याओं को सुनते हैं? क्या वे उनकी सफलताओं का जश्न मनाते हैं? क्या वे अपने अच्छे कामों की प्रशंसा करते हैं? प्रशंसा एक मजबूत रिश्ते की नींव है। जो लोग सराहना करते हैं, उन्हें जरूरत पड़ने पर रचनात्मक आलोचना करने का भी अधिकार है।

आइसलैंड जैसे देशों ने अनिवार्य अभिभावक प्रतिज्ञा लागू की है, जहां माता-पिता अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने, उनके अच्छे कार्यों की प्रशंसा करने, आवश्यकता पड़ने पर नहीं स्वीकार करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उन्हें पर्याप्त पोषण, नींद और व्यायाम मिले। माता-पिता और बच्चों के बीच मजबूत बंधन को बढ़ावा देकर, माता-पिता अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने, सकारात्मक कार्यों की सराहना करने और लचीलापन बढ़ाने का संकल्प ले सकते हैं।

माता-पिता अपने बच्चों के साथ दोस्ती का निर्माण करें। भारत मेरा देश है... मैं अपने माता-पिता, शिक्षकों और बड़ों का सम्मान करूंगा..., बच्चे स्कूलों में पिडिमर्री वेंकट सुब्बाराव द्वारा लिखित शपथ लेते हैं। जबकि बच्चे अपने माता-पिता और बड़ों का सम्मान करने की शपथ लेते हैं, माता-पिता को अपने बच्चों के साथ बिताये समय की गुणवत्ता पर भी विचार करना चाहिए।

देश-विदेश की खबरें

महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर होंगे, 105 विधायकों ने शपथ ली

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन रविवार को 105 विधायकों ने शपथ ली। कई विधायकों ने इवीएम के मुद्दे पर 7 दिसंबर को शपथ लेने से इनकार करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया था, जिसके बाद शपथ रोक दी गयी थी।

रविवार को कांग्रेस के नाना पटोले, विजय वडेट्टीवार और अमित देशमुख, एनसीपी-एसपी नेता जितेंद्र अव्हाड, शिवसेना यूबीटी के आदित्य ठाकरे ने सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही शपथ ली। इससे पहले शनिवार को 173 विधायकों ने शपथ ली थी। इनमें समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी और रईस शेख भी शामिल रहे। अब बाकी बचे नौ विधायक सोमवार को शपथ लेंगे।

इधर, राहुल नार्वेकर लगातार दूसरी बार विधानसभा के स्पीकर चुने गये। दरअसल, रविवार को स्पीकर पद के लिए उनके अलावा किसी ने नामांकन नहीं भरा। ऐसे में कोलाबा सीट से विधायक नार्वेकर का निर्विरोध चुना गया। 2022 में एकनाथ शिंदे के शिवसेना से अलग होकर सीएम बनने के बाद राहुल नार्वेकर को ही स्पीकर बनाया गया था, तब शिवसेना ठाकरे गुट ने उन पर विधायकों की अयोग्यता पर फैसला देने में देर करने का आरोप लगाया था। शपथ ग्रहण से पहले विपक्ष के नेताओं ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। ये सभी विधानसभा में डिप्टी स्पीकर के पद की मांग को लेकर पहुंचे थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बंगाल में प्रदर्शन, ढाका की साड़ियों को जलाया

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। कोलकाता के सॉल्ट लेक इंटरनेशनल बस टर्मिनस के पास प्रदर्शन में लोगों ने बांग्लादेश की जमदानी साड़ियों को जलाया। उन्होंने बांग्लादेश के सामान का बहिष्कार करने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि अगर तिरंगे का अपमान और हिंदुओं पर हमले जारी रहे, तो भारत के लोग चुप नहीं बैठेंगे।

पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए। कोलकाता, कांथी, काकद्वीप, संदेशकाली और पुरुलिया में हिंदुत्ववादी संगठनों की ओर से आयोजित रैलियों में सैकड़ों लोग शामिल हुए। इन प्रदर्शनों में लोगों ने हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई की भी मांग की।

कोलकाता के सॉल्ट लेक इंटरनेशनल बस टर्मिनस के पास प्रदर्शन में लोगों ने बांग्लादेश की जमदानी साड़ियों को जलाया। उन्होंने बांग्लादेश के सामान का बहिष्कार करने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि अगर तिरंगे का अपमान और हिंदुओं पर हमले जारी रहे, तो भारत के लोग चुप नहीं बैठेंगे।

बांग्लादेशी उत्पादों के बहिष्कार की अपील : एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम बांग्लादेश में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाये जाने और भारत विरोधी नफरत फैलाने वाले बयानों की कड़ी निंदा करते हैं। हम चुप नहीं बैठेंगे। इसलिए, इन साड़ियों को जला कर हम बांग्लादेशी उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं। दूसरे प्रदर्शनकारी ने कहा कि यह कैसा बांग्लादेश है? जो लोग 1971 के स्वतंत्रता संग्राम में लड़े थे, अब वे अपनी ऐतिहासिक धरोहर को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांथी में शुभेंदु अधिकारी ने किया विरोध रैली का नेतृत्व : कांथी में आयोजित विरोधी रैली का नेतृत्व राज्य के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ सभी सनातनी एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि 1971 में बांग्लादेश के स्वाधीनता संग्राम में 30 हजार से अधिक भारतीयों की शहादत को अब वहां के कट्टरपंथी भूल गये हैं। रविवार की रैली सीमा पार के तत्वों के लिए एक चेतावनी है कि वे इस प्रकार की नफरत फैलाने वाली बयानबाजी बंद करें। अधिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और संयुक्त राष्ट्र के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार उचित कदम उठायेगी।

किसानों ने शंभू बॉर्डर से दिल्ली मार्च टाला

आजाद सिपाही संवाददाता

शंभू बॉर्डर (पटियाला)। पंजाब के 101 किसानों ने रविवार को दूसरी बार शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच करने की कोशिश की, लेकिन हरियाणा पुलिस ने उन्हें घग्गर नदी के पुल पर रोक लिया। करीब पौने 4 घंटे बाद जत्थे को वापस लौटना पड़ा। किसान नेता पंधेर का कहना है कि सोमवार को दोनों फोरम फैसला करेंगे कि आगे कब जाना है। 101 किसानों का जत्था दोपहर 12 बजे धरनास्थल से दिल्ली कूच के लिए निकला। पुल पर पुलिस और किसानों के बीच बहस हुई। हरियाणा पुलिस ने किसानों से दिल्ली जाने का परमिशन लेटर मांगा। उन्होंने कहा कि बिना परमिशन के वह दिल्ली नहीं जा सकते। इसके बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इस पर हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके बाद पुलिस ने किसानों को चाय बिस्किट ऑफर किये और फूल भी बरसाये। फिर भी किसान दिल्ली कूच करने पर अड़े रहे। पुलिस ने दोबारा आंसू गैस के गोले दागे और वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। इसमें 8 किसान घायल हो गये। एक किसान की हालत गंभीर है। उसे चंडीगढ़ पीजीआइ रेफर किया गया है। ऐसे में जत्थे को वापस बुलाने का फैसला लिया गया।

सीरियाई राष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया, देश छोड़कर भागे

- **सेना बोली- उनकी सत्ता खत्म, लोगों ने राष्ट्रपति भवन लूटा**
- **टैंकों पर चढ़ कर जश्न मना रहे विद्रोही**

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़ कर भाग चुके हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है। सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी। विद्रोही लड़ाकों ने रविवार को राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया है। असद के देश छोड़ने के बाद सीरियाई पीएम ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का प्रस्ताव दिया है। पीएम मोहम्मद गाजी अल जलाली ने एक वीडियो में कहा है कि वो देश में ही रहेंगे और जिसे भी सीरिया के लोग चुनेंगे, उसके साथ मिलकर काम करेंगे।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क के अलावा सीरिया के चार बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है। इनमें अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा शामिल हैं। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में दारा शहर की तरफ से घुसे थे, जिस पर उन्होंने 6 दिसंबर को कब्जा किया था। दारा वही शहर है, जहां से 2011 में राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत हुई थी और पूरे देश में जंग छिड़ गयी थी। दारा से राजधानी दमिश्क की दूरी करीब 100 किमी है। यहां स्थानीय विद्रोहियों ने कब्जा किया है। वहीं, अलेप्पो, हमा और होम्स इस्लामी चरमपंथी ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम की गिरफ्त में है। संघर्ष की वजह से अब तक 3.70 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। हालांकि लोग असद सरकार के गिरने की खुशी मना रहे हैं। लोगों के सेना के टैंकों पर चढ़कर सेलिब्रेट करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

असद ने 11 दिन में सत्ता गंवाई : सीरिया में 27 नवंबर को सेना और सीरियाई विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) के बीच 2020 के सीजफायर के बाद फिर संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद 1 दिसंबर को विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसे राष्ट्रपति बशर अल असद ने सीरिया की जंग के दौरान 4 साल की लड़ाई के बाद जीता था।

अलेप्पो जीतने के 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा और फिर दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद राजधानी दमिश्क को दो दिशाओं से घेर लिया है। दारा और राजधानी दमिश्क के बीच सिर्फ 90 किमी की दूरी है। इस तरह असद ने सिर्फ 11 दिन के भीतर अपनी सत्ता गंवा दी और सीरिया पर असद परिवार के 50 साल का शासन खत्म हुआ।

कनाडा में भारतीय स्टूडेंट की हत्या

कनाडा के एडमॉन्टन शहर में बतौर सिक्योरिटी गार्ड काम करते थे हर्षनदीप सिंह

एजेंसी

कनाडा। कनाडा में 20 साल के एक भारतीय छात्र की बेरहमी से हत्या कर दी गयी है। छात्र हर्षनदीप सिंह पंजाब के रहने वाले थे। वह कनाडा के एडमोंटन शहर में बतौर सिक्योरिटी गार्ड काम करते थे। हर्षनदीप की हत्या सीसीटीवी में कैद हो गयी थी, इसका वीडियो वायरल हो रहा है। घटना बीते 6 दिसंबर को एडमोंटन की है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि हर्षनदीप सिंह को एक अपार्टमेंट की सीढ़ियों के रास्ते भागने की कोशिश करते समय पीछे से गोली मारी गयी। जिस शख्स ने हर्षनदीप पर गोली चलायी, उसके अलावा एक लड़का और एक महिला भी मौके पर मौजूद थी। जब हर्षनदीप ने भागने की कोशिश की तो महिला ने पीछे से पकड़ कर उसे रोकना चाहा। इसके ठीक बाद हमलावर ने हर्षनदीप पर गोली चला दी। हर्षनदीप पंजाब में कहां के रहने वाले हैं और वह किस कोर्स की पढ़ाई करने कनाडा गये थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आयी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हर्षनदीप कनाडा में पढ़ाई के अलावा अपना खर्च चलाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी करते थे। हर्षनदीप की हत्या के मामले में इवान रेन और ज्यूडिथ सॉल्टो नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कुएं से युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

रमना (आजाद सिपाही)। रमना थाना क्षेत्र के परसवान गांव स्थित सुनरी पहाड़ी के पास एक कुएं से शनिवार रात पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय एजाजत अली के रूप में हुई है, जो बहीयार खुर्द का निवासी था। एजाजत अली शुक्रवार रात मिलाद कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौटते समय गायब हो गया था। परिजनों ने खोजबीन की और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उसका शव शनिवार रात कुएं से मिला। मृतक की पत्नी सलमा बीबी ने आरोप लगाया कि भूमि विवाद के चलते उनके पति की हत्या की गयी है। उन्होंने कई रिश्तेदारों पर हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुट गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक, भूमि बंटवारे को लेकर विवाद लंबे समय से चल रहा था, जो इस घटना का कारण बन सकता है।

रामकंडा में तीसरी बार ग्रामीणों ने रोका सड़क निर्माण, कहा
मुआवजा के बाद बनने देंगे सड़क

आजाद सिपाही संवाददाता

ग्रामीणों को आश्वशन देते एएसआइ कंचन कुमार।

रमकंडा। रंका रमकंडा सड़क चौड़ीकरण के संवेदक मेसर्स गंगा कंट्रक्शन ग्रामीणों की मांग के विपरीत रमकंडा में सड़क बनाने को लेकर आतुर हैं। इस कारण पीडब्ल्यूडी के 66 करोड़ की लागत वाली इस सड़क में ग्रामीणों का विरोध लगातार जारी है। पिछले शुक्रवार को ग्रामीणों की मांग के अनुरूप निर्माण कार्य का आश्वशन देने के बावजूद पुनः रविवार को संवेदक ने मांग के विपरीत निर्माण कार्य शुरू कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही भाजपा नेताओं समेत स्थानीय ग्रामीणों ने रमकंडा में हो रहे सड़क निर्माण कार्य को तीसरी बार रोक दिया। मामला बढ़ता देख रमकंडा पुलिस निर्माण स्थल पर पहुंची। वहीं मामले को शांत कराया। इसके साथ ही एएसआई कंचन कुमार ने संवेदक को ग्रामीणों की मांग पूरा होने के बाद ही सड़क निर्माण शुरू करने की बात कही। कहा कि लगातार इस तरह विरोध होता रहा तो यहां विधि व्यवस्था गड़बड़ हो सकती है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विरोध के बावजूद पिछले शुक्रवार को संवेदक की ओर से निर्माण कार्य शुरू होता देख ग्रामीण उग्र हो गये। वहीं शनिवार को ग्रामीणों ने उक्त सड़क निर्माण कार्य को रोक दिया था।

दरअसल रंका रमकंडा पथ चौड़ीकरण के इस मामले में ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में संवेदक की ओर से रमकंडा के बिचला टोला (दोहर पर) से मनमोहर चौक तक सड़क के लिये अधिग्रहित की जा रही जमीन से अतिक्रमण हटाये बिना ही सड़क निर्माण(पीसीसी) किया जा रहा है। ऐसे में सड़क चौड़ीकरण का कोई मतलब नही है। भाजपा नेता ज्ञानरंजन पांडेय, फरेज अंसारी, रामगृह पांडेय, जयप्रकाश यादव, ग्रामीण बदरुद्दीन अंसारी, इमामुद्दीन अंसारी, जाकिर अंसारी, इब्राहिम अंसारी, ऐनुल अंसारी, मैनुद्दीन अंसारी सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पहले संवेदक की ओर से सड़क चौड़ीकरण के लिये अधिग्रहण के लिये कराये गये जमीन की मापी के अनुसार उक्त जमीन से अतिक्रमण हटाया जाय। ग्रामीणों ने कहा कि संवेदक की ओर से अतिक्रमण हटाये बिना ही सड़क निर्माण कर दिए जाने से सड़क की जमीन अतिक्रमित ही रह जायेगी। वहीं लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ेगा।

वादे के अनुरूप पुलिया तोड़कर दोबारा बनाये संवेदक

निर्माण कार्य का विरोध कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया की सड़क निर्माण में गुणवत्तापूर्ण काम नही हो रहा है। कहा कि बिचला टोला दोहर पर बनाये गए पुलिया निर्माण में अनियमितता की पुष्टि करीब चार माह पहले ही हुई थी। जिसका विरोध ग्रामीणों ने किया था। उस दौरान संवेदक ने इसे तोड़कर फिर से बनाने का आश्वशन दिया था। लेकिन करीब चार माह बीत जाने के बाद संवेदक की ओर से इस कम गुणवत्ता वाली पुलिया को तोड़कर फिर से नही बनाया जा रहा है। बल्कि इस ओर ध्यान न देकर इसके आगे सड़क निर्माण की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है की जब सड़क निर्माण पूरा कर लिया जायेगा। तो इसके बाद पुलिया तोड़कर बनाया जाना संदेहास्पद है।

बिल के लिए बगैर अधिग्रहण के सड़क बनाना मकसद: ज्ञानरंजन

भाजपा नेता ज्ञानरंजन पांडेय ने कहा कि इस सड़क निर्माण की अवधि समाप्त हो चुकी है। दो महीने अतिरिक्त समय बीत चुका है। ऐसे में संवेदक को आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस कारण समय अधिक न लगे। इसलिए ठेकेदार आनन फानन में बगैर अधिग्रहण कराये सिर्फ सड़क (पीसीसी) बनाकर अपना बिल निकालने की फिराक में हैं।

तलशबरीयां में जमीनी विवाद में मारपीट, दो लोग घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। मझिआंव थाना क्षेत्र के तलशबरीयां गांव में रविवार को आपसी जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर ईंट-पत्थर से मारपीट हुई, जिसमें दोनों पक्षों के एक-एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में प्रथम पक्ष के ताजुद्दीन खां के 23 वर्षीय पुत्र अबु जैद खां और द्वितीय पक्ष के मेहंदी खां के 40 वर्षीय पुत्र अफजल खां शामिल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पिछले कई वर्षों से जमीनी विवाद चल रहा था, जिसमें ताजुद्दीन खां के हाथ में पहले भी चोट आयी थी। रविवार को पुराने विवादित जमीन पर दीवाल जोड़ने को लेकर फिर से विवाद उत्पन्न हो गया। ताजुद्दीन खां ने पुलिस को बताया कि मेहंदी खां द्वारा दीवाल जोड़ने का काम किया जा रहा था, जिसे मना करने पर मारपीट की गयी और किराना दुकान में तोड़फोड़ की गयी। इसके अलावा, अल्बेस्टर को भी नुकसान पहुंचाया गया और कुछ दुकान का सामान तथा नकदी चोरी करने का आरोप भी लगाया गया।

इस घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन दूसरे पक्ष ने फिर भी दीवाल जोड़ने का काम जारी रखा। थाना प्रभारी आकाश कुमार ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष से आधिकारिक आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी पक्ष को नियमों के खिलाफ काम करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 300 मरीजों की हुई जांच

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना आवश्यक : डॉक्टर पातंजली

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। एकल विद्यालय एवं राधा पार्वती एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को सदर प्रखंड के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय छतरपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्ट के निदेशक डॉक्टर पातंजली केसरी, सियाराम शरण वर्मा और मनीष कुमार गुप्ता सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

उक्त मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए निदेशक डॉक्टर पातंजली केसरी ने कहा कि मानव शरीर प्रकृति की अनमोल देन है। सभी लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। समय-समय पर हम सभी को अपना ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल की जांच कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मधुमेह रोग में मरीज के ब्लड में शुगर लेवल बढ़ने लगता है। पहले यह बीमारी बुजुर्गों में ज्यादातर देखा जाता था। कम उम्र के लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। जीवन शैली में बदलाव और दवा के सेवन से इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

ओबीसी जिला अध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि तनाव और चिंता से हमारे जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ता है। अच्छी नींद और योग को हमें अपने जीवन शैली में शामिल करना चाहिए। मौके पर अब्दुल मन्नान, दामोदर राम, डॉक्टर कुमार आदित्य प्रकाश, ओम प्रकाश चौरसिया, ओमप्रकाश गुप्ता, केसी बिंद, पूनम कुमारी, अवधेश प्रसाद बिंद, प्रमोद दास सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

10 से निःशुल्क मुंह एवं दांत जांच शिविर का होगा आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के कचहरी रोड स्थित वारसी कंपलेक्स में अवस्थित जनता डेंटल क्लीनिक में 10 दिसंबर से निःशुल्क डेंटल कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी जनता डेंटल क्लीनिक के प्रोपराइटर डॉ एमएन खान ने दी। उन्होंने कहा कि 10 दिसंबर से 31 दिसंबर तक निःशुल्क डेंटल कैंप का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण कई लोग अपनी दातों का इलाज नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण लोग दांत की विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। जिसके कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगों की परेशानी को देखते हुए 10 दिसंबर से निःशुल्क डेंटल कैंप का आयोजन किया गया है। ताकि लोगों को दांत की बीमारियों से मुक्ति मिल सके।

भवनाथपुर में सुलेशन सूंघने की आदत से नाबालिग की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड में एक नाबालिग युवक की मौत ने क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 14 वर्षीय युवक सूरज कुमार पिता दिलीप गुप्ता अरसली उत्तरी निवासी को रबर से रबर साटने वाला केमिकल सुलेशन सूंघने की आदत थी। सूंघकर वह नशा किया करता था। जो धीरे-धीरे उसकी जानलेवा लत बन गई। युवक ने रविवार को अधिक मात्रा में शुलेशन सूंघ लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ जाने से, उसे भवनाथपुर सीएचसी मे इलाज के लिए भर्ती कराया गाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक पिछले कुछ महीनों से इस खतरनाक आदत का शिकार था। वह अकेले में सुलेशन सूंघकर नशा करता था। परिवार के लोग उसे इस लत से दूर करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन नशे की गहरी पकड़ से वह बाहर नहीं निकल पाया।

यह घटना इलाके में नशे के बढ़ते प्रचलन की ओर इशारा करती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि बाजारों में आसानी से सुलेशन और अन्य नशीले पदार्थ उपलब्ध हैं, जिससे किशोर वर्ग तेजी से इनकी चपेट में आ रहा है। प्रशासन की ओर से अब तक इस पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये हैं।

इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया है। परिवार गहरे सदमे में है और उन्होंने प्रशासन से नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। समाज को इस समस्या से निपटने के लिए जागरूकता फैलाने और नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना की सख्त जरूरत है, ताकि युवाओं को इस नशे की लत से बंचे।

जानकारी के अनुसार 20दिन पूर्व दिलीप गुप्ता की पत्नी का कैंसर बीमारी से ग्रस्त होने के कारण मृत्यु हो गयी थी। मृतक सूरज घर का इकलौता पुत्र था।

साप्ताहिक सत्संग का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। शनिवार को संध्या समय सत्संग उपासना केंद्र उर्जित्पा नगर उन्टारी में श्री श्री ठाकुर अनुकूल चन्द्र के शिष्यों द्वारा साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, शंख ध्वनि, वंदे पुरुषोत्तमम ध्वनि के साथ किया गया। तत्पश्चात सामूहिक संध्याकालीन प्रार्थना, समवेत नामजप ध्यान, सत्यानुसरण ग्रंथ पाठ, नारीनीति ग्रंथ पाठ किया गया। धृति सुंदर लाल, दीपमाला अंबष्ट, पूजा देवी, माला मां द्वारा भक्ति मूलक भजन प्रस्तुत किया गया। इष्टचर्चा करते हुए याजक राज कुमार दा ने कहा कि आनंद की प्राप्ति के लिए सत्संग अवश्य करना चाहिए, सत्संग से ज्ञान की प्राप्ति होती है। ऋत्विक विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि ईश्वर का नाम का वितरण प्रत्येक सत्संगी को याजन के माध्यम से अवश्य करना चाहिए। प्रत्येक मनुष्य के लिए मनुष्य ही संपत्ति है, इसीलिए मानव को ईश्वर का नाम लेना चाहिए। सत्संग का संचालन कर रहे ऋत्विक धृति सुंदर लाल ने कहा कि सुकर्म से अच्छे फल की प्राप्ति होती है। आगामी 20 दिसंबर को सत्संग आश्रम देवघर से श्री बंशीधर नगर में पूज्यपाद श्री शुभ दा का आगमन होना है, इस विषय पर सत्संग में उपस्थित लोगों के बीच चर्चा किया गया। जय उदघोष के साथ कार्यक्रम का विश्राम किया गया। सत्संग में गोविंद दा, शक्ति दास सिन्हा, अजय दा, संजय दा, धृतिदीप, आदित्य, पप्पू जायसवाल, आशीष दा, रामा देवी, अनिता देवी, गीता देवी, कलावती देवी, मालती मां, सतवंती देवी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

टेंपो पलटने से मजदूर की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

बेहोश पड़ी मृतक की पत्नी और रोते विखलते परिजन।

मझिआंव। मझिआंव बिशुनपुरा मुख्य पथ पर रविवार को रात्रि सात बजे मुखदेव उच्च विद्यालय के समीप जैनेंद्र चौहान के घर के सामने सड़क निर्माण कंपनी ओम नमः शिवाय द्वारा आधे सड़क पर हाइवा से गिराये गये मोरम में फंसकर 14 मजदूरों से भरी टेम्पू पलट गयी। जिसमे दबकर चंद्रपुरा गांव निवासी रूपन रजवार के पुत्र उमेश रजवार 30 वर्ष की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। संयोगवश घटना के समय गस्त करते हुए गुजर रही पुलिस ने दौड़कर टेम्पू को उठाया। देखा कि एक व्यक्ति घायल पड़ा है इसी बीच उक्त मजदूरों को दूसरे राज्य में मजदूरी के लिए ले जा रहा ठीकेदार पहुंच गया और उसे उठाकर गढ़वा सदर अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने शव का अंत्यपरीक्षण करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद मजदूर उमेश रजवार के घर में जैसे ही सूचना मिली कि टेंपो से दबाकर उमेश की मौत हो गयी है। उसकी मां शांति देवी तथा पत्नी देवंती देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इस दौरान मृतक की पत्नी कई बार रोते-रोते बेहोश भी हो गयी। इधर इस संबंध में घटना के समय उपस्थित प्रत्यक्षदर्शी साथ में जा रहे मजदूर चुटाई उरांव ने बताया कि वे लोग चंद्रपुरा गांव के रियाजुदीन खान के टेम्पू से अरविंद उरांव, राजा चौधरी,पंकज उरांव, सुनील उरांव, मदन उरांव, संतोष चौधरी सहित तेरह लोगों के साथ मजदूरी करने के लिए जामनगर जा रहे थे। इधर घटनास्थल पर उपस्थित जैनेंद्र चौहान एवं पृथ्वी चौहान ने बताया कि शुक्रवार को ओम नमः शिवाय कंपनी द्वारा हाईवे से मोरम किराया गया था इसके बाद दो दिन उसकी फीलिंग नहीं की गई और जब घटना हो गया तो आज सुबह 8:00 बजे जेसीबी से उसकी फिलिंग कराई गई अगर शुक्रवार को ही उसकी फीलिंग हो जाती तो मजदूर की मौत नहीं होती।

दानरो नदी किनारे होगा 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले में कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी के सचिव विकास कुमार माली ने आगामी 1 मार्च 2025 को दानरो नदी के तट पर 251 कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन करने की घोषणा की है। यह विवाह हिंदू और मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न होगा। हिंदू कन्याओं का विवाह पारंपरिक संस्कारों से और मुस्लिम कन्याओं का विवाह इस्लामी विधि-विधान के तहत कराया जायेगा।

विकास कुमार माली ने बताया कि उनकी संस्था अब तक 14,000 से अधिक असहाय, गरीब और अनाथ कन्याओं का विवाह करवा चुकी है। यह कार्य झारखंड, बिहार और अन्य राज्यों में किया गया है। उनका उद्देश्य उन परिवारों की मदद करना है जो दहेज प्रथा और गरीबी के कारण बेटियों की शादी करने में असमर्थ हैं। संस्था केवल विवाह करवाने तक सीमित नहीं है। यह दहेज प्रथा, बाल विवाह और भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और गरीब बहनों को शिक्षा व आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने का कार्य भी करती हैं। पिछले वर्ष, संस्था ने 151 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया था, जो पूरी तरह सफल रहा।

अनर्गल बयानबाजी की बजाय जिम्मेवारियों पर ध्यान दें विधायक : झामुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी को जनता की ज़िम्मेदारियों पर खरा उतरने का नसीहत दिया है। झामुमो ने कहा है कि विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी अभी भी चुनावी मोड से बाहर नहीं आ पाये हैं जबकि उन्हें ज्ञात होना चाहिए की वह अब इस क्षेत्र के विधायक है। अतः दूसरों पर अनर्गल बयानबाजी एवं जनता के बीच झूठ-फरेब परोसने की बजाय उन्हें अब क्षेत्र की समस्याओं एवं जनता की जिम्मेदारी पर ध्यान देना चाहिए। जनता ने उन्हें पुनः इसलिए मौका दिया है ताकि क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं पर काम हो न की उनके द्वारा पूर्व के जनप्रतिनिधियों एवं उनके रिश्तेदारों पर लांछन लगाकर अपनी ज़िम्मेदारियों से मुँह मोड़ लें। अफवाह फैलाकर, षड्यंत्र रचकर एवं झूठ-फरेब कर विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी जनता को गुमराह कर विधायक बनने में तो सफल रहे परंतु जनता की आकांक्षाओं एवं जरूरत को पूरा करने में वह पूरी तरह से असफल साबित होंगे। नेताओं ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को रोककर संवेदकों को अपने पास मिलने के लिए बुलाया जा रहा है जबकि काम में किसी तरह की त्रुटि होने पर वह अपने लेटर पैड के माध्यम से उसकी जांच कर सकते हैं। उनका मकसद सिर्फ संवेदक से कमीशन वसूली और अपना जेब भरने का है। झामुमो नेताओं ने कहा कि बालू के मुद्दे पर भी सत्येंद्र नाथ तिवारी ने विपक्ष में रहते हुए दोहरा नीति अपनाया हुआ था, जब ट्रैक्टर वाले बालू की सप्लाई जनता के बीच शुरू करते तो तत्कालीन विपक्ष में बैठे हुए सत्येंद्र नाथ तिवारी बालू आपूर्ति रोकने के लिए प्रेसवार्ता आयोजित कर प्रशासन पर दबाव बनाया करते थे। जिससे दबाव में आकर प्रशासन ट्रैक्टरों को रोक देता था या धरना-पकड़ना शुरू कर देता था। इस तरह जब बालू आपूर्ति रुक जाती थी तो पुनः वह जनता के बीच हल्ला करते की मिथिलेश ठाकुर के कार्यकाल में बालू नहीं मिल रहा है। ऐसे दोहरे चरित्र के व्यक्ति से गढ़वा की जनता हमेशा परेशान रहेगी।

प्रेसवार्ता में जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय सिंह छोटू, रोशन पाठक, प्रवक्ता कार्तिक पांडेय, आशीष गुप्ता, अनिल चंद्रवंशी आदि मौजूद थे।

'कॉफी विद एसडीएम' प्रशासनिक निर्णयों में जनसहभागिता बढ़ाने के लिए अनोखी पहल

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। प्रशासनिक निर्णयन में सामाजिक सहभागिता बढ़ाने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर संजय कुमार द्वारा एक शुरूआत की जा रही है। 'कॉफी विद एसडीएम' नाम से एक साप्ताहिक कार्यक्रम उन्होंने अपने कार्यालय कक्ष में रखने की योजना बनायी है, जिसमें हर सप्ताह किसी समूह के सदस्यों को अपने यहां कॉफी पर ससम्मान आमंत्रित करेंगे तथा उस समूह से जुड़ी हुई समस्याओं, शिकायतों के अलावा प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में उनसे सुझाव भी लिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि अपने शहर व जिला को हर दृष्टिकोण से बेहतर बनाने के लिए नागरिकों में यह अहसास कराना भी जरूरी होता है कि यह गांव, शहर, जिला उनका अपना घर है और इस घर के प्रशासनिक निर्णयों में उनकी भी भागीदारी है। जब लोगों में यह अपना सा अहसास होगा तो हर कोई खुद से शुरूआत कर गांव, शहर और जिले को बेहतरीन बनाने को आगे आयेगा। उन्होंने कहा कि लोग अभी भी उनके पास आते हैं परंतु अक्सर संकोच करते हुए अपनी बात कहते हैं। झिझक में पूरी तरह खुल कर नहीं बोल पाते। कई बार शिकायत करते हुए बायस्ड भी हो जाते हैं। इसलिए नागरिकों से अनौपचारिक मुलाकात हेतु 'कॉफी विद एसडीएम' शुरू किया गया है।

कार्यक्रम में किन लोगों को आमंत्रित किया जायेगा?

संजय कुमार ने बताया कि उक्त साप्ताहिक कार्यक्रम में हर सप्ताह समाज के अलग-अलग समूह जैसे कभी पेंशनर समाज के लोगों को, कभी व्यवसायियों को, कभी छात्रों को, कभी किसानों को, कभी असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को तो कभी पंचायत प्रतिनिधियों आदि किसी अन्य समूह को इस साप्ताहिक कार्यक्रम में आमंत्रित किया जायेगा।

कॉफी के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान गढ़वा क्षेत्र की बेहतरी के लिए कुछ बेहतर सुझाव भी सामने निकल कर आएंगे जो यहां के सर्वांगीण विकास और समरसता को नई दिशा दे सकते हैं।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 09 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in
08

सड़क निर्माण में धांधली, ग्रामीणों की शिकायत पर भी विभाग मौन

आजाद सिपाही संवाददाता

बारियातू। पथ निर्माण विभाग द्वारा हेरहंज से लाटू फुलसु होते हुए बारियातू तक बन रही सड़क चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का मामला उजागर हुआ है। ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का कार्य लगभग 72 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसकी कुल लंबाई 23.5 किलोमीटर है। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक दिनेश चंद्र अग्रवाल ने नियमों की अनदेखी करते हुए गुणवत्ता से समझौता किया है। पुराने कालीकरण सड़क को उखाड़ कर उससे निकले मलबे को डस्ट के साथ मिलाकर निर्माण कार्य में उपयोग किया जा रहा है, जबकि निर्माण में जेएसपी (जगह-जगह स्टोन पिचिंग) का इस्तेमाल किया जाना था। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि निर्माण में बोल्डर की मात्रा बहुत कम है। इसके अलावा, बिना पानी पटाए ही रोलर चलाकर सड़क मजबूतीकरण का कार्य किया जा रहा है। यह सब विभाग के अधिकारीयों के अनदेखा का फायदा उठा कर किया जा रहा है। आगे कहा कि संवेदक नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है।

इसका सीधा असर सड़क की गुणवत्ता पर पड़े रहा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त और संबंधित विभाग से अपील की है कि सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य की गहन से जांच कराई जाए। साथ ही प्राकलन के अनुसार चौड़ीकरण निर्माण कार्य कराया जाए और दोषी संवेदक पर सख्त कार्रवाई हो। ग्रामीणों का कहना है कि अगर निर्माण में अनियमितताओं को अनदेखा किया गया तो यह सरकारी धन और जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है।

ओम प्रकाश सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की निंदा की

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य तथा वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार पर कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों की भूमिका की कड़े शब्दों में भत्सर्ना की है। उन्होंने कहा है कि बंगलादेश में हिंदुओं के ऊपर अत्याचार की प्रकाष्ठा हो रही है। हिंदुओं के सभी मंदिर तथा धार्मिक सथलों को ध्वस्त कर उनकी संपत्तियों पर भी जबरन कब्जा किया जा रहा है। इस घटना पर विपक्षी दल को वोट बैंक की चिंता हो रही है। वह मुक्त दर्शक की तरह इस अत्याचार को देख रहे हैं। देश के सनातन समाज इसे गंभीरता से देख रही है। इंग्लैंड,अमेरिका सहित विश्व अनेक देश के प्रमुख नेताओं ने बांग्लादेश में हो रहे इस तरह की घटनाओं की घोर निंदा के साथ बांग्लादेश को चेता रहे हैं पर वहां हिंदू विरोधी विध्वंसक कार्रवाई रुक नहीं रही है। संपूर्ण देश में इन घटनाओ का प्रबल विरोध व्यापक रूप से हो रहा है। केंद्र की सरकार भी इस मुद्दे को लेकर हर स्तर पर बांग्लादेश पर नजर बनाए रख रही है। आम सनातनी केंद्र सरकार से इस ज्वलंत मुद्दे पर और कड़े से कड़े तथा गंभीर निर्णय लेने का आग्रह कर रही है।

सामाजिक संगठन के लोगों ने विधायक को जीत की बधाई दी

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। विधानसभा के विशेष सत्र शुरू होने के पूर्व रविवार को विधायक रामचंद्र सिंह नें अपने पैतृक घर मंगरा में मौजूद रहें। विधायक की जीत और सरकार गठन के बाद मिलने आने वाले शुभचिंतको का सुबह से ताता लगा रहा। इस दौरान विभिन्न शिक्षक संघ, सामाजिक सगठन के लोगों नें मुलाकात कर विधायक को जीत की बधाई दी। विधायक नें मुलाकात के दौरान सभी लोगों का आभार वक्त करते हुए क्षेत्र के विकास करने का सभी के सहयोग से भरोसा दिलाया। विधायक रामचंद्र सिंह नें विधानसभा सत्र के बाद बरवाडीह मे होने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के द्वारा आयोजित किये जाने वाले विजय जुलुस को स्थगित करने का आदेश बाजार मे हुई चोरी की भीषण घटना को देखते हुए दिया। विधायक नें कहा कि क्षेत्र के हर परिवार के सुख दुख मे हम उनके साथ मे है और बाजार मे चोरी की घटना के पीड़ित परिवार के साथ हूं। मामले को लेकर उच्च स्तरीय जांच करने और जल्द से जल्द पुरे मामले का खुलासा करने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान मौके पर रंजन सिंह, शेखफिरोज, कजमी अनवर, संतोष चंद्रा, विद्या भूषण, मिस्टर, बलराम सिंह समेत काफी सख्या में लोग मौजूद थे।

जिले में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा राजकमल मिश्रा ने मार्गदर्शन में 8 दिसंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सदर प्रखंड परिसर स्थित नए टाउन हॉल में मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर का शुभारंभ प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री सुभाष, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, एसडीओ अमित कुमार, प्रभारी डालसा सचिव अर्चना कुमारी और सदर प्रखण्ड बीडीओ गौरी शंकर ने दीप प्रज्वलित कर किया। सभी अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय ने कहा कि सशक्तिकरण का अर्थ है कि सरकार के द्वारा लोगों के लिए चलाई योजनाओं का लाभ लोगों को मिल जाए। सरकार जो योजना चलाती है उसका मुख्य उद्देश्य होता है उस योजना का लाभ लाभुकों को मिले। ताकि वे अपने पैरों में खड़े होकर अपना कार्य कर अपनी आजीविका चला सकें। उन्होंनें यह भी कहा कि यदि किसी को कानूनी संबंधी जानकारी चाहिए वे डालसा कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते है। जहां उन्हें कानून संबंधित उचित सलाह दी जाएगी। वहीं उन्होंने 14 दिसंबर को व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी लोग लोक सेवा के लिए निरंतर लगे हुए है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की समस्या होने पर बिना डर और घबराहट के स्थानीय थाना जाएं। वहीं कई टॉल फ्री नंबर जारी किए गए हैं उसमें बात करें। यदि जाने में असमर्थ हैं तो ऑनलाइन या फोन में माध्यम से शिकायत करें। समस्या का समाधान किया जायेगा। वहीं प्रभारी डालसा सचिव अर्चना कुमारी ने कहा कि जानकारी के आभाव में लाभुक योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते है। वहीं उन्होंने कहा कि शिविर में दी गई विधिक जानकारी को अपने तक सीमित नहीं रखें। अपने क्षेत्र के लोगों को इसके बारे में बताए। वहीं लगभग 350 लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं के साथ परिसंपति का वितरण किया गया, जिसमें महिला समूह के बीच 4 करोड़ 44 लाख रुपए की परिसंपति का वितरण किया गया। साथ ही मनरेगा अंतर्गत 9 लाभुकों के बीच गाय/सुकर शेड निर्माण के लिए 11,16,024 रुपये, मनरेगा अंतर्गत 6 लोगों को नया जॉब कार्ड, अबुआ आवास योजना अंतर्गत 5 लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 5 लाभुकों का गृह प्रवेश, बीज का वितरण, जन्म प्रमाण पत्र, सावित्री बाई फुले समृद्धि योजना सहित अन्य योजनाओं का वितरण किया गया। वहीं जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी शिविर का आयोजन किया गया। जिसके किस्को प्रखण्ड में डिप्युटी चीफ एलएडीसीएस नारायण साहू, सहायक एलएडीसीएस सुदामा साहू, कुडू प्रखण्ड में अधिवक्ता सह मध्यस्त प्रवीण भारती और मध्यस्त युगल किशोर, सेन्हा प्रखण्ड में डिप्युटी चीफ एलएडीसीएस उमेश साहू, भंडरा प्रखण्ड में सहायक एलएडीसीएस इंद्राणी कुजूर, पेशरार प्रखण्ड में अधिवक्ता सह मध्यस्थ लाल धर्मेंद्र देव और कैरो प्रखण्ड में एलएडीसीएस चीफ नसीम अंसारी और सहायक एलएडीसीएस भूपेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

वहीं किस्को प्रखण्ड में 1368 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 35 लाख रुपए की परिसंपति, सेन्हा प्रखण्ड में 51 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 3,29,000 रुपए की परिसंपति, कैरो प्रखण्ड में 179 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 13,48,500 रुपए की परिसंपति, कुडू प्रखण्ड में 169591 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 31,11,60,816 रुपए की परिसंपति, भंडरा प्रखण्ड में 62 लाभुकों में विभिन्न योजनाओं के साथ 34,76,204 रुपये की परिसंपति का वितरण किया गया। मौके पर निलेश तिर्की, स्वाति नम्रता एक्का, पीएलवी नेम्हंति मिंज, गौतम लेनिन, दुखिता मिंज, रोहित कुमार, छाया देवी, रवि कुमार, देवमनी कुमारी, अमित दुबे, सदर प्रखण्ड के कर्मी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हेरहंज में हाइवा ने बाइक को मारी टक्कर दो घायल, रिम्स रेफर

आजाद सिपाही संवाददाता

हेरहंज। बालूमाथ-हेरहंज-पांकी एसएच-10 मुख्य पथ पर हुम्बू पिकेट के समीप एक अज्ञात हाइवा वाहन बाइक सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक में सवार दोनों व्यक्ति बाइक से गिर गया। गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों की पहचान एक मंतोष लोहरा पिता सूर्यदेव लोहरा ग्राम मंगरा डीहीमुरुप (सिमरिया) और दूसरा अरविंद साव का पुत्र अभिषेक साव हेरहंज के रूप में की गयी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बताया गया कि बाइक में दो युवक सवार होकर बालूमाथ की ओर से आ रहे थे कि पीछे से आ रही खलिया हाइवा वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही दोनों गिर गए। गिरने के बाद दोनों युवक खून से लथपथ हो गया। ग्रामीणों की मदद से दोनों घायल युवक को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज के लिए दोनों युवक को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। हालांकि हुम्बू ग्राम के ग्रामीणों ने बताया कि बाइक सवार को टक्कर मारकर हाइवा मौके से फरार हो गया। लेकिन किसी व्यक्ति के द्वारा उस हाइवा वाहन का रजिस्ट्रेशन नम्बर दर्ज कर लिया है। हुम्बू ग्राम के ग्रामीण व राहगीरों ने बताया कि हाइवा वाहन डीवीसी कम्पनी द्वारा संचालित लातेहार के तुबेद कोलमाइन्स से बालूमाथ कोल साइडिंग कुशमाहि से कोयला अनलोड कर वापस तुबेद जा रहा था। इसी क्रम में तेज गति से आ रही हाइवा वाहन का चालक ने बाइक सवार को अपने चपेट में ले लिया। भाजपा नेता हेरहंज निवासी रंजीत जायसवाल ने बताया कि बाइक सवार मेरे काम से बारहमोरिया गया था। की वापस हेरहंज लौटने के क्रम में पीछे से हाइवा वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक घायल हो गया है। घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने रांची रिम्स रेफर कर दिया। डीवीसी कम्पनी द्वारा संचालित लातेहार के तुबेद कोलमाइन्स से चल रहे हाइवा वाहनों की तेज गति से लगातार बाइक सवारों को अपने चपेट में लिए जाने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है।

ट्रक और कार की टक्कर में दो घायल

मनिका(आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय मार्ग 39 पर नदबेलवा मोड़ के समीप रविवार को लगभग 6:30 बजे ट्रक और कर में आमने-सामने की हुई टक्कर में दो लोग घायल। मिली जानकारी के अनुसार पलामू के बिजली विभाग के एसडीओ का बताया जा रहा है, जिसमें बिजली विभाग के एसडीओ भी कार में सवार थे। एसडीओ गंभीर रूप से घायल हो गए उनका सर में चोट आया है। घटना की जानकारी मिलते ही मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार ने एएसआइ मनोज कुमार दुबे समेत पुलिस बल घटना स्थल पर भेजा जहां पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए 108 एंबुलेंस के माध्यम से मनिका प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए लाया गया। जहां डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

कोल्हान की खबरें

ओड़िशा के सिमलीपाल से गुड़ाबांधा वन क्षेत्र में पहुंची बाघिन, अलर्ट जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। ओड़िशा के सिमलीपाल वन क्षेत्र से एक मादा बाघ भागकर गुड़ाबांदा वन क्षेत्र में आ गयी है। बाघिन के आने की खबर से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वन विभाग के मुताबिक एक मादा बाघ बालिजुड़ी पंचायत के लाड़काबासा-पांड्रापाथर क्षेत्र में ट्रैक किया गया है। कुछ समय से जीपीएस सिस्टम से कनेक्ट नहीं हो रहा है। क्षेत्र के ग्रामीणों को सावधान किया गया है। जंगल के आसपास रास्ते से आवागमन नहीं करने की हिदायत दी गयी है। वन विभाग के कर्मी अभिलाष महतो ने बताया कि महाराष्ट्र से लाकर ओड़िशा के सिमलीपाल में कुछ बाघों को छोड़ा गया है, जिसमें दो बाघ सिमलीपाल से दूर चले गए हैं। एक मादा बाघ को झारखंड के गुड़ाबांदा वन क्षेत्र के पांड्रापाथर और लाड़काबासा आसपास ट्रैक किया गया है। बाघिन के गले में जीपीएस ट्रैकर कॉलर लगाया गया है, जिसकी मदद से उसके मूवमेंट की जानकारी ली जा रही है। ओड़िशा और झारखंड वन विभाग के कर्मचारी इसपर नजर बनाए हुए हैं।

आल इंडिया पायाम -ए -इस्लामियत फोरम ने जरूरतमंदों को दिये गर्म कपड़े

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। आल इंडिया पयाम-ए-इंसानियत फोरम हल्नेदीपोखर शाखा द्वारा ठंड से बचाव हेतु उनी वस्त्र का वितरण जरुरतमंदों के बीच किया। मुख्य अतिथि कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान ने वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर उन्होंने कहा कि यह संस्था मानव प्रेम और आपसी सदभावना को बढ़ावा देने का अच्छा काम कर रही है। संस्था का उद्देश्य मानवता के बीच एक एकता को मजबूत बनाएं रखना है। इस अवसर पर पूर्व मुखिया सैयद जबीउल्लाह, समाजसेवी सोमेन मंडल,उप मुखिया ओमप्रकाश गुप्ता और शाहिद परवेज, कोर्डिनेटर मौलाना जाहिद हुसैन नदवी, हाजी असगर अली अंसारी, आफताब अंसारी, सहित अनेक ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

कुणाल षाड़ंगी की पहल पर ब्रह्मानंद अस्पताल ने माफ किया 27 हजार का बिल

घाटशिला(आजाद सिपाही)। ब्रह्मानंद अस्पताल ने जमशेदपुर के कीताडीह निवासी शांति देवी के माफ किए 27000/- रु का चिकित्सा शुल्क। कीताडीह निवासी शांति देवी जिनकी ब्रह्मानंद अस्पताल में ईलाज के दौरान निधन हो गया था। उनके परिजनों द्वारा अस्पताल का चिकित्सा शुल्क का 27000/- रुपए शेष राशि भुगतान करने में असमर्थ थे। उनके परिजनों ने कुणाल षाड़ंगी को जानकारी दी और अविलंब इस पर हस्तक्षेप का आग्रह किया। उन्होंने परिवार की वित्तीय स्थिति पर संवेदनशीलता दिखाते हुए अस्पताल प्रबंधन से सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आग्रह किया। अस्पताल प्रबंधन ने बाकी बचे 27000/= रुपये का शेष बिल माफ कर दिया। एवं उनका पार्थिव शरीर को परिजनों को सुपुर्द करवाए। परिजनों ने अपने इस संकट की घड़ी में साथ देने के लिए पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी के प्रति आभार जताया ।

सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता : प्राचार्य

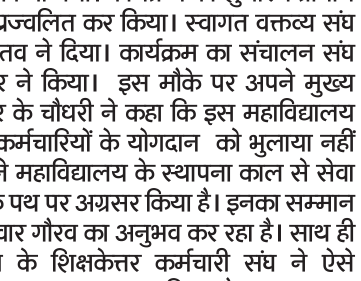

घाटशिला (आजाद सिपाही)। घाटशिला कॉलेज के शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ द्वारा कॉलेज परिसर में रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मार्च 2016 के बाद सेवानिवृत्त हुए 41 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत वक्तव्य संघ के अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव ने दिया। कार्यक्रम का संचालन संघ के सचिव आकाश कुमार ने किया। इस मौके पर अपने मुख्य संबोधन में प्राचार्य डा आर के चौधरी ने कहा कि इस महाविद्यालय के विकास में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इन लोगों ने महाविद्यालय के स्थापना काल से सेवा देकर कॉलेज को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। इनका सम्मान होने से महाविद्यालय परिवार गौरव का अनुभव कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि कॉलेज के शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ ने ऐसे आयोजन कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त तृतीय वर्गीय कर्मचारियों में विश्वजीत बोस, बीके मजूमदार, रामचंद्र मंडल, उपेन्द्र प्रसाद सिंह, ज्ञानती बोस, पन्नालाल झा, बीबी राय, बसंत कुमार सिंह, अमरीश दाश, पोमा मुर्मू, चंदना मुखर्जी, मनिंदर माडी एवं एल के मिश्रा। चतुर्थ वर्गीय सेवानिवृत्त कर्मचारियों में मदन मंडल, श्याम देव शर्मा, ज्ञानती नमाता, भेलू राम सोरेन, देव कुमार दास, अनिल कुमार सिन्हा, यदुनंदन दास, स्वर्गीय प्रेमचंद की पत्नी, देवरा मुंडा, छोटेलाल सोरेन, जोबा हांसदा, स्वर्गीय तानू कालिंदी की पत्नी, हीरालाल महतो, गुनाधर सिंह, आदित्य कुमार सीट, शुभ नाथ झा, परेश दास, भैरव पांडे, नंदकिशोर बाल्मीकि, कन्हाई लाल शाव, स्वर्गीय बंकिम चंद्र नमाता की पत्नी, स्वपन विश्वास, दालगोविंद मुर्मू को प्राचार्य डॉ आर के चौधरी के हाथों सम्मानित किया गया।

कार्यकर्ता परिवार के सदस्य,वे कल भी महत्वपूर्ण थे और आज भी प्रिय हैं: डॉ अजय कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ अजय कुमार ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का हौसला अफजाई किया। उन्होंने कहा कि मुझे चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं से कोई शिकायत नहीं है। चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं ने, जिस तरह कर्मठता और समर्पण भावना से कार्य किया उसके लिए आभारी है। डॉ अजय ने कहा कि चुनाव में हार या फिर जीत होना तय है। अपनी हार के लिए अपने कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेवार नहीं मानते। बल्कि मेरे कार्यकर्ता मेरा अभिमान है। उनके सम्मान के साथ समझौता मुझे मंजूर नहीं। वो मेरे लिए कल जितने महत्वपूर्ण थे आज भी उतने ही प्रिय है। बल्कि इन्ही कार्यकर्ताओं के भरोसे चुनाव लड़ने की हिम्मत जुटा पाया। बिना किसी लाग लपेट के डट पर चुनाव लड़ा। जमशेदपुर की लगभग 65 हजार जनता ने समर्थन दिया। यह एक बड़ी बात है। जनता का निर्णय सहर्ष स्वीकार है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही मालिक होती है। जमशेदपुर दिल की धड़कनों में बसा है। अलग होने की बात सोच नहीं सकते। डॉ अजय कुमार ने कहा कि बहुत जल्द कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का व्यक्तिगत आभार व्यक्त के लिए सभा का आयोजन होगा। साथ ही आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जायेगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हिंदू संगठनों ने फूंका पुतला

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही अत्याचार और धार्मिक स्थलों पर तोड़फोड़ के खिलाफ हिंदू संगठनों ने चार तरफा विरोध शुरू कर दी है। रविवार को भारत सनातन समिति के बैनर तले विभिन्न हिंदू संगठनों ने केबल कंपनी के समीप से गोलमुरी गोलचक्कर तक आक्रोश रैली निकाली। आक्रोश रैली में शहर के सैकड़ो युवा, महिलाएं और पुरुष हाथ में बांग्लादेश के मिला तख्ती में सोलोगन लिखकर विरोध दर्ज करया। मौके पर गोलमुरी मुख्य सड़क पर पुतला दहन कर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और विदेश मंत्री से बांग्लादेश के खिलाफ कार्रवाई करने और हिंदुओं की रक्षा के लिए आग्रह किया। मौके पर शिव शंकर सिंह ने बताया अब बांग्लादेश बातचीत या राजनीति का समय खत्म हो चुका है। काफी दिनों से बांग्लादेश में हिंदु महिलाओं के साथ दुष्कर्म हत्या जैसी जिन्होंने हरकत हो रही है। भारत देश को इसके लिए आवाज उठानी होगी। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री से बांग्लादेश के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। शिव शंकर सिंह ने कहा हम बांग्लादेश तो जा नहीं सकते, लेकिन अपने हिंदू भाइयों के लिए देश से ही सुरक्षा की मांग करते हैं। उन्होंने कहा देश के सभी हिंदू संगठनों को एकजुट होने व बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए देश के प्रधानमंत्री से आग्रह करने की अपील की। वैसे बांग्लादेश में हो रही अत्याचार और धार्मिक स्थलों पर किए जा रहे हैं तोड़फोड़ के विरोध में देश की जनता का आक्रोश व्याप्त हैं। प्रतिदिन किसी न किसी हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री से हिंदुओं की रक्षा के लिए आग्रह कर रही है। सभी हिंदू संगठन बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला फूंक कर अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे है। वही महिलाओं ने बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अभिलंब इस अत्याचार पर रोक लगाया जाये। अब समय आ गया है आग्रह नहीं आर पार की लड़ाई लड़नी है।

सरना कोड प्राप्त करना आदिवासियों का मौलिक अधिकार: चमरा लिंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के रन्हे मिनी स्टेडियम में रविवार को अभिनंदन समारोह सह आभार यात्रा में एसटी एससी ओबीसी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा पहुंचे। जहां सैकड़ो की संख्या में मौजूद कार्यकर्ता लोगों का आभार व्यक्त किया। बुक व गुलदस्ता देखकर स्वागत किया। चिल्ड्रेन एजुकेशन एकेडमी प्लस टू स्कूल के द्वारा नृत्य व गान कर स्वागत किया गया। इस दौरान चमरा लिंडा ने बिशुनपुर की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि एसटी एससी व ओबीसी समाज के स्वाभिमान को बढ़ाने के लिए कार्य किया जायेगा। सरना कोड प्राप्त करना हम आदिवासियों का फंडामेंटल राइट है, अब हम सरना कोड लेकर रहेंगे। बिशुनपुर को चयन करके सीएम हेमंत सोरेन ने स्पेशल जिम्मेवारी दी है जिसे हम पूरे झारखंड में एसटी, एससी, ओबीसी वर्ग के लिए विकास की गाथा लिखेंगे। आदिवासी का लाभ लेने के लिए जो आदिवासी बहनों से शादी करते है इस पर भी कानून बनेगा। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा दिल्ली में घर बनायेंगे और वहां हमारे क्षेत्र से बच्चे जाएंगे और रहकर यूपीएससी की तैयारी कर आइएएस व आइपीएस बनकर ही घर लौटेंगे। साथ ही उन्होंने उपस्थित महिलाओं से आग्रह करते हुए कहा है कि घरों में शराब बनाना बंद करें शराब हमारे विकास का बाधक है। मंइया सम्मान योजना के तहत 2500 मिलेंगे अब आप अपने बच्चों को डीएवी और डीपीएस जैसे बड़े विद्यालयों में भेज कर पढ़ सकते है। शिवराम कश्यप ने कहा मैं आप सभी के सामने यह वादा करता हूं आपने जो विधायक चुन कर दिया है वह झारखंड के 80 विधायकों पर सबसे भारी पड़ेगा। आपका परिश्रम को नमन करते हैं आपका परिश्रम को देखते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आपके विधायक को पूरे झारखंड की जिम्मेवारी दी है। साथ ही उन्होंने कहा शरीर के अंतिम रक्त तक हम आपके साथ रहेंगे।

मंत्री को दिया गया ज्ञापन

अभिनंदन सह आभार यात्रा में पहुंचे कल्याण मंत्री चमरा लिंडा से स्वयंसेवकों, सहियाओं वह निजी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

इनकी रही मौजूदगी

इस मौके पर मुख्य रूप से अशोक उरांव, शिवराम कश्यप, ललिता लिंडा, सतवंती देवी, संजीव उरांव, कृष्णा लोहरा, विजय साहू, लाल उरांव, विनोद उरांव, संजय उरांव, कामाख्या भगत, बलिराम लाल, सत्येंद्र उरांव, चंद्रदेव उरांव, देवेंद्र उरांव, शीला कुजूर सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

हाथियों के झुंड ने चार घरों को तोड़ा

बसिया (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के पंथा पंचायत अंतर्गत लोटवा गांव में 6 की संख्या में आये हाथियों के झुंड ने शनिवार रात्रि को चार घरों को ध्वस्त कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 हाथियों का झुंड अनुमंडल मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित लोटवा क्षेत्र में डेरा जमाये हुए है और फसल और घरों को नुकसान पहुंचा रहे है। शनिवार रात को हाथियों ने लोटवा निवासी देवंती देवी, रामलाल सिंह, दुलमनी देवी, बेनेदिक्त केरकेट्टा को ध्वस्त करके घर मे रखे अनाज को चट कर गये। इस संबंध में पूछे जाने पर बसिया के वनरक्षी लिबनुस ने कहा कि हाथी की तीन दल विभिन्न क्षेत्रों में है जो कामडारा रनिया बॉर्डर पर किसनी जंगल, हांजरा ओर लोटवा में है। स्थानीय लोगो को विभाग द्वारा ट्रॉच वगैरह का वितरण किया गया है और विभाग नजर बनाये हुए हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से लोगो को सावधान करने का कार्य किया जा रहा है। हाथियों के क्षेत्र में होने की सूचना कर उपरांत राजेग गोप, बैजू गोप, किशुन सिंह, रोशन केरकेट्टा, वार्ड सदस्य अमृत बिलुंग, सनातन होरो समेत अनेक ग्राम रतजगा कर हाथियों पर नजर बनाये हुए है।

घाघरा मुख्य पथ पर ज्वेलरी दुकान से लाखों की चोरी, पुलिस गश्ती पर उठ रहे सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर बैंक ऑफ इंडिया के बगल में मुख्य पथ से अज्ञात चोरों ने ज्वेलर्स दुकान का शटर उखाड़कर लाखों का जेवरात और नकदी लेकर चलते बन गये हैं। घटना की जानकारी सुबह मोर्निंग वाक में आने जाने वाले लोगों ने दुकान के मालिक जितेन्द्र सोनी को दिया। जिसके बाद जितेंद्र के द्वारा घाघरा थाना को सूचना दिया गया। सूचना के बाद एसडीपीओ सुरेश प्रसाद व थाना प्रभारी तरुण कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे जहां पर सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू किया। इधर पुलिस के द्वारा दुकान के संचालक जितेंद्र सोनी के आवेदन पर घाघरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। घटना के संबंध में जगदंबा ज्वेलर्स के मालिक जितेंद्र सोनी ने बताया कि हर दिन के भांति दुकान बंद कर-के शाम को वे घर चले गये थे। अचानक ही मॉर्निंग वाक में घूम रहे लोगों के द्वारा उन्हें बताया गया कि उनके दुकान में चोरी हुई है। दुकान में आकर देखा तो शटर उखाड़ दिया गया था और दुकान में सारे सामान तितर बितर पड़े हुए थे। जितेंद्र ने बताया कि लगभग 5 लाख रुपया का सामान चोरों के द्वारा ले जाया गया है। एसडीपीओ सुरेश प्रसाद से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अज्ञात चोरों के द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है जल्द ही सभी अपराध कर में पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

पुलिस गश्ती पर सवालिया निशान

घाघरा के रिहाइशी जगह पर अगर मुख्य पद से दीवार तोड़ के शटर निकाल कर चोरी कर ली जाती है तो निश्चित रूप से पुलिसिया गतिविधि पर सवालिया निशान खड़ा होता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस रात्रि गश्ती के दरमियान कोने में गाड़ी लगाकर आराम करते हैं। पुलिस की गतिविधि सड़कों पर नहीं होती है। जिसका फायदा चोरों के द्वारा उठाया जाता है। समय से पहले पुलिस गश्ती वापस थाना पहुंच जाती है।

बेखौफ अपराधियों ने एक घंटा तक दिया घटना को अंजाम

पुलिस जांच में सीसीटीवी जब खंगाला गया तो देखा गया की 6 बेखौफ अपराधी इस घटना को अंजाम दे रहे हैं।सुबह 3:30 बजे से ही घटना को अंजाम देना शुरू किया गया और लगभग 4:30 बजे तक समान की चोरी हुई। सुबह-सुबह जिस तरह से घटना को अंजाम दिया गया है, निश्चित रूप से घटना डरने जैसा माहौल इलाके में उत्पन्न हो गयी है।

150 क्विंटल धान जलकर राख

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। थाना क्षेत्र के सकिया में सुबह लगभग 7 बजे स्थानीय किसान अमरूस एक्का के खलिहान में आग लग जाने से उनका लगभग 150 क्विंटल से अधिक धान जलकर खाक हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार सुबह स्थानीय लोगो ने देखा कि अमरुस एक्का के खलिहान में आग लग गया है और इसकी खबर लोगो को होने पर उन्होंने हरसंभव आग बुझाने की कोशिश की परतु आग बहुत तेजी से चारो ओर फैल गया और लगभग 150 क्विंटल से अधिक धान खलिहान में ही जल गया। धान की कीमत लगभग दो लाख रूपये से अधिक था। धान के जलने से अमरुस की सालों की मेहनत बेकार हो गयी साथ ही उसके परिवार के सामने सालभर खाने की किल्लत हो गयी। घटना की सूचना प्राप्त होने पर जिला परिषद सदस्य बसंती डूंगडुंग ने सकिया गांव जाकर प्रभावित अमरुस एक्का और उसकी पत्नी कथरीना एक्का से मिलकर जानकारी प्राप्त किया साथ ही हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। जिप सदस्य ने इस संबंध में सीओ नरेश कुमार मुंडा से भी बात की। जिला परिषद सदस्य बसंती डूंगडुंग और मुखिया जसिंता बागे द्वारा आगजनी पर अफसोस भी जताया गया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला रांची नेशनल हाइवे स्थित पुग्गू के समीप ट्रक के टक्कर से घाघरा थाना क्षेत्र के खंभिया गांव निवासी राजेंद्र साहू गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना रविवार दिन के 1:00 की है। घटना में उसके सिर में गंभीर चोट लगी वही उसका एक हाथ भी टूट गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज के उपरांत गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उसे रिम्स रांची रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक व्यक्ति बाइक में सवार होकर सदर अस्पताल गुमला आ रहा था। अस्पताल में उसकी पत्नी इलाजरत है जिसके लिए वह कपड़ा और खाना लेकर अस्पताल आ रहा था। तभी सामने से एक ट्रक उसे टक्कर मार दिया। जिसके बाद ट्रक तेजी से रांची की ओर फरार हो गया।

झारखंड बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन आज

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। कार्तिक उरांव महाविद्यालय गुमला में आयोजित 46 झारखंड बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आज समापन किया जायेगा। इस एनुअल ट्रेनिंग कैंप का आरंभविगत 30 नवंबर को किया गया था। इस कैंप में गुमला, लोहरदगा एवं सिमडेगा के 591आर्मी विंग कैडेट ने भाग लिया। कैंप के दौरान कैडेटों को ऑब्सटेकल ट्रेनिंग, वेपन ट्रेनिंग, फायरिंग, मैप रीडिंग, ड्रिल, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट, सामाजिक कार्य, आत्मरक्षा आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 46 झारखंड बटालियन एनसीसी गुमला कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल आरडी शर्मा ने बताया कि कैडेट इस कैंप से लाभान्वित हो रहे है और इसका फायदा भी उन्हें आने वाले जीवन में मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस तरह के कैम्प के आयोजन से एनसीसी कैडेटों में देशभक्ति की भावना व राष्ट्र के लिए सेवाभाव पैदा होता है एवं आत्मविश्वास भी बढ़ता है। कैंप के दौरान कैडेटों का आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिसर रांची कर्नल विकास भोला, डीडीसी गुमला दिलेश्वर महतो, केओ कॉलेज गुमला प्रधानाचार्य डॉ शम्श निहार, सदर अस्पताल गुमला की शीला शर्मा ने कई जानकारियां देकर मार्गदर्शन किया। समापन समारोह के दौरान बेस्ट कैडेट फायरिंग जेडी, जेडब्लू, एसडी, एसडब्लू, टग आफ वार व फुटबॉल आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्सको पुरस्कृत किया गया। कैंप को सफल बनाने में सूबेदार मेजर मुआका एवं सभी जेसीओ, एनसीओ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दो भालू के हमले से महिला घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। बिशुनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंजीरा जंगल चेक डैम के समीप दो भालुओं के हमले से चापा टोली निवासी 40 वर्षीय पोको देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी। तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिशुनपुर ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के उपरांत उसे सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के मुताबिक महिला अपने पुत्र व पुत्री के साथ मंजीरा जंगल लकड़ी चुनने गयी थी तभी अचानक झाड़ी से नर और मादा दो भालू निकले और महिला पर हमला कर दिया। मां पर हमला होते देख दोनों बच्चे चिल्लाने लगे। महिला जमीन पर गिर गयी इसके बाद भालू वहां से भाग गये। घटना में महिला के सिर चेहरा और पैर में गंभीर जख्म हुआ। दोनों भाई-बहन किसी तरह महिला को लेकर घर पहुंचे। इसके बाद अस्पताल ले जाया गया। वहीं सदर अस्पताल में महिला का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी पर वन विभाग के फॉरेस्टर शेखर सिंह सदर अस्पताल पहुंचे और तत्काल इलाज हेतु परिजनों को 10 हजार नगद दिया। वहीं शेखर सिंह ने कहा कागजी कार्रवाई पूर्ण होने के बाद पीड़ित परिवार को और भी मुआवजा राशि दी जायेगी।

रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ की बैठक

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला ब्लॉक परिसर में रविवार की अपराह्न 3 :00 बजे झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी ने किया। बैठक में सीआरसी कमेटी को मजबूत करते हुए प्रखंड व जिला कमेटी में सभी रसोइया संयोजिका और अध्यक्ष को सदस्य बनाने का निर्देश दिया गया। बैठक में राजकीय कृत मध्य विद्यालय चरका टांगर की रसोइया के निधन हो जाने पर आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। उसकी बेटी लक्ष्मी कुमारी को आर्थिक सहयोग किया गया। साथ ही प्रशासन से परिवार को मदद करने का आग्रह किया गया। बैठक का संचालन प्रखंड अध्यक्ष शोभा देवी विनायकी देवी ने किया। बैठक में मीना देवी, सुशीला मिंज, असारी देवी, लक्ष्मी कुमारी, रूपईन देवी, लाली देवी, इंद्रमुनि देवी, सुम रीता देवी, पूर्णिमा भगत, फिल्पीया लकड़ा, सुशाना किंडो सहित कई रसोईया संयोजिका शामिल थे।

वार्ड सदस्य ने की आत्महत्या, परिवार वालों ने लगाया प्रताड़ना का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। थाना क्षेत्र के केचकी बंडा पाठ गांव कि वार्ड सदस्य सह सहीया रीमा उरांव ने शनिवार को अपने घर में ही साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस शव को कब्जे में कर रविवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर गुमला भेज दिया। इधर मायके पक्ष पहुंची मृतिका कि मां एवं बहन ने मृतिक के पति मनोज उरांव ससुर रगडू उरांव एवं सोतेली सास रहमनिया उरांव पर प्रताड़ित कर रीमा को मारने का आरोप लगाते हुए बिशुनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। बहन प्रतिमा कुमारी ने बताया कि मेरे दीदी बहुत ही शांत स्वभाव की थी उसकी शादी 2011 में हुआ था लेकिन पिछले कुछ सालों से उसका पति ससुर एवं सास उसे प्रताड़ित करते थे। इस दौरान कई बार वह अपने 3 बच्चों को लेकर पैदल ही गांव से घाघरा रनहे हम लोगों के घर रातो रात पैदल आ जाती और वह बताती थी कि बाबू के पापा हमेशा नशे में धुत रहते हैं और हमेशा मारपीट करते रहते हैं ससुर भी यह कहकर मारपीट करता है की पैसा अपनी मां को दे देती हो पैसा मांग कर लाव बोल कर बाल पकड़कर कई दफा मारपीट किया जाता है। जिसमें मेरी सास भी शामिल होती है और मुझे अकेला कर दिया जाता था पिछले चुनाव के समय 13 नंवबर को भी इन लोगों ने मेरी दीदी को जमकर मारपीट किया था जिससे चेहरा एवं शरीर का अन्य हिस्सा में काला पड़ गया था। हो सकता है कि ससुराल पक्ष के लोग उसे मार कर आत्महत्या दिखाने का प्रयास कर रहे हैं या तो फिर निश्चित रुप से यह लोग मेरी दीदी को इतना प्रताड़ित किए की आत्महत्या के लिए मजबूर हो गयी होगी। इधर ससुर रगड़ू ने पुलिस को बताया कि पहले मारपीट होता था परंतु पिछले 6 माह से मारपीट नहीं हुआ है।

पुलिस की माने तो पोस्टमार्टम उपरांत ही पता चल सकेगा कि हत्या है या आत्महत्या पुलिस हरेक बिंदुओं पर बारीकी से जांच कर रही है अनुसंधान उपरांत ही कुछ कहा जा सकता है।

परसा गांव के बच्चों के बीच निःशुल्क किताबों का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

भरनो। गुमला जिला में खुशी मिशन के अंतिम दिन रविवार को खुशी रथ परसा पहाड़ के तलहटी में बसा परसा गांव पहुंचा। यहां खुशी चौपाल सजा। चौपाल की अध्यक्षता पूर्व मुखिया अज्ञाति मिंज ने किया, जबकि संचालन मेनन मिंज ने किया। शिक्षक राजेश पोद्दार ने विषय प्रवेश व धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर ही गांव के बच्चों के बीच उपयोगी किताबों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालनकर्ता मेनन मिंज ने खुशी मिशन की पूरी जानकारी लोगों को दी। बताया कि खुशी रथ झारखंड के 24 वो जिले में भ्रमण करेगा। सुदूर गांवों तक पहुंचेगी। तनाव, डिप्रेशन के खिलाफ यह एलान-ए-जंग होगा। खुशी क्लास के संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि प्रकृति ने बहुमूल्य जिंदगी जीने के लिए दी है, गुजारने के लिए नहीं। खुशी के साथ ही हम जिंदगी जी सकते हैं। तनाव, टेंसन में हम नारकीय अंदाज में सिर्फ जिंदगी गुजार सकते हैं। यह खुशी सकारात्मक भाव से ही आती है। कितनी भी झंझावतें आएं, सकारात्मकता का साथ कभी नहीं छोड़ें। यही सकारत्मकता हमें सभी दिक्कतों से उबार कर खुशियों से भर देती है। हाइपरटेंशन, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति महामारी का रुप लेते जा रही है। अंत में खुशी क्लास ने सभी से अशीवार्दी, नेग, दक्षिणा मांगा कि आप सभी खुश और सकारात्मक रहने का सच्चा वादा दे दें। सभी ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि हम विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहने का प्रयास तो जरुर करेंगे। मौके पर सहभागिता मिंज, एस्कितिक कांसी, आरती देवी, मिल्यानी मिंज, रुक्मणि देवी, नेमहाती मिंज आदि मौजूद थें।

दुधेश्वरी धाम में बजरंग दल की बैठक

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला नगर स्थित दूधेश्वरी धाम सोसो मोड़ के प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद की जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। विहिप जिला अध्यक्ष अजय सिंह राणा जी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य एक दिसंबर से 15 दिसंबर तक धर्म रक्षा निधि अभियान एवं 5 जनवरी साहसिक यात्रा निकालने हेतु विचार विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला मंत्री मनीष बाबू ने कहा पूरे झारखंड प्रदेश में अभी धर्म अच्छा निधि अभियान चल रहा है जिसमें हम सबको बढ़-चढ़कर सहयोग करने की आवश्यकता है क्योंकि संगठन की कार्यशैली को आगे बढ़ाने के लिए धन की भी आवश्यकता होती है। ऐसे कई कार्यकर्ता है जो अपने पूरे परिवार को छोड़कर सालों भर संगठन के लिए कार्य करते हैं और भी ऐसे कई योजना प्रांत में आते हैं। अंतिम क्षण में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अजय सिंह राणा ने कहा कि संगठन के लिए धर्म रक्षा निधि एक वार्षिक कार्यक्रम है जो हर वर्ष एक बार योजना बनाकर सफलतापूर्वक पूर्ण की जाती है। हम समस्त कार्यकताओं को धर्म रक्षा निधि में अपना सहयोग राशि जमा करना चाहिए। जिससे संगठन ठीक से चल सके। साथ ही 5 जनवरी को गुमला नगर में बजरंग दल की ऐतिहासिक साहसिक यात्रा निकाली जाएगी इसमें सभी हिंदू कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे। 5 जनवरी ऐतिहासिक साहसिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य सभी हिंदुओं को संगठित करना है। उपस्थित गण में विभाग संगठन मंत्री कुलदीप सिंह, शैल सिंह, अमित कुमार, राकेश सिंह, अशोक साहू, मुकेश सिंह, रविंद्र सिंह, मनीष बाबू, शिबू गोप, मनोज साहू, मंटू गुप्ता,राजन कुमार, सुरेंद्र साहू सहित अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

12 जनवरी को मनाया जायेगा आंजनधाम महोत्सव

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 जनवरी को आंजन धाम महोत्सव मनाया जायेगा। यह कार्यक्रम आंजन धाम को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से लगातर 3 वर्षो से किया जा रहा है।

इसके लिये समिति के पदाधिकारी ने होटल विदेश में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। ज्योतिषविद राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. दिवाकर पाठक ने बताया कि आंजन धाम में स्वामी विवेकानंद जयंती पर एक शाम -आंजन धाम कार्यक्रम विगत दो वर्षों में ऐतिहासिक रहा, जहां काशी के आचार्य द्वारा आंजन धाम में भव्य पूजन, संगीतमय सुंदरकांड पाठ, सभी भक्तों द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण किया गया। इस वर्ष भी 12 जनवरी 2025 दिन रविवार को आंजन धाम में भव्य ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दिया गया है, सभी हनुमान जी के भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न होगा। सुखदेव भगत द्वारा संसद के प्रथम सत्र में आंजन धाम को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए आवाज उठाने के लिए धन्यवाद दिया गया। प्रेस वार्ता के माध्यम से गुमला जिला में स्थित रामरेखा धाम, टांगीनाथ धाम, पालकोट दशभुजी मां, देवगांव गुफा, वासुदेव कोणा,हीरादह,बर महादेव, रंगनाथ मंदिर,पांच पांडव पहाड़, सीरा-सीताधाम, टांगीनाथ धाम, देवाकी धाम, हापामुनि महामाया मंदिर, कोराम्बे जगन्नाथ मंदिर, चंदवा गड़ गांव, खकपरता शिवमंदिर, नागफेनी जगन्नाथ मंदिर, नवरत्न गढ़ कपिल नाथ मंदिर, महादेव मंडा बसिया,केतुका धाम को एक साथ पर्यटक कॉरिडोर के रुप मे विकसित कर गुमला को वैश्विक पहचान दिलाने की मांग की गयी। साथ ही कहा गया कि गुमला, लोहरदगा, सिमड़ेगा जिला को पर्यटक हब के रूप में विकसित किया जाए। मौके पर ज्योतिषविद राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित दिवाकर पाठक, मुकेश सिंह, अरविंद मिश्रा, अजीत विश्वकर्मा, उदय चंद मुखर्जी, शिशिर गुप्ता, कुमार विजय भगत, मनीष राजगढ़िया, विनीत कुमार उपस्थित थे।

दो मामलों में फरार आरोपियों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

आजाद सिपाही संवाददाता

पालकोट। प्रखंड अंतर्गत पुलिस ने रविवार को दो मामले के फरार अभियुक्तों के घर मे इश्तेहार चस्पा किया। मामले को लेकर पालकोट थाना प्रभारी मो जहांगीर ने बतलाया की न्यायालय के आदेश पर पोस्को एक्ट के तहत फरार अभियुक्त बिनोद लोहरा पिता कर्मा लोहरा गांव कुसुमटोली पंचायत सेमरा के ऊपर वर्ष 23 में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज है तब से फरार चल रहा है। जिसमे विशेष पोक्सो न्यायालय के द्वारा वारंट जारी किया गया है वहां थाना प्रभारी मो जहांगीर और पुलिस बल के द्वारा इस्तेहार चस्पा किया गया। वही दूसरे मामले में फरार अभियुक्त राजकुमार मांझी पिता पलटन मांझी गांव डाड टोली बनाइडेगा झिखिरमा थाना पालकोट जसके ऊपर वर्ष 11 में दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज है।

अज्ञात अधेड़ का शव बरामद

हरिहरगंज/ पलामू (आजाद सिपाही)। पीपरा थाना क्षेत्र के चपरवार गांव स्थित मड़वा मौजे से रविवार को पुलिस ने एक अज्ञात अधेड़ की शव बरामद की है। जानकारी के बाद पीपरा थाना के एसआई नकुल शर्मा दल बल के साथ पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त करने में जुटे हुए हैं। हालाकि खबर लिखे जाने तक अधेड़ की शिनाख्त नहीं हुई थी। इस संबंध में एसआई नकुल शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया विक्षिप्त बुजुर्ग की मौत ठंड का कारण हो सकता है।

हाइवा को जब्त कर चालक को पुलिस ने भेजा जेल

रामगढ़/ पलामू (आजाद सिपाही)। रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत शनिवार को बगनी झरिया मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में जाकिर हुसैन उम्र 30 वर्ष पिता गफ्फार मियां की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। रामगढ़ थाना प्रभारी ओम प्रकाश शाह के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गयी और बेड़मा बभनडी के लमती गांव से ड्राइवर बुधन राम पिता स्वर्गीय राम लखन राम गांव लोहरसिमी चैनपुर निवासी को गिरफ्तार कर तथा हाइवा को जब्त कर लिया।

स्वर्ण व्यवसायी के यहां हुई डकैती का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी पुलिस ने स्वर्ण व्यवसाई के यहां अक्टूबर महीने में हुई डकैती कांड का उद्भेदन कर लिया है। इस संबंध में पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि 23/ 24.10.2024 की रात्रि में समय करीब 01:00 बजे पांकी थाना क्षेत्र अन्तर्गत गजबोर ग्राम स्थित कृष्णा सोनी के घर में अज्ञात 06 अपराधकमीर्यों द्वारा हथियार का भय दिखाकर घर में रखे सोना चांदी के जेवर एवं रूपया को लूट लिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लेस्लीगंज के निदेर्शानुसार एक छापामारी टीम का गठन किया गया। काण्ड अनुसंधान के कम में दिनांक 07/12/2024 को गुप्त सूचना मिला कि घटना में संलिप्त संदिग्ध अपराधकर्मी ग्राम दूब आया हुआ है। तत्पश्चात उक्त सूचना को वरीय पदाधिकारी को अवगत कराते हुए छापामारी दल द्वारा ग्राम दूब जाकर काण्ड में संलिप्त अपराधकर्मी के घर जाकर छापामारी कर पकड़ा गया तथा पकड़ाये व्यक्ति से नाम पता पूछने पर अपना नाम उपेन्द्र कुमार उर्फ उपेन्द्र विश्वकर्मा उम्र-29 वर्ष पिता राजेन्द्र मिस्त्री ग्राम दूब थाना पांकी जिला पलामू बताया तथा काण्ड में संलिप्तता की बात स्वीकार किया तथा घटना में संलिप्त अन्य अपराधकमीर्यों का नाम बताया। तत्पश्चात छापामारी दल के द्वारा विभिन्न जगहों से छापामारी कर घटना में शामिल अपराधकमीर्यों को गिरफतार किया गया और काण्ड में लूटा गया सोना चांद एवं मोबाईल तथा घटना में प्रयोग किया गया लोहे का रड, देशी एटर हथियार, हेक्सा कटर को बरामद किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त

सतीश राम उर्फ सतीश चन्द्रवंशी उम्र 35 वर्ष, छोटु कुमार सिंह उम्र-24 वर्ष, उपेन्द्र कुमार उर्फ उपेन्द्र विश्वकर्मा उम्र-29 वर्ष, शत्रुधन कुमार वर्मा उम्र 34 वर्ष।

जब्त समानों की विवरणी

एक देशी निर्मित एटर हथियार, दो जिंदा 7.65 गोली, कांड में लूटे गए सोने का जेवर को गलाकर बनाया हुआ दो छोटा-बडा गोला, सोना का अंगूठी एक पीस, दो जोड़ा चांदी का नया पायल, एक जोड़ा चांदी का पुराना पायल, कांड में लुटा गया एण्ड्रॉड मोबाइल दो पीस, घटना में प्रयुक्त दो लोहे का रड एवं एक हेक्सा कटर।

छापामारी दल में मनोज कुमार झा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लेस्लीगंज, पूनम टोप्पो पुलिस निरीक्षक पांकी अंचल, पुअनि राजेश रंजन थाना प्रभारी पांकी थाना, पुअनि संतोष गिरी पांकी थाना, पुअनि अनुप टोपनो पांकी थाना, पुअनि श्याम भगत पांकी थाना, पुअनि गोपाल कुमार राय पांकी थाना, पांकी थाना सैट 31 एवं सशस्त्र बल रिजर्व गार्ड।

बराही धाम गुरुकुल का सुंदर राज स्वामी ने किया निरीक्षण

आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा जरूरी : स्वामी सुंदर राज

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला के हुसैनाबाद अनुमंडल के चर्चित बराही धाम में सुंदर राज स्वामी जी महाराज अचानक पहुंचे। बराही धाम पहुंचने के बाद धाम परिसर स्थित देवी मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित गुरुकुल का निरीक्षण किया और शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों से हाल चाल पूछा। इस मौके पर सुंदर राज स्वामी जी महाराज ने कहा की आधुनिक शिक्षा की अंधी दौड़ में बच्चे अध्यात्म और संस्कार को भूलते जा रहे है। इसका दुष्परिणाम हो रहा की समाज में कुरीतियां भी बढ़ती जा रही है। बच्चे संस्कार से पिछड़ते जा रहें है। तत्कालीन हालात को देखते हुए और आने वाले भविष्य को देखते हुए शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया था की आधुनिक शिक्षा के साथ साथ आध्यात्मिक की शिक्षा भी अत्यंत जरूरी है। इसलिए बराही धाम में गुरुकुल की स्थापना कर पिछले एक वर्षों से बच्चों को संस्कार के साथ साथ आध्यात्मिक और आधुनिक शिक्षा दिया जा रहा है। जो इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा की शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा धार्मिक कार्यों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, और कई सामाजिक कार्य किये जा रहे है जो काफी सराहनीय है। मौके पर शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजक रंधीर सिंह, गुरुकुल के आचार्य शिव कुमार झा, विनय चौबे, अयोध्या सिंह टिकैत, टुनटुन सिंह, सुदामा यादव के अलावा शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के कई सदस्य मौजूद थे।

पथरा मुखिया नरेश पासवान राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद प्रखंड के पथरा पंचायत के मुखिया नरेश पासवान को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार समारोह के लिए चयन किया गया है। इस संबंध में झारखंड सरकार के पंचायती राज उप निदेशक ने भारत सरकार के पंचायती मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव को सूची भेजी है। जिसमे आगामी 11 दिसम्बर को दिल्ली विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया जायेगा। मुखिया नरेश पासवान ने बताया कि पलामू जिला से मैं चयनित किया गया हूं। इधर पथरा पंचायत के सभी गांवों में मुखिया को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने की खबर से खुशी की लहर है।

झरगड़ा पंचायत सचिवालय में पशुपालकों को मिला प्रशिक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद प्रखंड के झरगड़ा पंचायत सचिवालय में पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में पंचायत क्षेत्र के दूर दराज ग्रामों से दर्जनो की संख्या में पशु पालक उपस्थित हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन जिला गव्य विकास पदाधिकारी सुरेश कुमार, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ तौहीद इकबाल, पंचायत के मुखिया अशोक चौधरी, पंचायत समिति सदस्य मानती देवी आदि ने संयुक्त रूप से किया । प्रशिक्षण के दौरान गव्य विभाग के पदाधिकारियों के द्वारा विभाग द्वारा चलायी जा रहीं योजनाओं पशु प्रवर्धन, संक्रामक बीमारियों के टीकाकरण, परिजीवी संक्रमण से रोकथाम की जानकारी, उन्नतशील पशु प्रजनन, गभार्धारण में लाभ, बांझपन की चिकित्सा, हरे चारे का महत्व, भेड़-बकरी पालन की योजनाएं और राष्ट्रीय पशुधन बीमा के बारे में जानकारी दी गयी। मौके पर पंचायत के मुखिया अशोक चौधरी ने पशुपालकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी गयी जानकारियों से लाभ उठाने की बात कही।

इस अवसर पर सीआरपी राजू प्रसाद गुप्ता, वार्ड सदस्य, समाजसेवी सहित दर्जनों पशुपालक मौजूद थे।

मल्टी फॉर्टिज हॉस्पिटल ने लगाया स्वास्थ्य शिविर, दो सौ मरीजों का हुआ मुफ्त इलाज

आजाद सिपाही संवाददाता

मरीजों का जा जांच करते चिकित्सक।

विश्रामपुर/ पलामू। विश्रामपुर प्रखंड के भंडार ग्राम पंचायत में मल्टी फॉर्टिज हॉस्पिटल द्वारा रविवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में दो सौ से भी ज्यादा मरीजों का मुफ्त में इलाज किया गया,मरीजों को दवा भी निःशुल्क दिया गया। डॉ मनीष कुमार व सरफराज अंसारी ने बताया कि शिविर में ज्यादातर मरीज बीपी, शुगर, घुटनों के दर्द, हर्निया, अपेंडिस आदि बीमारियों से ग्रसित थे। सभी को जांचोपरांत उपचार किया गया। इससे पहले शिविर का उद्घाटन शिक्षाविद अशोक पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के लिए बिश्रामपुर प्रखंड के नौगढ़ा में खुला मल्टी फॉर्टिज हॉस्पिटल वरदान साबित हो रहा है। हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा ग्रामीण इलाकों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है। श्री पांडेय ने हॉस्पिटल प्रबन्धन की जम कर तारीफ की। हॉस्पिटल के चेयरमैन नितेश पाठक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हॉस्पिटल खोलने का मुख्य उद्देश्य आम न्यूनतम राशि में लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि मल्टी फॉर्टिज हॉस्पिटल आधुनिक सुविधाओं से लैस है। दर्जन भर विशेषज्ञ चिकित्सक यहां अपनी सेवा दे रहे हैं। एंबुलेंस से लेकर सभी तरह के जांच की सुविधा यहां उपलब्ध है। मौके पर रीना दुबे, रानी कुमारी, संगीता कुमारी, नाईस गंगा, प्रदीप ओझा, तौकीर आलम, शिवरंजन कुमार, देवेंद्र पाठक सहित कई अस्पतालकर्मी और काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

इंडिया मानवाधिकार एसोसिएशन की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/ पलामू। विश्रामपुर के ऐतिहासिक पंचमुखी मंदिर परिसर में स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को बजे इंडिया मानवाधिकार एसोसिएशन की एक बैठक हुयी। बैठक में संगठन की मजबूती व विस्तार पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता व संचालन महासचिव विनय कुमार सिंह ने किया। बैठक में समाज के दबे-कुचले व महिलाओ की आवाज को बुलंद करने, संविधान के अनुसार महिलाओ के मौलिक अधिकार की रक्षा करना तथा पुलिस के साथ समन्वय बनाकर क्षेत्र में अपराधमुक्त वातावरण बनाने का प्रयास करने का निर्णय लिया गया।बैठक के दौरान प्रखंड स्तरीय कमेटी का विस्तार भी हुआ। सर्वसम्मति से शंकर चंद्रवंशी व किरण गुप्ता को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा राजेश सिंह, अब्दुल हकीम अंसारी, यदुनि राम, ममता देवी व मीरा देवी को सचिव, देवनारायण सिंह, शंकर राम, अंशु कुमारी और नागवंती देवी को उपाध्यक्ष, सुदेश चंद्रवंशी को कोषाध्यक्ष तथा देवनारायण सिंह को कार्यालय सचिव बनाया गया है।

सीओ की जांच के बाद भी तिल फैक्ट्रियों पर नहीं हुई कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/ पलामू। पलामू जिले के हरिहरगंज में अवैध तिल फैक्ट्री का जांच अंचलाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा ने बीते दिनों की थी। जिसका खबर अखबार में प्रमुखता छापी गयी थी। जिसमें सीओ ने बताया था कि जांच के दौरान तिल फैक्ट्री से निकलने वाली गंदा एवं अत्यंत दुर्गंधयुक्त पानी बटाने नदी में बहाया जा रहा था। वहीं किसी भी तिल फैक्ट्री संचालकों के पास लाइसेंस निर्गत नहीं है और न हीं कंपनी एक्ट के तहत रजिस्टर्ड है और यह अवैध है। इसके बावजूद अब तक तिल फैक्ट्रियों के संचालकों पर कार्रवाई न होना संचालकों के साथ अधिकारियों की संलिप्तता को दशार्ता है। वहीं जांच किये जाने का मामला गहराता जा रहा है। पूछे जाने पर सीओ मनीष कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को बताया कि जांच प्रतिवेदन अनुमंडल पदाधिकारी छतरपुर को दे दी गयी है। उन्होंने बताया कि जल्द ही एसडीओ द्वारा जांच करने का ऐसा आश्वासन मिला है। बता दें कि हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र के घाघरा बटाने नदी तट पर राजेंद्र जायसवाल और तूरी टोला गिद्दी बटाने नदी तट पर राकेश जायसवाल द्वारा बड़े पैमाने पर तिल की फैक्ट्री खोल कर कारोबार की जा रही है। जिसका गंदा एवं अत्यंत दुर्गंधयुक्त पानी बटाने नदी में सीधा बहाया जा रहा है। जिससे जन जीवन का खतरा बना हुआ है।

टोल प्लाजा के कर्मियों के खिलाफ सीओ ने करायी प्राथमिकी दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

जानकारी देते सीओ मनीष कुमार सिन्हा।

हरिहरगंज/ पलामू। हरिहरगंज अंचलाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा ने बीते शनिवार को टॉल प्लाजा कर्मियों के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने पर प्राथमिकी दर्ज कराया है। इस संबंध में सीओ ने हरिहरगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहा कि 4 दिसंबर को टास्क फोर्स की बैठक में मेदिनीनगर जाने के दौरान टॉल प्लाजा पर कर्मियों ने उन्हें करीब 20 मिनट रोका और उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने बताया कि टॉल प्लाजा की मशीन खराब होने के कारण मेदिनीनगर की ओर जाने वाली सभी वाहनों को रोका गया था। सीओ द्वारा परिचय दिए जाने के बाद भी उन्हें जाने नहीं दिया जा रहा था। सीओ ने सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में हरिहरगंज थाना में टॉल प्लाजा कर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है।

नर सेवा ही नारायण सेवा है : निर्दोष

आजाद सिपाही संवाददाता

सतबरवा / पलामू । रविवार को सदर प्रखंड के सरजा पंचायत अंतर्गत ग्राम भूसड़ीया में आदिम जनजाति परहीया परिवार के बीच नारायण सेवा समिति सतबरवा के द्वारा ठंड को देखते हुए इलाइट पब्लिक स्कूल चियांकी के सहयोग से सैकड़ो गर्म वस्त्र का वितरण किया गया। नारायण सेवा समिति ट्रस्ट सतबरवा के अध्यक्ष निर्दोष कुमार ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से ट्रस्ट के द्वारा प्रखंड मुख्यालय के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में गरीब असहाय और आदिम जनजाति के लोगों के बीच जाकर निशुल्क वस्त्रों का वितरण किया जा रहा है। यह गर्म कपड़े हमें सतबरवा, डाल्टनगंज, बरवाडीह के दुकानदार समाजसेवी एवं कई स्कूलों के द्वारा उपलब्ध कराया जाता है जिसे हम गरीबों में जाकर वितरण करने का कार्य करते हैं। आज के वस्त्र हमें एलिट पब्लिक स्कूल चियांकी के द्वारा उपलब्ध कराया गया था। वहीं एलिट स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेना चाहिए ताकि बच्चे को भी सामाजिक कार्य और सेवा भाव का समझ आ सके।

स्पोर्ट्स

नीतीश रेड्डी ने 47 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद सिराज सात रन बनाकर आउट हुए और भारत की दूसरी पारी 175 रन पर सिमट गयी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले गए दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) मैच में भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 19 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने बिना कोई विकेट गंवाएं आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर हो गयी है। सीरीज का पहला टेस्ट भारतीय टीम ने 295 रन से अपने नाम किया था।

मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पहली पारी में 180 रन बनाये थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाये और 157 रनों की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 175 रन बनाए और 18 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह मेजबान टीम को 19 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बिना कोई नुकसान के जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाजी उस्मान ख्वाजा नौ रन और नाथन मैकस्वीनी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर से खेला जायेगा।

भारत की दूसरी पारी

भारतीय टीम ने रविवार को पांच विकेट पर 128 रन से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन के पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। ऋषभ पंत स्लिप में कैच आउट हो गये। पंत ने 28 रन बनाये। इसके बाद रविचन्द्रन अश्विन भी कुछ खास नहीं कर सके और सात रन बनाकर आउट हो गये। हर्षित राणा खाता भी नहीं खोल सके। नीतीश रेड्डी ने जरूर बल्ले से कुछ रन बटोरे। वह अर्धशतक से चूक गये और 47 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में मोहम्मद सिराज सात रन बनाकर आउट हुए और भारत की दूसरी पारी 175 रन पर सिमट गयी। इससे पहले शनिवार को दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 24 रन, केएल राहुल सात रन, शुभमन गिल 28 रन, विराट कोहली 11 रन और कप्तान रोहित शर्मा छह रन बनाकर आउट हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कप्तान पैट कमिंस ने पांच विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले। मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए।

झारखंड दिव्यांग महिला क्रिकेट टीम उपविजेता हो कर रांची लौटी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'उमाग दिव्यांग महिला क्रिकेट टूर्नामेंट' जो कि दिनांक 04.12.2024 से 6.12.2024 तक मध्यप्रदेश के भोपाल शहर ओल्ड चैंपियांन ग्राउंड मे संपन्न हुआ। इस टूर्नामेंट मे छः राज्यों झारखंड, जम्मू कश्मीर, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र, तेलंगाना और केरल ने हिस्सा लिया। झारखंड के टीम को संजुकता एक्का कें कप्तानी मे खेला गया। झारखंड ने जम्मू कश्मीर और महारष्ट्र को हराकर फाइनल में पहुंचे। दिनांक 06.12.2024 को मध्यप्रदेश के साथ फाइनल खेला गया। फाइनल मैच मे मध्यप्रदेश से झारखंड 5 रन से हार कर उप विजेता रहा। इस पूरे टूर्नामेंट मे मैन ऑफ दा सीरीज और बेस्ट बैट्समैन का खिताब झारखंड के कप्तान संजुक्ता एक्का को एवं बेस्ट बॉलर का खिताब महिमा उरांव को दिया गया। झारखंड उपविजेता टीम को पुरुस्कार ट्रॉफी के साथ नगद राशि दिया गया। पहली बार झारखंड के दिव्यांग महिला खिलाड़ी ने डे नाइट सीरीज खेल कर इतिहास रचा। पूरे टिम को झारखंड पैरा ओलंपिक कमिटी ऑफ झारखंड के सचिव एवं अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी मुकेश कंचन ने रांची रेलवे स्टेशन पर हौसला अफजाई करते हुए स्वागत किया। उन्होंने सभी खिलाड़ी को शुभकामना देते हुए पुनः तैयारी करने को कहा। भूरे टीम को राहुल मेहता अध्यक्ष झारखंड डिसेबल क्रिकेट एसोसिएशन, सरिता सिन्हा सचिव, उपाध्यक्ष पतरस तिर्की, समाज सेवी जगदीश सिंह जग्गू, ने बधाई दिया। इस टीम मे संजुकता एक्का कप्तान, प्रतिमा तिर्की, महिमा उरांव, असुनता टोप्पो, सरिता मुंडा, सुनीता कुमारी, तारमणि लकड़ा, निक्की कुमारी,जयश्री कुमारी, अनिता तिर्की, पुष्पा मिंज, पवन लकड़ा टीम मैनेजर, शैलेन्द्र, सुष्मिता शामिल थे ।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 09 दिसंबर, 2024
www.azadsipahi.in

धनबाद जिले के सभी ब्लॉक में विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

7.9 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण

- डालसा प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रतिहित प्रहरी के रूप में कार्य करती है : न्यायाधीश

आजाद सिपाही संवाददाता

जरूरतमंदों के बीच आवंटित परिसंपत्तियों के वितरण के अवसर पर डालसा के अधिकारी-पदाधिकारीगण।

धनबाद। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर रविवार को जिले के सभी प्रखंडों में एक दिवसीय विधिक सशक्तिकरण सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान निरसा प्रखंड कार्यालय में आयोजित मेगा एंपावरमेंट शिविर में लोगों को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश संतोषणी मुर्मू ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रशासनिक निष्क्रियता के प्रतिहित प्रहरी के रूप में कार्य करती है। सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सुगमता से पहुंचाने में मदद करना ही इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने कहा कि दूर-सुदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे लोगों को त्वरित न्याय कैसे मिले इस पर जागरूक करने के लिए डालसा इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते रहा है, ताकि जिले के सुदूर इलाकों में रह रहे ग्रामीण जनता तक सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रक्रिया को पहुंचाया जा सके। इस बाबत जानकारी देते हुए डालसा के प्रभारी सचिव निताशा बारला ने बताया कि विभिन्न ब्लॉकों मे आयोजित विधिक सशक्तिकरण शिविर में 96 हजार 267 लाभुकों के बीच सात करोड़ नौ लाख 26 हजार 458 रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। कहा कि सूदूर ग्रामीण इलाकों में रह रहे आम जनता तक न्याय सुलभ एवं त्वरित पहुंचे एवं साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनमानस तक पहुंच सके इसे लेकर ही धनबाद, निरसा, गोविंदपुर, कलियासोल, एगारकुंड, बाघमारा, बलियापुर, टुंडी, पूर्वी टुंडी, तोपचाची ब्लॉकों में शिविर आयोजित हुआ, जहां न्यायिक पदाधिकारी क्रमशः अनामिका कच्छप, संतोषणी मुर्मू, अर्पिता नारायण, मेघा प्रियंका लकड़ा, सत्यभामा कुमारी, ऋषि कुमार, अपेक्षा, हेमंत कुमार सिंह, सुरेश उरांव, विवेक राज एवं एलईडीसीएस, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक सुमन पाठक, नीरज गोयल, मुस्कान चोपड़ा, स्वाति कुमारी, जिला परिषद दीपाली रोहिदास, प्रखंड प्रमुख आशा कुमारी, बीडीओ इंद्र लाल ओहदार आदि उपस्थित रहे।

ऐना मार्ग पर दवा दुकानदार से डेढ़ लाख की लूट

एक दर्जन से अधिक लुटेरों ने दिया घटना को अंजाम

- सभी लूटेरों की उम्र 17 से 18 साल के बीच

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। झरिया थाना क्षेत्र स्थित एना कोलियरी और दो नंबर भूली क्वार्टर के बीच सुनसान मार्ग पर शनिवार की देर रात बदमाशों ने शाहिद अंसारी नामक दवा दुकानदार से लूटपाट की घटना को अंजाम दिया है। इससे उक्त मार्ग से गुजरने वालों के बीच भय का माहौल है। उधर, घटना की सूचना पाकर पुलिस पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। इस संबंध में भुक्तभोगी शाहिद ने अज्ञात लूटेरों के खिलाफ झरिया थाना में शिकायत दर्ज करायी है। उसने बताया कि उसकी मेमको मोड़ में दवा की दुकान है। शनिवार की रात वह दुकान बंद कर अपने घर शिमलाबहाल लौट रहा था। जैसे ही एना कोलियरी और दो नंबर भूली क्वार्टर से पास से गुजर रहा था, तभी एक दर्जन से अधिक युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। सभी की उम्र 17 से 18 साल के बीच थी। उसने लड़कों के किनारे से बाइक लेकर निकालने की कोशिश की, तो दो लड़कों ने पीछे से उसकी बाइक पकड़ ली। इसके बाद उससे 12 हजार रुपया नकद, बाइक और करीब 15 हजार रुपये मूल्य के दवा की पेटी लूट ली। इसके बाद झाड़ियों में पटक कर उसके साथ मारपीट की। जिससे उसे चोट भी आयी है। किसी तरह उसने उनलोगों के चंगुल से भागकर अपनी जान बचाई। इसके बाद उसने 100 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। खबर पाते ही झरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंय गयी। उधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग में चार साल पहले लूटपाट होती थी। लेकिन पिछले तीन साल से ऐसी घटना बंद हो गयी थी। अब फिर से ऐसी घटना होने लगी है, जिससे भय का माहौल बन रहा है। लोगों ने बताया कि इस मार्ग में कुछ किशोर व युवक नशे का सेवन करते है। ऐसे युवाओं को देर रात तक क्षेत्र मं लावारिस घूमते देखा जाता है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से इस मार्ग पर नियमित गश्ती करने कर संदिग्ध लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

बेटियों को मिल रहा लाभ मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का नजीता : योगेंद्र प्रसाद

मंत्री ने उन्नति का पहिया योजनांतर्गत स्कूली छात्राओं के बीच किया का साइकिल वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

आइइएल। पेयजल, स्वच्छता व उत्पाद और मद्द निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद रविवार को गोमिया प्रखंड मुख्यालय पहुंचे। जहां बीडीओ महादेव कुमार महतो और सीओ आफताब आलम ने मंत्री योगेन्द्र प्रसाद को बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान मंत्री ने झारखंड सरकार की उन्नति का पहिया योजनांतर्गत स्कूली छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदर्शी सोच का नतीजा है कि आज बेटियों के जन्म बाद से पढ़ाई लिखाई से लेकर शादी होने तक विभिन्न योजनाओं के जरिए मदद और लाभ दिया जा रहा है। इस मौके पर खम्हरा पंचायत के मुखिया बंटी उरांव, ससबेडा पूर्वी पंचायत के मुखिया अंशु कुमारी, ससबेड़ा पश्चिमी पंचायत के मुखिया शांति देवी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष लुदु मांझी, झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष अमित पासवान, पूर्व मुखिया धनंजय सिंह, मुखिया प्रतिनिधि पिंटू पासवान, झामुमो नेता कृष्ण दयाल सिंह, समाजसेवी पिंटू पासवान, दुर्गा प्रसाद नायक, राजू शाही, नसीम अंसारी, राजू पासवान, गुलाम सरवर सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

10 दिन से लापता अधेड़ का मिला शव

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। थाना क्षेत्र के झरिया टेंपो स्टैंड धर्मशाला सड़क के समीप रविवार की सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। उसकी पहचान अर्जुन राउत के रूप में हुई है। वह लोदना का रहने वाला था। उधर, वहीं से गुजर रहे समाजसेवी सौरव शर्मा की नजर शव पर पड़ी, तो उससकी सूचना झरिया पुलिस को दी। खबर पाते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी और शव का पंचनाम कर उसे पोस्टमाटर्म के लिए भेज दिया। सौरभ शर्मा ने बताया कि मृतक व्यक्ति को दो-तीन दिन पहले ही झरिया में देखा गया। ऐसा प्रतीत होता है कि ठंड की वजह से उसकी मौत हुई होगी। जिला प्रशासन से मांग है कि झरिया में रह रहे राहगीरों के लिए जलावन की व्यवस्था अविलंब की जाए। दूसरी ओर, पिता की मौत की खबर पाकर उसका बेटा सूरज भी झरिया थाना पहुंच गया। उसने पत्रकारों से बातें करते हुए बताया कि उसके पिता बाघमारा में ट्रांसपोर्टिंग का काम करते थे। 10 दिन पहले घर छोड़कर चले गये थे। उन लोगों ने काफी तलाश की, लेकिन कहीं से कोई खबर नहीं मिली। इस बीच लापता होने की सूचना लोदना ओपी पुलिस को भी दी थी। इस बीच रविवार को एक व्यक्ति से पता चला कि उसके पिता चार नंबर के पास मृत अवस्था में पड़े हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल सकेगा।

तोपचांची अंचल कार्यालय में अलग-अलग 10 हल्का कर्मचारी स्थापित करने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

तोपचांची। अंचल अंतर्गत आने वाले 111 राजस्व गांव के भूराजस्व समस्याओं का निष्पादन, जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र समय पर निर्गत नहीं होने से रैयत और जरूरतमंद विद्यार्थी इन दिनों काफी परेशान है। उनके विभिन्न सरकारी विभागों में जरूरी प्रमाणपत्र जमा नहीं हो पते है, जिससे जरूरतमंद सरकारी लाभ से वंचित हो रहे हैं। बताते चलें कि तोपचांची अंचल के 111 राजस्व गांव के 10 हल्का के लिए एकमात्र हल्का कर्मचारी जगदीश बैठा कार्यरत हैं। जबकि इसके लिए 10 हल्का कर्मचारी कार्यरत रहना चाहिए। तोपचांची क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता सह युवा नेता सदानंद महतो एवं शंकर रवानी ने जनहित में 10 हल्का के लिए अलग-अलग कर्मचारी नियुक्त करने की मांग संबंधित पदाधिकारी से की है, ताकि तोपचांची अंचल कार्यालय से भूमि-राजस्व समस्याओं का निदान और जाति आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र समय पर निर्गत हो सके।

फुसरो में ज्वेलरी दुकान में चोरी, दो संदिग्ध हिरासत में

डॉग स्क्वार्ड की मदद से जांच में जुटी बेरमो पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र के नया रोड स्थित आभूषण दुकान में शनिवार की रात दुकान का शटर तोड़कर चोरों ने वहां से करीब 65 हजार रुपए के आभूषण चोरी कर ली। ज्वेलर्स दुकान के संचालक वीरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि चोरी की जानकारी उन्हें रविवार की सुबह स्थानीय लोगों से मिली। जिसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना बेरमो पुलिस को दी। बताया कि चोरों ने सोने व चांदी के आभूषणों की चोरी की है। जिसकी कीमत करीब 65 हजार रुपए है। उधर, चोरी की सूचना मिलते ही बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह दल बल के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने डॉग स्क्वार्ड की मदद ली। घटना स्थल पर मिले एक तौलिया (चोरों के होने के शक) को कुत्ते को सुंघाया गया। जिसे सुंघते हुए कुत्ता फुसरो के गोरांगो कॉलोनी होते हुए फुसरो स्टेशन पहुंच गया। स्टेशन के पास एक जूता मिला। उसे भी सुंघाया गया। जिसके बाद डॉग एक घर में गया और एक युवक को देखकर भौंकने लगा। इसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर उसे पकड़ लिया। इसी बीच एक अन्य युवक को भी संदेह के आधार पर पकड़ा गया। पुलिस दोनों युवकों को थाना लाकर पूछताछ कर रही है।

फुसरो से बाइक चोरी

बेरमो थाना अंतर्गत रिवर साइड कॉलोनी करगली निवासी अनिल कुमार की बाइक चोरी हो गई। अनिल ने बेरमो थाना में लिखित आवेदन दी है। बताया कि अपने सहकर्मी के साथ दामोदर नगर नया रोड से बाइक लेकर फुसरो के नया रोड मे अपनी कंपनी आया था। वहीं से बाइक चोरी हो गयी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बीडीओ ने बेरमो में किया पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

जैनामोड़/बेरमो। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का रविवार से शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर जरीडीह सीएचसी बेरमों में बीडीओ मुकेश कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मनीष, डॉ वंदना, डॉ नीलू, डॉ कुमार मनीष, मुखिया प्रतिनिधि नरेश कुमार महतो ने अपने हाथों से बच्चों को पोलियो खुराक पिलाकर टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बीडीओ ने कहा कि सभी अस्पतालों, आंगनबाड़ी केंद्र में पोलियो की खुराक पिलायी जा रही है। कहा कि पोलियो खुराक पीने से एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। यदि एक भी बच्चा छूटा, तो सुरक्षा चक्र टूट जायेगा। साथ ही पोलियो बूथ का निरीक्षण कर बच्चों को अपने हाथों से पोलियो की खुराक पिलाई और पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की प्रगति का जायजा लिया। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पिलाया जा रहा है। वहीं सोमवार और मंगलवार को टीकाकरण दल के कर्मचारी घर-घर जाकर पोलियो खुराक से वंचित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

रैयती जमीन पर थाने का कब्जा

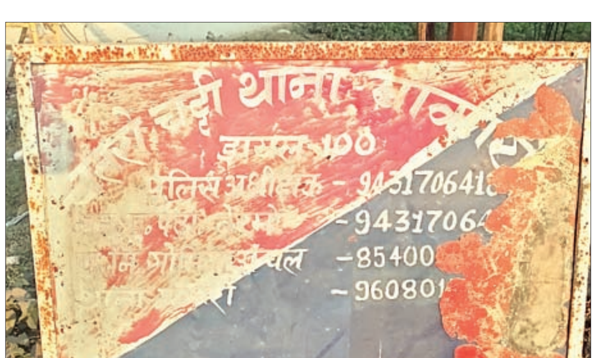

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव, बोकारो डीसी, डीजीपी, सीओ व चतरोचट्टी थाना प्रभारी को 13 जनवरी 2025 को हाजिरर होने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरोचट्टी। चतरोचट्टी थाना की ओर से रैयती जमीन पर जबरन कब्जा करने के मामले में रैयतों द्वारा झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। इस मामले में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संजय कुमार द्विवेदी ने झारखंड सरकार के मुख्य सचिव, डीजीपी, बोकारो डीसी, गोमिया अंचल अधिकारी और चतरोचट्टी थाना प्रभारी को 13 जनवरी 2025 को हाजिर होने का आदेश दिया है। रैयत मोहम्मद वकील अहमद, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद फहीम, मोहम्मद अकबर हुसनैन, मोहम्मद अब्दुल जब्बार आदि ने जबरन जमीन कब्जाये जाने के मामले को लेकर आठ सितंबर 2023 को झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर इंसाफ की गुहार लगाया था। उनकी याचिका 29 सितंबर को स्वीकृत हुई थी। उक्त रैयतों का कहना था कि वर्ष 2018 मे चतरोचट्टी थाना की ओर से 4.92 एकड जमीन पर जबरन कब्जा कर कंटीले बाड़ा लगाकर घेराबंदी कर दी गयी है। रैयतों द्वारा इस कृत का विरोध किये जाने पर उन्हें बल प्रयोग कर भगा दिया गया था। जिसकी गोमिया अंचलाधिकारी, बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी, बोकारो, पुलिस अधीक्षक बोकारो से डीसी को रैयतो ने मौखिक और लिखित जानकारी देकर अपनी जमीन वापस दिलाने की गुहार भी लगाई थी। पर रैयतों को हर जगह से निराशा हाथ लगी थी। बाध्य होकर सभी रैयतों ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और एक रिट पीटिशन दायर किया। इस पीटिशन के स्वीकृत होने के बाद झारखंड उच्च न्यायालय ने 13 जनवरी 2025 को मुख्य सचिव, डीजीपी, उपायुक्त बोकारो, पुलिस अधीक्षक बोकारो, अंचलाधिकारी गोमिया एंव चतरोचट्टी थाना प्रभारी को हाजिर होने का आदेश दिया हैं। इस मामले को लेकर गोमिया अंचल कार्यालय के अधिकारियो सहित कामकाजी लोग में बैचेनी बढ़ गयी हैं।

सांसद ढुल्लू महतो व पीएन सिंह ने किया संसदीय कार्यालय का उद्घाटन

जनता की समस्याओं का समाधान करना एवं धनबाद का विकास की उद्देश्य : ढुल्लू महतो

भाजपा का उद्देश्य समाज की हर जरूरतों को पूरा करना है : पीएन सिंह

हम सभी को मिलकर धनबाद को तेजी से विकास की दिशा में आगे ले जाना होगा : बाघमारा विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जगजीवन नगर,(साइबर थाना के बगल में, बांग्ला नंबर दो) में धनबाद के भाजपा सांसद ढुल्लू महतो और पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने रविवार को पार्टी के संसदीय कार्यालय का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि मेरी प्रारंभिक सोच हमेशा से यह रही है कि धनबाद के प्रत्येक वर्ग के लोगों को उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। आज धनबाद संसदीय कार्यालय का शुभारंभ इसी उद्देश्य के साथ किया गया गया है, ताकि पार्टी कार्यकर्ता एकजुट होकर जनता की सेवा कर सकें। सांसद ने कहा कि इस कार्यालय में मेरे सभी सक्रिय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे, जो सेवा भाव और समर्पण के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करेंगे। उन्होंने भाजपा को और भी मजबूत करने के प्रति अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि संगठन की ताकत से ही हम जनता के बीच अपने कार्यों का प्रचार-प्रसार कर सकते हैं। वहीं, पूर्व सांसद पीएन सिंह ने कहा कि यह कार्यालय सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि भाजपा के विचारों और हमारी मेहनत का प्रतीक है। कहा कि ढुल्लू महतो ने हमेशा जनता के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई है और इस कार्यालय के उद्घाटन से पार्टी को और भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल सत्ता पाना नहीं, बल्कि हमारे विचारों और सेवा भाव से समाज के हर जरूरत को पूरा करना है। हमें अपने कार्यकर्ताओं को और भी संजीदगी से एकजुट कर भाजपा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर बाघमारा के नव निर्वाचित विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर सम्मानपूर्वक पार्टी की विचारधारा के लिए कार्य करना होगा। हम सभी को मिलकर धनबाद को तेजी से विकास की दिशा में आगे ले जाना होगा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ नेता संजय झा और धन्यवाद ज्ञापन नितिन भट्ट ने किया। इस मौके पर मिल्टन पार्थ सारथी, पंडित गुणानंद झा, पूर्व जिला अध्यक्ष हरिप्रकाश लाटा, सिंदरी से तारा देवी, चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष डब्ल्यू बाउरी, चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, अखिलेश सिंह, संजीव अग्रवाल आदि मौजूद थे।

मजदूर की मौत के बाद मुआवजा देने में आनाकानी, लोंगों में आक्रोश, पुलिस तैनात

निरसा (आजाद सिपाही)। निरसा थाना क्षेत्र के तेतुलिया स्थित शुभ सेल्स भट्ठे के कर्मचारी संजय कुमार चौधरी की बरवाअड्डा में शनिवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को एम्बुलेंस से भठ्ठा लाया गया। इसकी सूचना भठ्ठा मालिक विनोद अग्रवाल को दी गई। लेकिन कर्मचारी की मौत को लेकर ईंटभट्ठा मालिक असंवेदनशील बना रहा। स्थानीय लोंगों ने बताया कि मृतक संजय उक्त भट्ठे में 25 वर्षों से कार्यरत था। भठ्ठा मालिक के ही निर्देश पर वह शनिवार को बरवाअड्डा किसी काम से गया था। काम कत्म करवापस लौट रहा था कि तभी वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। रविवार को शव का अंत्यपरीक्षण कराकर एम्बुलेंस से भठ्ठा लाया गया। मुआवजे के लिये भठ्ठा मालिक बिनोद अग्रवाल से संपर्क स्थापित किया गया। वह असंवेदनशील बना रहा। इससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। हालांकि इसकी सूचना ाकर विधि व्यवस्था के लिये निरसा पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी थी। भठ्ठा मालिक के असंवेदनशील रवैये के देख कर लोगों ने नाराजगी जाहिर की। सूत्रों के अनुसार निरसा थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर मंजीत कुमार ने भठ्ठा मालिक बिनोद अग्रवाल से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया पर उसने फोन नहीं उठाया। समाचार लिखे जाने तक भठ्ठा गेट के बाहर लोंगों का जमावड़ा लगा हुआ है और मृतक का शव एम्बुलेंस में है। मृतक देवघर के कैरो का रहने वाला था। उसके छोटे छोटे बच्चे हैं ।

राजस्थान के जोधपुर में बीएसएफ का 60वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया

साहस, शौर्य और बलिदान के बल पर बीएसएफ ने देश के 'फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस' को मजबूत बनाया : अमित शाह

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को राजस्थान के जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 60वें स्थापना दिवस समारोह परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के सिक्यूरिटी सिनोरियो में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है और इसमें हमारे बीएसएफ के जवानों का योगदान स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि छह दशकों से साहस, शौर्य और बलिदान के बल पर ही सीमा सुरक्षा बल ने देश की फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस को मजबूत करने का काम किया है। बीएसएफ ने सीमा पर आने वाली सभी चुनौतियों का मुकाबला कर देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति को सशक्त किया है। श्री शाह ने कहा कि 1 दिसंबर, 1965 से लेकर आज तक निरंतर देश की पूर्वी और पश्चिमी सीमा को सुरक्षित रखने का बीएसएफ का रिकॉर्ड शानदार रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि बीएसएफ के 1992 जवानों ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है, जिसके लिए देश की जनता सदैव उनकी ऋणी रहेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छह दशकों से सीमा सुरक्षा बल ने हमारी सुरक्षा को चाक-चौबंद रखा है। देश की बढ़ती सुरक्षा जरूरतों को बीएसएफ के बिना पूरा करना असंभव है, इसीलिए 25 बटालियन से शुरू हुआ ये बल आज 193 बटालियन तक पहुंच गया है। श्री शाह ने कहा कि 2 लाख 70 हजार जवानों की संख्या वाला ये विश्व का सबसे बड़ा सीमारक्षक बल है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने 2024 में भी जाली मुद्रा, नारकोटिक्स, घुसपैठ और वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ने का अपना रिकॉर्ड अनेक अभियानों के माध्यम से बरकरार रखा है।

उन्होंने कहा कि देश की प्रथम रक्षा पंक्ति के रूप में 1992 सीमा प्रहरियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है और अब तक उनमें से 1330 जवानों को पदक दिये गये हैं। इनमें 1 महावीर चक्र, 6 कीर्ति चक्र, 13 वीर चक्र, 13 शौर्य चक्र, 56 सेना मैडल और 1241 पुलिस पदक शामिल हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश के साथ लगती 591 किलोमीटर सीमा पर बाड़ लगाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि 1159 किलोमीटर सीमा पर फ्लड लाइट लगायी गयी हैं, 573 बॉर्डर आउटपोस्ट और 579 ऑब्जरवेशन पोस्ट बनाये गये हैं। इसके अलावा 685 स्थानों पर बिजली कनेक्शन, 575 पानी के कनेक्शन और 570 जगह पर सोलर प्लांट बनाकर बिजली की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि लगभग 1812 किलोमीटर के दुर्गम क्षेत्र में सीमा सड़क निर्माण और इनके माध्यम से गांवों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने का काम नरेंद्र मोदी सरकार ने किया है।

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि 4800 करोड़ रुपये के बड़े बजट के साथ प्रायोगिक स्तर पर शुरू किया गया वायब्रेंट विलेज प्रोग्राम है। इसके तहत देश की उत्तरी सीमा पर कई गांवों को वायब्रेंट विलेज बनाया गया है, विशेषकर उन गावों में जहां पर पलायन की समस्या थी। उन्होंने कहा कि ऐसे गांवों में हर प्रकार की कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सुविधाएं और वहां के नागरिकों को सम्मान, रोजगार और बेसिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कई प्रकार के काम किए गए हैं। श्री शाह ने कहा कि लगभग 3000 गांवों में प्रायोगिक स्तर पर वायब्रेंट विलेज कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसे बाद में देश की सीमा के हर गांव तक पहुंचाया जायेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल द्वारा ओखा में देश की पहली नेशनल कोस्टल पुलिस अकादमी की स्थापना की गयी है, जो हमारी जल सीमाओं की सुरक्षा में तैनात राज्यों की पुलिस और सीमा रक्षक बल की ट्रेनिंग का काम करती है। इसके साथ ही मोदी सरकार संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली लायी है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल में कॉम्प्रिहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में धुबरी में स्थापित किया गया है और इसके शुरुआती परिणाम बहुत उत्साहजनक हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ सुधार कर पाकिस्तान और बांग्लादेश की पूरी सीमा पर लागू किया जायेगा। श्री शाह ने कहा कि बॉर्डर फेंस को सुदृढ़ करने और भारत की ओर सीमा पर सड़कों के निर्माण के साथ-साथ कई और इंफ्रास्ट्रक्चर के काम किये गये हैं।

ड्रोन समस्या का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में यह और बड़ी हो जायेगी। उन्होंने कहा कि इसका आंकलन कर Whole of Government Approach के साथ देश की सभी सीमाओं की सुरक्षा कर रहे सभी सीमा सुरक्षा बलों, रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ और भारत सरकार के अनुसंधान में लगे सभी विभागों ने मिलकर एक लेजरयुक्त एंटी ड्रोन गन माउंट प्रणाली बनायी है। उन्होंने कहा कि पंजाब के साथ लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 55% ड्रोन हमलों को निरस्त कर ड्रोन को गिराया गया है, जो पहले तीन प्रतिशत के आसपास था। गृह मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि कुछ ही वर्षों में एक संपूर्ण ड्रोन निरोधी यूनिट बनायी जायेगी, जो ड्रोन के कारण आने वाले खतरों से देश को सुरक्षित करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि ये जवान देश की पहली रक्षा पंक्ति के रूप में खड़े होकर देश की सुरक्षा करते हैं और प्राकृतिक आपदा, आतंकवादी हमलों या फिर वामपंथी उग्रवाद, सबके खिलाफ मजबूती से लड़कर नागरिकों की सुरक्षा करते हैं। हमारे जवानों का हर कदम, संघर्ष और जीत पूरे देश को अहसास दिलाते हैं कि भारत अजेय है और इसे कोई पराजित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों के मन में अजेय होने के इस विश्वास का पूरा श्रेय सीमा पर खड़े हमारे जवानों को जाता है। गृह मंत्री ने कहा कि इन जवानों के समर्पण और बहादुरी के बिना प्रधानमंत्री मोदी के 2047 तक एक पूर्ण विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव है और सिर्फ हमारे जवानों की वीरता, समर्पण, त्याग और बलिदान ही इसे संभव बना सकते हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हाउसिंग सेटिस्फेक्शन रेशियो बढ़ाने के लिए पिछले 5 साल में 13000 घरों को मंजूरी दी गयी है और गत 5 साल में मंजूर किये गये 11000 घरों को बनाने का काम पूरा कर दिया गया है। इसके साथ-साथ, 111 बैरक बनाये गये हैं और सीएपीएफ ई-आवास वेब पोर्टल के माध्यम से खाली पड़े घरों को आवंटित करने का काम भी किया गया है। श्री शाह ने कहा कि सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने पौधरोपण के लिए भी बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार की सारी जनकल्याणकारी योजनाओं को गावों तक पहुंचाने के लिए भी सभी बलों ने भरपूर प्रयास किये हैं।

मुख्यमंत्री को प्रयागराज महाकुंभ मेले का निमंत्रण

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रयागराज महाकुंभ के लिए मुख्यमंत्री मोहन माझी को निमंत्रण भेजे है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले साल प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के लिए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को निमंत्रण भेजा है। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उत्तरप्रदेश के श्रम एवं नियोजन मंत्री अनिल राजभर और खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास जाकर निमंत्रण पत्र दिया। प्रयागराज महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा।

आखिरी बार यह महाकुंभ मेला 2013 में लगा था। यह महाकुंभ मेला 13 जनवरी को प्रयागराज में लगेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाकुंभ मेले के दौरान स्नान करने से पाप धुल जाते हैं। हर बार कुंभ मेले का आयोजन भारत में केवल चार पवित्र नदियों और चार तीर्थ स्थानों पर ही होता है। पौराणिक कथा के अनुसार जब देबासुरों के बीच अमृत कलश के लिए संघर्ष हुआ, तो उक्त कलश से चार बूंद अमृत चार स्थानों - प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिरा था। अब उन चार स्थानों पर महाकुंभ मेला लग रहा है।

विश्वभूषण हरिचंदन को सीएनएमएस, नयी दिल्ली की सलाहकार परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओड़िशा के पूर्व कानून मंत्री और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को सीएनएमएस, नयी दिल्ली की सलाहकार परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (सीएनएमएस-नमो केंद्र) की कार्यकारी परिषद ने विश्वभूषण हरिचंदन को नियुक्त करने का फैसला किया है। वह एक दूरदर्शी नेता, एक निपुण शिक्षाविद, एक विपुल लेखक और एक प्रतिष्ठित वकील हैं। वह असाधारण बुद्धि, अनुभव और समर्पण के धनी नेता हैं, जिन्होंने सार्वजनिक सेवा और हमारे राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

FURNITURE PLANET
A Unit of Supreme Techno (India)
Manufacturing Unit of
Revolving Chairs, Office Sofa and Restaurant Furniture
LARGEST SHOWROOM IN JHARKHAND
Web: www.supremetechnoindia.com
Add.: Opp. Hanuman Dharamkanta, Kokar, Ranchi
9570040095, 9570007788

JOB VACANCY
सुनहरा अवसर महिलाओं के लिए
एक बड़ी Reputed Company में राँची के लिए Jobs Opportunity है जिसके लिए निम्न योगयताएँ अनिवार्य है :-
• Only Female.
• Age 30 to 45 Years.
• Minimum Qualification Graduation
• Married only.
• Experience को वरियता
Post Applied For
Life planning Officer (LPO)
Fixed Salary : Rs. 12000 to 17000 (Monthly) +Incentive, PF, Gratuity, Medical & Bonus
Eligible Candidates are request to contact immediately with resume & Photograph on below Contact.
Vacancy सिमित है..
ONLY 10 LEFT HURRY UP
नोट : 29 साल से कम एवं 45 साल से उपर उम्र वाले व्यक्ति सम्पर्क न करें।
Address : 2nd Floor, R.S. Tower, Lalpur, Ranchi
M.: 7004800036, 9905678089 (W)

सीबीआइ ने भुवनेश्वर में सिलसिलेवार छापेमारी कर 3 लोगों को किया गिरफ्तार

- भुवनेश्वर, कटक और छत्रपुर (गंजम), नयी दिल्ली और कोलकाता में पांच स्थानों पर एक साथ छापेमारी
- रिश्वत की रकम के साथ 4 करोड़ रुपये की आलीशान मर्सिडीज-मेबैक कार भी जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ), नयी दिल्ली ने भुवनेश्वर में छापेमारी की अपनी श्रृंखला जारी रखते हुए आज भुवनेश्वर में राम मंदिर के पास स्थित ब्रिज एंड रूफ कंपनी लिमिटेड पर छापा मारा और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। भुवनेश्वर, कटक और छत्रपुर (गंजम), नयी दिल्ली और कोलकाता में पांच स्थानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है।

मूल्यांकन के बाद सीबीआइ ने बताया कि 1.5 करोड़ रुपये के सौदे को निपटाने के लिए 12 लाख रुपये की रिश्वत दी जानी थी। रिश्वत की रकम के साथ 4 करोड़ रुपये की आलीशान मर्सिडीज-मेबैक कार भी जब्त की गयी। इस संबंध में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सीबीआइ ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान ओड़िशा-पश्चिम बंगाल के ब्रिज एंड रूफ कंपनी लिमिटेड के प्रमुख चंचल मुखर्जी, आदित्य देव इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के एमडी देबदत्त महापात्रा और ठेकेदार प्रदीप महंत के रूप में हुई है। देबदत्त महापात्रा के घर से नकदी बरामद की गयी है।

गुप्त सूचना के आधार पर सीबीआइ टीम ने कमिश्नरेट पुलिस के साथ मिलकर भुवनेश्वर के मेफेयर होटल के पास छापा मारा और चार लोगों को हिरासत में लिया। उनके पास से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई।

असर्फी हॉस्पीटल
आयुष्मान भारत एवं मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत नि:शुल्क इलाज की सुविधा उपलबध
• बाईपास सर्जरी / ओपन हार्ट सर्जरी
• हृदय वाल्व की रिपेयर या रिप्लेसमेंट
7808368888 www.asarfihospital.com

50% Off Making Charge
भारी छूट
आकर्षक उपहार
NEW SONI JEWELLERS
GOLD SILVER DIAMOND
Opp. Nirwachan Aayog (Election Commission) Ratu Road, Chowk, Ranchi - 01
9199555285880
918431143722

LAKSHMI VASTRALAY
अच्छे से अच्छा फिर भी सस्ता
फैन्सी
हमारे यहाँ फैंसी साड़ी, लहंगा, सूट सभी तरह के वस्त्र उचित दामों मे मिलते है।
7033265646
Coal Board Colony, Near Dy.SP Bunglow
Police Line Hirapur, Dhanbad

पुरी श्रीमंदिर के रत्नभंडार की मरम्मत 16 दिसंबर से शुरू होने की संभावना

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के पुरी में स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर के खजाने रत्नभंडारा की मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम 16 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। इस संबंध में एएसआइ अधीक्षक से जानकारी मिली है। इस पर चर्चा के लिए दो दिनों में बैठक होगी। बताया गया है कि मरम्मत कार्य के लिए प्रतिदिन 5 घंटे का समय चाहिए। एएसआइ अधीक्षक ने कहा कि पहले हम रत्नभंडार के बाहरी और फिर अंदरूनी हिस्से पर काम करेंगे। अगर किसी जगह पर पत्थरों को बदलने की जरूरत होगी तो हम उन्हें बदल देंगे। मंदिर के रत्नभंडार को पिछले साल जुलाई में निरीक्षण के लिए खोला गया था। सभी आभूषणों को एक संदूक में भरकर मंदिर में बने अस्थायी स्ट्रांग रूम में रख दिया गया है, लेकिन रत्नभंडार की मरम्मत का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। पहले कहा गया था कि कार्तिक महीने के बाद रत्नभंडार की मरम्मत की जायेगी।

प्रकाशित
झारखंड अधिविद्य परिषद, राँची द्वारा आयोजित वर्ग-XI की बोर्ड परीक्षा - 2025 के लिए JCERT, राँची द्वारा जारी नये संशोधित पाठ्यक्रम (बहुविकल्पीय प्रश्न)
Verma's Today CHAPTERWISE CLASS-XI 2025
ARTS, SCIENCE, COMMERCE
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!
VERMA PRESS PVT. LTD.
4, R. G. STREET, THARPAKHNA RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**